कुड़ुख़ भाषा साहित्य

डॉ० प्यारी कुजूर

कुड़ुख़ भाषा साहित्य

डॉ॰ प्यारी कुजूर

एजुकेशनल बुक सर्विस

नई दिल्ली-110059

इस पुस्तक में दी गई सामग्री एवं व्यक्त विचारों के मौलिकता का दायित्व पूर्णतः लेखक का है तथा किसी भी प्रकार की होने वाली हानि के लिए शब्द संयोजक, मुद्रक तथा प्रकाशक का कोई भी दायित्व नहीं होगा।

ISBN : 978-93-93469-49-6

प्रकाशक-

एजुकेशनल बुक सर्विस

एन-3/25-ए, डी. के. रोड, मोहन गार्डन,

उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 (भारत)

चलभाष : +91-9899665801

ई-मेल : ebs.2012@yahoo.in

कुड़ुख़ भाषा साहित्य

मूल्य : ₹ 400.00

प्रथम संस्करण : 2023

© सुरक्षित

प्रस्तुत पुस्तक का किसी भी रूप में प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, वितरण एवं पुनः प्रकाशन करना दण्डनीय अपराध है, तथा ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भारत में प्रकाशित-

'एजुकेशनल बुक सर्विस' द्वारा प्रकाशित। सत्यम् प्रिंटोग्राफिक्स द्वारा लेजरटाईप सेटिंग तथा विशाल कौशिक प्रिंटर्स, शाहदरा, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

तंगआ बक

कुडुख़ कत्था भखा एकला मल्ली, पहे कुडुख़र गही जाति हूँ हिके। ई भखा द्रविड़ परिबा ता भखा तली। हुल्लो परियातिम कच्छनखरते बरआ लगनर ।कुडुख़ भखा ता आलर मझी एकासे तंगआ उज्जना-ओक्कना, ओन्ना-मोक्खना, परब-तिहार मनाबअनर आद दाह दाह ईत्थिरअी। जोक्क कत्थान सोझ मल बअर की तर्क पूर्ण टेढ़ा बक ती हूँ बतारअी, अदिन नाम बुझुरनखरना/कहुता/ मुहाबरा बअदत। पुरखर गही इबड़ा हुरमी तिंग्गका कत्थान जोगाबअना/ मोड़ा मुस्गर की उइना अकय चॉड़ रअी ।एन इबड़ा कत्थान तरपांतीनती खूजना सरियना दरा टूड़ना गही नलख ननजका रअदन। ईद सिखरूर, बचउर अरा बचतुर गे नेब्बा दरा सेब्बा मनो इबड़ा कत्था नीम एन खोड़अर की खोड़हा गही पस्ती नू चिआगे सपड़रकन, ओंदा अक्कू कुडुख़ खोड़हा ता आलर इदिन ईजिरआ। ईद बरना बेड़ा गे टूडू बचऊ कुक्को कुकोयर गे काम लाहओ, एन्ने एन बुझुरदन।

टुडुऊ

जय धरमे

डॉ० प्यारी कुजूर
संत जेवियर महाविद्यालय
महुआडॉर, लातेहार।

पत्त इदऊ

तंगआ बक (v)

1. कुडख़ पहेलियाँ (बुझुर नखरना) 1

2. बुझुर नखरना 4

3. कुँडुख अकिल 41

4. बई तुर्रा (मुहावरे) 53

5. कुँडुख़ लोकोक्तियाँ (बंको कत्था, कहावतें) 90

6. बंको कत्था (कहावतें) 98

1

कुड़ख़ पहेलियाँ

(बुझुर नखरना)

'पहेली' मानव के विकास और व्यावहारिक ज्ञान का सम्यक् प्रदर्शन है। पुरातन काल से मानव - जीवन में इसका विशिष्ट स्थान रहा है। एक ओर यह जनजीवन का शिष्ट मनोरंजन करती है तो दूसरी ओर मानव के सहज - ज्ञान में वृद्धि करके उसकी कल्पना, विचार और स्मरण - शक्ति को विकसित करती है। पहेली की लोकप्रिय विधा के रूप में अनेक सामाजिक भूमिकाएँ हैं। इनमें प्रतिफल, शिक्षण, बुद्धि - परीक्षण और मनोरंजन प्रमुख हैं। इस संबंध में डॉ० दिनेश्वर प्रसाद का मंतव्य है, 'पहेलियों के आधार पर किसी भी समुदाय के दैनंदिन जीवन और विश्वासों का पुनर्निर्माण किया जा सकता है। इस दृष्टि से इनका लोकसाहित्य की किसी भी विधा से भिन्न नहीं है। इसमें जिन विषयों का विवरण मिलता है, वे समुदाय की जीवित संस्कृति से गृहीत हुए हैं। भारतीय पहेलियों में मुख्य रूप में कृषि - संस्कृति की सामग्री का समावेश हुआ है। यह बहुत स्वाभाविक है कि इसमें नागर या अभिजात्य जीवन को अत्यंत सीमित अभिव्यक्ति मिली है। 'आदिमजातीय - संस्कृति में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि इनमें कृषि - संस्कृति प्रतिफलित हुई है। रामनरेष त्रिपाठी बुझौवल को पहेली का पर्याय मानकर लिखते हैं, 'बच्चों की बुद्धि पर षान चढ़ाने के लिए गाँवों में बहुत - सी पहेलियाँ जिन्हें बुझौवल कहते हैं, प्रचलित हैं। बुझौवल गूढ़ार्थ वाले होते हैं।'' उन्हेंने पहेलियों को 'बुद्धि पर शान चढ़ाने का यंत्र' और स्मरण - षक्ति या वस्तु - ज्ञान बढ़ाने की कलाएं कहा है। कृष्णदेव उपाध्याय पहेली की उत्पति का एक कारण मनोरंजन मानते हैं। उनके अनुसार, 'किसान को दिन भर कठोर परिश्रम करते रहने से तनिक भी अवकाश नहीं मिलता। भीषण श्रम से उसका शरीर और मस्तिष्क चूर - चूर हो जाता है। अतः रात्रि

में भोजन आदि से निवृत होकर वह इन पहेलियाँ को बुझाकर अपने दिल और दिमाग को ताजा करता है। गाँव में जहाँ सिनेमा नहीं हैं, जहाँ थियेटर का अत्यंत अभाव है, जहाँ मनोरंजन के कोई भी अन्य साधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ ये पहेलियाँ इन कृषकों के मनोरंजन के अन्यतम साधन हैं।

पहेलियों को छत्तीसगढ़ी में 'धंधा' अथवा 'जनौवल' कहा जाता है। अनुमान के आधार पर 'धधा' द्वंद्व से विकसित आंचलिक अभिव्यक्ति है जिसका आषय संघर्ष के मध्य पथ का अन्वेषण है। इसमें बुद्धि का परीक्षण होता है इसलिए इसे 'जनौवल' कहकर लोकमानस के मध्य प्रष्न उछाल दिया जाता है। 'जनौवल' का अर्थ है - 'जानना', जो 'अव्वल' अर्थात् प्रथम दृष्ट्या ज्ञान - प्रेषित करने वाला सफल सिद्ध व्यक्ति होता है। 'लाल बुझक्कड़ बूझे और बूझे न कोय' के अनुसार पहेली की उलझन को कोई लाल - बुझक्कड़ ही सुलझा सकता है इसलिए इसे छत्तीसगढ़ी में बुझौवल और कुँडुख़ में 'बुझावल' (बुझुर नखरना) कहा जाता है। डॉ० भालचन्द्र राव तैलंग के अनुसार, 'छत्तीसगढ़ी धंधा अथवा जनौवल के समान ये उक्तियाँ भी घरेलू वातावरण से संबंध रखती हैं। इनमें धर्म, नीति, इतिहास, उपदेश, सूचना, आलोचना, व्यंग्य की भावनाएँ निहित हैं। देवी - देवता, गंगा का गौरव, राजा नल की विपत्ति, दिल्ली का महत्त्व, छत्तीसगढ़ी के गोंड नरेश, भिन्न - भिन्न जातियों के स्वभाव, रतनपुर की कन्या, मातिन गाँव की दुखद जलवायु, राजा - रानी, धनवान - नंगा, जोगी - पांड़े, चोर - साव, टोनही - रोनही' पँड़ाइन - सुइन, संवरा - राऊत, गौंटिया - गँड़वा सभी इन उक्तियों के विषय हैं। खेती साझे का व्यापार ऋतु, ग्रह - नक्षत्र सभी की जानकारी इन कहावतों में मिलती हैं। खेती के संबंध में बियासी, रोपा, बत्तर, कोपर आदि स्थानीय पद्धति या विषेष वस्तुओं का वर्णन हुआ है। हाथी से लेकर लीख तक पशु - पक्षी एवं अन्यान्य जीव - जंतुओं के संकेत इनमें मिलते हैं। अद्भुत हास्य, मनोरंजन के अतिरिक्त इन कहावतों में यौन वृत्ति परिचालक शब्दचित्र अथवा क्रियाओं द्वारा प्रस्तुत सुख की भावना को अभिव्यक्ति मिलती है। अनैतिकता, पशु - प्रवृति, दुर्दांत हठ परुष प्रतिशोध के दमन हेतु कतिपय अश्लील कहावतें/प्रहेलिकाएँ प्रचलित हैं।

कुडुख़ भाषा में भी 'बुझौवल' शब्द प्रचलित है लेकिन ठेठ वन्यांचल में 'बुझुरनखरना' शब्द प्रयुक्त है जिसका शाब्दिक अर्थ आपस में विचार - विमर्श करना, वाद - विवाद या विवेचना करना है।[4] कुडुख़ पहेलियों का संसार विस्तृत हैं।

करने लग जाते हैं। इस तरह यह गठा हुआ पद या वाक्यांष भाषा को अथ- गौरव और सजीवता प्रदान करता है। मुहावरे को परिभाषित करने के लिए डॉ० पालेश्वर प्रसाद शर्मा ने इसका क्रमानुसार निरूपण किया है—

(क) मुहावरे भाषा विशेष के होते हैं।

(ख) ये विशेष अर्थ के ज्ञापक होते हैं।

(ग) मुहावरे की रचना जिन शब्दों से होती है, उनका सामान्य अर्थ गौण हो जाता है और एक नये अर्थ का संकेत मिलता है।

(घ) भाषा विशिष्ट होने के कारण मुहावरों का अविकल अनुवाद अन्य भाषा में नहीं होता है।

2

बुझुर नखरना

1. ओन्टे पच्चो कुरनुम उर्खनुम पंडरू खेरन पटकिई-मुस्सो
2. गुन्छवारे काला उंग्गी - ख़ोख़ा किर्रा पुल्ली - कन्ना
3. भितरी खोखेल खेया बहरी पोट्टा - खेल दरा बदही
4. फिटिंग टोंकका नू नागू आरताका - पोक चुरी
5. फिटिंग टोंकका नू गोबारी चोत्ता - चन्दो
6. लिटिया ओड़ा एड़ टंगरा अहड - पेन पटना
7. खेना नू लबर-लेबेर, पंज्जकाती ठन-ठन - अड़ी (खपरा)
8. एंवदा खण्ड अंवदा दिगहा मनी - कंदा गड्डी अरखना
9. ओन्टे मन्न नू ओन्टे अतखा - बैरखी झण्डी
10. ओन्टे मन्न नू ढेलका दिम ढेलका - खोट्टा
11. ओन्टे मन्न नू लेबदादिम लेबदा - सोन्नारखी
12. ओन्टे मुक्क कुकु तरती खद्दचिई -केड़ा खन्दही
13. लंग लंग पल्लो-हंग हंग लिण्डी -उगी
14. सुंई सुंई चफ चफ - मुंसड़ी
15. खइका कंकती अम्म पझरारई - पटनी/कुलहू
16. गाय धनउई, खोचोल खेयोल धनवई बच्छरू - बी अरा चिअमा
17. आगे काली खोखा गुहाईर ननी - बन्दूक
18. ठुठी चलकी जम्बू नुकई - एड़ा ऐरखना
19. कलो बीरी ढेक्को किरों बीरी सोझ - अड़ी

20. किरया हूँ खज्जा मंझी नू सोना गूटी - केसारी कंदा
21. सिरि-सिरि अम्म नू झिला इंज्जो ओगी - तत्तख़ा
22. गिसो इंज्जो बंछा उटई - सुई मेर
23. सन्नी नू जुदा-जुदा परिदाकली झुमटा - इबसा लट्ठी
24. केड़ा बटगी, कबसी बटगी, बूट बटकी - ओन्टे बटगी - सिम्बाली कोंगा
25. ख़स ख़स अल्ला गही पोट्ट एम्बा - कठड़ा लोन्दा
26. ओन्टा आलस ओन्टे असमन पन्द्रह रोज मेक्खदस, आरा पन्द्रह रोज मोख़दस - चन्दो महीना
27. ओन्टा मुक्का उज्जना नू ओगओन खद्द ननी - केड़ा
28. काले ता काले कबदन एठाआ की कला - ताला कुंजी
29. अइठरका बकरा ओन्टा कुड़ी अहड़ा - घुंघी
30. एड़ा चूतकी रई जोड़ा मेना काली - कोहड़ा अरा लड़ंग
31. नन्ना पद्दा नू, चिच्च लग्गी, नन्न पद्दानू कुहूड़ अरखी - हूका चिलम
32. नुदा नुदा कुंन्दरअी खत्तरी संघेम पानी - खपरा/अड़ी
33. खईका पोटोग खेना ढेठना - बोक्खो
34. रायगुंजर हाथी, मुंका गूटि खुरी - बोक्खो
35. ओन्टे पच्चो ख़ोख़ा तरा अमख़िन उइरयी - कूम ता इंज्जो
36. कुट्टका चोट्टो खेखेलन तुरई - उंसगी
37. सड़िन तिसगआ, मोंखआ गपा गप - केड़ा
38. लदरी घोड़ो गही पच्चीस ठू हाद- चरखा
39. इरंग दरंग ढेरगा नू बूट कुम्बा - मुई
40. किय्या हूँ ख़ज्ज मइय्या हूँ ख़ज्ज मझी नू सोना गूटी - केसरीकंद
41. अत्तखा खसखस, खंजपा लडडू मोखे बीरी तीनई - डहू खंजप्पा
42. अतर मइय्या पखन, पखन मइय्य ढिबा बेगर अम्म कोट्ठा- ईमा

43. अदा केरा इदा बरचा - नजईर
44. अम्मता केंतेर गही ओन्टे एकला कोड़ा - पुण्डरी अत्तखा
45. अम्म सिम्बी - इज्जो
46. कूल खोखलो, खोला ओत्था - पोक
47. आगे दही जमा ननर कोखा बिननर - झरा
48. आन काठ आन बकिला - चपुआ धूकना
49. आबदा तीखिल नू चोप्प मल्ला - बेंक
50. आय गोंगो माय गोंगो पानी के डेराय गोंगो -जूता
51. उज्जना बीरि ओन्टे नामे केच्चका खोखा ढेर नामें- बांस
52. उनी मूखी पहे एका पुल्ली - मन्न
53. उपरिंग तिंग गिरिंग पतिगं तिंग नुसिंग - टटख़ा मूरण
54. उरखय उरखय बीड़ी, मला हीरा बेलायो, एन उलतेम मेनोन - बकिला
55. हुर्मी ओलो मगर गुड्डु तंगदा मल ओलो - डहरे
56. हुर्मी ख़ंज़पा गही टंगना रअी मुंदा ओन्टे गही मल्ला -बी
57. हुर्मी पूँपती एका पूँप सुर्भ्ई - किचरी/कबसी पूँप
58. कुक्क मइय्या फुदना अत्तखा - खेत्ता नेर्र
59. कुदहर चुजनर ओरतोस तुरूगदस - पल्ल अरा ततख़ा
60. ओंद बित्त गही वित्तना सवा हाथ की गोच्चो - मेर और सुई
61. किय्या हूँ ठठरा मइया हूँ ठठरा, मझी नू नली मोखारो पठरू- किचरी एस्सना डुंगी
62. ओंद बित्ता गही वित्तना, सवा हाथ ही गोच्चो - मेर और सुई
63. खयका अतखा राजी-राजी कुद्दी - चिट्ठी/पैसा रूपया
64. ख़न्न, लुतू-लुतू खेबदा कोंहा कोंहा - पेटे/हाथी
65. खसरा -खुसरू आलस बेल एड़पा कादस - कटड़
66. गेला अड्डो गोटे पोखारी ता अम्म उनी - ढिबरी (बिल्ली)

67. तेली का तेल कुम्हार का भण्डा - कुल्हु
68. मुंध बेटस कुन्दरदस अदि खोखा बगस - मदगी
69. फल में जल, जल उपर डंडा, डंडा उपर छाता, छाता उपर तीता तीता उपर तता - हुक्का
70. मइय्या हूँ ख़ज्ज किय्या हूँ ख़ज्ज अदि गही मझही रंगैनी ख़ंजपा - केशारी/केसवर
71. लिपड़ी घोड़ो गही पसीस हो ठो हद्द - चरखा
72. कित्तका नू एका कित्तका दव - झरा
73. केच्चका नू एका केच्चका दव- इज्जो
74. उसुगका एका उसुगका दव - कबसी
75. पूँव नू एका पूँप दव - ढिबरी बिल्ली
76. खेना नू ओन सेर केच्चका नू चार सेर - मुर्दा/सव
77. एड़पा रई मुदा बली मल्ला - कोवा/बी
78. ओन्टा परता मइय्य घंसीदिम घासी- चुट्टी
79. ओन्टे मन्न नू अचरीदिम अचरी - डोड़ो/मुन्गा ख़ज्जा
80. ओन्टा आलस गही खोख़ा तरा ख़न्न -ककड़ो
81. खेड्ड खेक्ख मलका आलस गोहला उयदस - चुमाखारो
82. ओन्टा बइलती एड़पा नींदि - बिल्ली
83. केच्चका मेढ़हो अम्म ओना काली - कूम
84. कुबा पचगिस बेंक नअदस- तेताली
85. मोखारो टोड़ग नू बसई, सेसो अम्म उनी - पेन
86. मोखारो टोड़ग नू बसई, सेसो अम्म अनी - पेन
87. खोत्तका बकरा मेर्खन मेन ईरी - खेस्स नाड़ा
88. ओन्टा मरग गही अडडो एंवदा मोखतोय अंवदा मूखी- चूल्हा ता कंक
89. ओन्टा खल्ल नू पण्डरू कुल्ला - ओसा

90. ओन्टा पच्चो कंकन ऊनी मूखी- उगता
91. काली किर्रा पूल्ली - खेड चम्बी
92. उल्ला खोचोल बहरी पोट्टा - मोड़ा
93. ओन्टा कूबी नू दू रंग अम्म - बी
94. एड़पा रअी मुंदा बली मल्ला, सेसेर रअी मुंदा कुंक मला- झुला
95. ओन्टा मुक्क गही खोखा तरा दुदही- केतेर
96. कूबड़ी पच्चो गही कूल तरा पल्ल - तांतर
97. खड़िदकन केरकन एंगन मुंडडा होले एकोन- सिसा/पेंसिल
98. ओन्टा मन्न नू लवादिम लवा- कोरंजो पूँप
99. ओन्टा पंच्चो चोआ खनेम कड़िरका ननी- चुल्हा
100. ओन्टा पंच्चो पइरीम इमरअी - खंज्जरकी दा चोम ले उकी - कद्दु
101. ओन्टा आरचीन ने हर हूँ मल पिसी - नेंर
102. हुर्मी अत्तखा निदगी ओन्टा अत्तख मल निदगी - कींदा अत्तखा
103. बगस पिटा केरस अंयग उजता केरा - रोवा-रोपा
104. मइय्या खोता किय्यया बी - मदगी
105. आयो चबराही तंगदा गुनदराही - पान
106. बिना लड़ग गही केदा - ओड़ोसगो / पुटू
107. सन्नी, कोहा डोबहा, बकिला लेखा सोभा - थड़ा अरा मण्डी
108. हजार चोर नू ओन्टे चोरसिन ध्रओय होले होरमर धरनर - मण्डी
109. जोड़ा मेना काली एड़ा बिड़िरकी रअी - नोल, कोहड़, झिंगी गोगरा
110. ओन्टा आलस गही नाखगो खेड्ड - चैकी, टेबल, खटिया, कुर्सी
111. टिरी टिपी गाय भंडे भंडा दुदही - मनी
112. गोला अडडो अम्म ओनर खियी - चिच्च
113. सात सइतीन ओन्टे खेडड - रसड़ी
114. मइय्या खोचोल उला गुददा - एक्क, खोट्टा/नइरकल/नारियल

115. ओन्टा पंच्चो ओन्टे काली, एरखते काली- जटा नू कसना
116. गोला अड्डो खोला ती अम्म ऊनी - ढिबरी बिल्ली
117. तीर-मीर ठोठोक ठुया - नौर
118. मोखारो अड्डो खन्दरई, खेसो अड्डो टाटी - कट्टु अरा चिच्च
119. केच्चका ओय नाखई- चपुवा
120. हाथी गही कुल नू मैना चेरे बेरे - एड़पा
121. खईका कंक जोर ती गरजारअी - बंदूक
122. ख्इका कंक नू सुग्गा नली - टोंगए
123. पण्डरू खल्ल नू मोखारो बिहनी - कागज अरा स्याही
124. अटखा मन्न नू खेसो गमछा -मिर्चा
125. कित्तका मेंढ़हो खाड़ एमआ काली - किचरी
126. गोला अड्डो मझी टोंका नू हियो-हियो बई - ढोल
127. ओन्टा थरा नू हजार ठू बिल्ली - बिनको
128. बेगर दुदही गही जानवर- खेर
129. ओन्टा बास नू ओट्टा मला - चुट्टी
130. तंगियो चेपटा, तंगदस गोल - लुड़ही-पट्टा
131. खईका टंगरा ती अम्म पझरारअी - कपड़े एरचारना
132. चेने -मेने तूसा तनिएकन चिच्चन सहआ पुल्ली - खन्न
133. ओन्टा पूँप माखा बीरी बीड़ीरकी, पईरी बेरी खोड़रअी - पिअरी
134. अयो झबरही बिअी सुन्दरही - भेटांगो/पान
135. गिसां इज्जो आड़िन उटई - सूई
136. पण्डरू बकरा घोरनन डिगई - चिंद
137. कित्तका मेढ़हो खाड़ एमआ काली - किचरी
138. ओंटा जानवर गही दू ठो खोला- हाँथी
139. ओंटा पच्चे गुण्डा-मुण्डा छिरई - जता

140. ओंटे खेर कानुम-कानुम सै गो बी टिड़ई- मिसीन
141. ओंटे मरग अड्डो एंवदा मोख़तय अंवदा मोखो - जाता
142. बड़ा अतखा खतरका अड्डा ती चोआ पुल्ली - चम्बी
143. साहेबर गही कुक्क नू तबा - टुपी
144. एड़ आलर उतान, खने ओरोतस मुलखुका - खपरा
145. ओंटे सवार तीन ठो घोड़ो - चुल्हा
146. बेल तंग्दस दुक्खेन सहआ पोलदस - खन्न
147. मूखी पहे अम्म मा उनी - ईंमा
148. खेना लेदेर-लेबेर पंजका हदकदा- अड़ी
149. वंसी डांग टुहिल देमता पोटांग फुद -अड्डो गहि खोला दरा गोबारी
150. वेलस गहि धुतीन ने नपआ ओंगो -डहरे
151. अतख़ा खसखस, ख़ंजपा लड्डू मोख़ोबीरी तीनअी-डहू ख़ंजप्पा।
पत्ती खसखस, फल लड्डू, खाने में मीठी-(डहु फल) बड़हर
152. अतर मइंरया पखन, पखन मइंरया ढिबा
बेगर अम्म कोट्ठा ईमा कमचकन
बिन पानी के घर मैं बनाया-दीमक
153. अदा केरा इदा बरचा-नजईर/नंइजर
वो गयी ये आई-नजर
154. अम्मता केंतेर गही ओंटे एकला कोंड़ा-पुण्डरी अतख़ा
(पानी का सूप का केवल एक ही कोना)-कमल का पत्ता
155. अम्म सिम्बी-इन्जो
(पानी का सेम)-मछली
156. अर्गनी रती बरअी बाघ-बधिन
(किस ओर से बाघ-बधिन चढ़ाई करती है)
157. कूल खोखलो, ख़ोला ओत्था-पोक
(पेट चिपटा पूँछ लम्बी)-चिंटी

158. आगे दही जमाली, पीछे दुहला गाय-झरा
(पहले दही जमाया, पीछे दुहली गाय)-हंड़िया

159. आगे-आगे बकली सेकर पीछे ठोर, सेकर पीछे चोर-अड्डो, उगताअरा

160. आन काठ आन बकिला-चपुआ धुकना
तहाँ नाचे बुढ़ा बन्दरा-चपुवा/ भाँथी चलाना

161. आबदा तीख़ील नू चोप्पा मल्ला-बेक
(अरवा चालव में छिल्का नहीं)-नमक

162. आय गों पाय गों पानी के डराय गों-जूता

163. उज्जना बीरी ओन्टे नामे केच्चका खोख़ा ढेर नामें-बाँस
(जीवित में एक नाम मरने पर अनेक नाम)-बाँस

164. उनी मूखीं पहें एका पुल्ली-मन्न
(खाता पीता है पर चल नहीं चल सकता)-पेड़

165. उपरिंग तिगं गिरिंग तिंग पेतिंग नुसिंग तिंग-टटख़ा
(उपर से गिरा, उठकर सूंघा)-आम

166. उरखय उरखय बीड़ी, मला हीरा बेलायो, एन उलतेम मेनोन-बकिला अरा मूख़ा।
(निकलो निकलो रानी, नहीं, हीरा राजा, मैं भीतर से ही सूनूंगी) बगुला और मेढ़क।

167. हुरमीं ओलो मगर गुग्डु तगंदा मला ओलो-डहरे,
(सब जलेगा मगर गुंगू की बेटी नही जलेगी)-रास्ता

168. हुरमीं खंजपा गही टंगना रअ्ी मुदा ओंटे गही मल्ला-बी
(सभी फलों का डंठल है मगर एक का नही)-अण्डा

169. हुरमीं पूँपती एका पूँपशुभअी-किचरी / कबसी पूँप
(सब फूलों से कौन फूल ज्यादा सोभा देता है-वस्त्रा/ कपास का फूल

170. ओंटा टोंका नू खेस्स बीजिरका-ओसगा चुरी
(एक मैदान/धरती में धान बिखरा हुआ है)-(चूहे द्वारा मिट्टी निकालना)

171. कुक्क मइञ्यां फुदना अतख़ा-ख़ेत्ता नेर्र
(सिर के ऊपर फुदना-नाग साँप)

172. कुदहर चुंजनर ओरतोस तुरूगदस-पल्ल अरा ततख़ा (दाँत और जीभ)
(बहुत लोग कुटते हैं एक उसकाता है-दाँत और जीभ)

173. ओंद बित्ता गही बितनस, सवा हाथ गही गोच्चो, काला हेल्सरस वितनस नुकरआ हेल्लरा गोच्चो-मेर अरा ननमुंही
(एक बिता का बितना, सवा हाँथ की दाढ़ी, चलने लगा बितना हिलने लगी दाढ़ी-सूई और धागा)

174. किय्या हों ठठरा मइंय्या हों ठठरा, मझी नू नली मोख़ारो पठरु-किचरी एस्सना डुंगी
(नीचे भी तख्ता, ऊपर भी तख्ता बीच में नाचती काली मेमना-कपड़ा बुनने की डोंगी)

175. केड़ा बटगी, बूट बटगी कबसी बटगी ओंटे बटगी-कोंगा
(केला बगान, चना बगान, कपास बगान, एक बगान)-सेमल का फल

176. ख़ेना लेबेर-लेबेर पंज्जका ठंग-ठंग-अड़ी
(कच्चा नाजुक-नाजुक पकने पर ठन-ठन-घड़ा)

177. ख़यका अतख़ा राजी-राजी द्दी-चिठी
(सूखा पत्ता देश-देश घुमती है-खत / चिट्ठी)

178. ख़न्न, लुतू-लुतू ख़ेवदा कोहा-कोहा-पेटे
(आँख छोटी-छोटी, कान बड़ा-बड़ा)-हाथी

179. खसरा-खुशरू आलस बेल एड़पा कादस-कठड़ा
(ऊँचा-नीचा, कष्ट हल आदमी राजदरबार जाता है-कटहल)

180. गोला अड्डो गोटे पोखारी ता अम्मन उनी-ढिबरी (बिल्ली)
गोला बैल पूरा तालाब का पानी पीता है-ढिबरी

181. तेली का तेल कुम्हार का झण्डा-कुल्हु
(हाँथी का सूँढ नवाब का झण्डा) कोल्हु

182. मुंध बेटस कुन्दुरदस अदि ख़ोख़ा बंग्स-मदगी
(पहले बेटा का जन्म फिर पिता)-महुआ
16 - कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना-17

183. फल में जल, जल ऊपरा डंडा, डंडा ऊपर छाता, छाता ऊपर तीता, तीता ऊपरा तता-हुक्का

184. मईङ्ग्या हों ख़ज्ज किङ्ग्या हों ख़ज्ज अदि गही मझही रंगैनी खंन्जपा-केंशारी
(ऊपर भी मिट्टी, नीचे भी मिट्टी बीच में रंगैनी का फल)-केसवर

185. लिपड़ी हकुड़ गही पचीस ठो छांद-चरखा
(लिपड़ी घोड़ा का पचीस छांद)-चर्खा

186. कित्तका नू एका कित्तका दव, केच्चका नू एका केच्चका दव, उसुगका नू एका उसुगका दव, पूंप नू एका पूंप दव-झरा, इन्जो, कबसी, ढिड़ही, कबसी पूंप
(सड़ा में कौन सड़ा अच्छा मरा में कौन मरा अच्छा फुटा हुआ में कौन फुटा अच्छा फूल में कौन फूल अच्छा - हड़िया, मछली, कपास फूल)

187. मझही पोखारी नू छिप्पा गडरकी रअी-चन्दो
(बीच तालाब में कटोरा गाड़ा हुआ है)-चांद

188. ख़ेना नू ओन सेर केच्चका नू (बिच्चका) चाइर सेर-मुर्दा/ शव कच्चा में एक सेर मरने पर चार सेर-मुर्दा / शव

189. कुट्टका चोट्टो ख़ेख़लन तूरअी-उसांगी
पकाया चुहा धरती खोंदता है-फाल / फार

190. एड़पा रअी पहें दुरा मल्ला-कोवा / बी
घर है पर दरवाजा नहीं-कोवा / अण्डा

191. ओंटा परता मईङ्ग्या घांसी दिम घांसी-चुट्टी
(एक पहाड़ पर घास ही घास)-बाल

192. ओंटे मन्न नू ओंटे एकला अतख़ा-बयराखी
(एक पेड़ पर एक ही पत्ता)-झण्डा

193. ओंटे मन्न नू आरचीदिम आरची-डोड़ो, मुनगा खंजपा
(एक पेड़ पर छड़ी ही छड़ी-मुनगा फल, अमलताश फल)

194. ओंटा आलस गही ख़ोख़ातरा खन्ना-ककड़ो
(एक आदमी के पीछे तरफ आँख-केकड़ा)

195. नन्ना पद्दा नू चिच्च लघरअी, नन्ना पद्दा नू धुंगिया-हुका
एक गाँव में आग जलती है और दूसरे गाँव में धुवाँ-हुका

196. ख़ेड्ड-ख़ेक्खा मलका आलस गोहला उयदस चुमाख़ारी
(बिन हाथ-पैर वाला आदमी हल चलाता है-साँप)

197. ख़यका कंकति अम्म पझरारई-कुल्हू
(सूखी लकड़ी से पानी पझरता है-कोल्हू)

198. ओंटा बइलती एड़पा नींदी-बिल्ली
(एक बाली से घर भरता है-दीपक)

199. केच्चका मेढ़हो अम्म ओना काली-हुका नू अम्म सजना
(मरा हुआ भालू पानी पीने जाता है-हुका में पानी डालना)

200. कुबा पचगिस बेक नेएदस-तेताली
कुबा/टेढ़हा बुढ़ा नमक माँगता है-इमली

201. मोख़ारो टौडंग़ नू बसअी, ख़ेंसो अम्म उनी-पेन
काला जंगल में बसता है, लाल पानी पीता है-जूँ-ढीला

202. ओंटा दरंगा नू बूट कुम्बा-मूंई
एक तराई में चना का कुम्बा-नाक

203. ओंटा कुक्कोस पइरीम अड़हा बा अहड़ा बअदस-आरची
(एक लड़का सुबह माँस बाबा माँस कहता है)-पैना

204. ओंटा मन्न नू ढेलादिम ढेला-खोट्टा
(एक पेड़ पर ढेला ही ढेला-बेल)

205. खोत्तका बकरा मेर्ख़ा ईरी-ख़ेस्स नाड़ा
(काटा बकरा स्वर्ग देखता है-कटा हुआ धान का डण्ठल)

206. ओंटा मरग गही अड्डो, एवंदा मोख़तोओय अंवदम मूख़ी-चुल्हा ता कंक

207. ओंटा कुक्कोस गही ख़ोला नू सैकड़ो ख़न्न-टोड़ंग् चुब्बा
(एक लड़का की पूँछ पर सौ आँख-मोर)

208. ओंटा खल्लू नू पण्डरू कुल्ला-ओसा
(एक खेत में सफेद छाता-खुख़डी / मशरूम)

209. कुन्दरका बारी कोहा, पच्चगी बारी सन्नी-उगता
(जन्म के समय बड़ा, बुढापे में छोटा-हल)

210. ओंटा पच्चो कंकन उनी-मूखी, अम्म उनी खीई काली-चिच्च अरा अम्म
(एक बुढ़िया लकड़ी खाती-पीती है, पानी पीती है मर जाती है-आग और पानी)

211. काली, किर्रा पुल्ली-खेड्ड चम्बी
जाता है, लौट नहीं सकता पाँव की लीक

212. कादी तो कादी ख़ेबदन अईठअर कलय-तला कुँजी
(जाते हो तो जाओ, कान ऐंठकर जाओ-ताला चाबी)

213. उला ख़ोचोल बहरी पोट्टा-मोड़ा
(भीतर हड्डी बाहर आँत-धान मोरा)

214. ख़ेसो ख़ज्ज हा हा....हा हा-मइरचा
(लाल मिट्टी हा हा...हा हा-मिर्चा)

215. ओंटे कूबि नू दू रंग गही अम्म-बी
(एक कुँआ में दो रंग का पानी-अण्डा)

216. बेगर ढिठुआ गही पंडरू नोल-बी
(बिन टहली का सफेद कट्टु-अण्डा)

217. अयंग् इसानिम रअय बाँस इदआ कादन-आरू लड़ंग्
(माँ यही पर रहो, बाँस रोपने जा रहा हूँ-आरू का लत्तर)

218. एड पा़ रअी मुदा बली मल्ला, आलस रअस पहें मल कच्छनखरदस-मसड़ा
(घर है पर दरवाजा नहीं, आदमी है पर बोलता नही-समशान)

219. ख़ेक्खा रअी मुदा ख़ेड्ड मल्ला, ख़ेसेर नू कुक्क मल्ला-झुला
(हाँथ है पर पैर नहीं, गर्दन है पर सिर नहीं-कमीज / कुर्ता)

220. ओंटा मुक्का गही ख़ोख़ा (मेद) तरा दुदही-केंतेर
(एक औरत के पीछे (पीठ) में स्तन-सूप)

221. कुबड़ी पच्चो गही कूल नू पल्ल-ताँतर
(कुबड़ी बुढ़िया के पेट में दाँत-हँसुवा)

222. खड़िदकन केरकन एंग्गन मुंड्डा होले एकोन-कंक / पेंसिल
(थक गया हूँ, मुझे मुड़ दो तभी चलूँगा-कठ पेंसिल)

223. ओन्टा मन्न नू बागीरका दीम बागीरका-कोरंजो खंज़पा
(एक पेड़ में कंघी ही कंघी-करंज फल)

224. ओंटा पच्चो चोआ खनमे कडिरका ननी-चुल्हा
(एक बुढ़िया उठने समय दतवन करती है-चुल्हा)

225. ओंटा पच्चो पइरीम इमअी-ख़ज्जरअी दरा चुम्म ले उकी-कट्टू
(एक बुढ़िया सुबह नहा धोकर चुम्म सा बैठती है-खाना पकानेवाला/ बर्तन)

226. ओंटा आरचीन ने हूँ मल पिसी-नेर्र
(एक छड़ी को कोई नही उठाता-साँप / सर्प)

227. पोखारी पिंडी नू लकड़ा होंकदारअी-अख़डा नू ख़ेल सड्डी
(तालाब के पीड़ में बाघ गर्जता है-अख़डा में मादर का बजना)

228. हुरर्मी अतख़ा निदगी धर्मेस गही अतख़ा मल निदगी-कींदा अतख़ा
(सब पत्ता झड़ता है ईश्वर का पत्ता नहीं झड़ता-खजूर का पत्ता)

229. अयंग् केरा ओंटन एंड नना, बंग्स केरस अच्च नू अच्च इदआ
अयंग् केरा दाली परमा बंग्स भेटांगो बटगी नू अच्च घेरआ
(माँ गई एक को दो करने, बाप गया काँटा में काँटा रोपने -रोरने)

230. ओंटा मन्न नू ताँतर दिम ताँतर-तेताली
(एक पेड़ में हँसुआ ही हँसुआ-ईमली)

231. मंईङ्या काठ-बाँस अदि किङ्या खपरा-नारियल
(ऊपर काठ-बाँस उसके नीचे खपरा-नारियल)

232. मइङ्या खोता, किङ्या बी-मदगी पूँप
(ऊपरा घोंसला नीचे अण्डा-महुआ फूल)

233. मोख़ारो टोडंग् नू पण्डरू चिगला-पेन-बी
(काला जंगल में सफेद सियार-जूँ का अण्डा)

234. मोख़ारो टोड़ंग् नू मेढ़हो कुद्दी-पेन
(काला जंगल में भालू घुमता है-जूँ)

235. अयो झिवरी बेटी सुन्दरी-मइरचा
(माँ झबरी बेटी सुन्दरी-मिर्चा)

236. बिन लड़ग्ङ गही कंदा-ओड़ोसगो
(बिन लतर का कंदा-रूगड़ा)

237. सन्नी, कोहा डोबहा बकिला लेखा शोभा-थड़ा अरा मण्डी
(छोटे बड़े डोभा बगुला जैसा सुन्दर (शोभा)-थाली और भात)

238. अयो झबरही बिटी सुन्दरही-भेटांगो / पान
(माँ लड़ाकिन बेटी सुन्दरी-बैगन / बैर)

239. ओंटे कुक्कोस खेंसो पगड़ी हेअर किंदरारनुम खतरदस-सेम्वाली पूँप
(एक लड़का लाल पगड़ी बाँध कर घूमते गिरता है-सेमल का फूल)

240. हजार चोर नू ओंटेसिन धरआ खनेम होर्मर धर्रनर-मण्डी
(हजार चोर में एक को पकड़ने से सभी पकड़ा जाते हैं-भात)

241. जोड़ा मेना काली एड़ा बिडिरकी रअी-नोल, कोंहड़ा, झिंगा, गोंगरा
(रस्सी चरने जाती बकरी सोती रहती है-कद्दू, कोहड़ा, झींगी,गोंगरा)

242. ओंटा आलस गही नाख़गो ख़ेड्डु-चैकी टेबल,खटिया, कुर्सी
(एक आदमी का चार पैर-चैकी, टेबल, चारपाई, कुर्सी)

243. टिरी-टिपी गाय भंडा-भंडा दुदही-मनी
(टिरी-टिपी गाय भंडा-भंडा दूध-लोटनी / सरसो)

244. सोंगसोंग काली ढोंग मेत ननी-केंसारी
(सीधे जाती है ढोंग मर्द करती है-केसवर फल)

245. मझही पोखारी नू चँदो गड़गड़अी-तई अरा अस्मा
(बीच तालाब में चाँद गड़गड़ाता है-ताई और रोटी)

246. बुधू बे-लस गही मूका नू खूरी-बोक्खो
(बुधू राजा टखना में खूर-फनगा)

247. गोला अड्डो अम्म ओनर खियी-चिच्च
(गोला बैल पानी पीकर मरता है-आग)

248. ख़इका चपटा ताका ऊरअी-चपुवा
सूखा चमड़ा हवा-फूँकता है-भाँथी

249. ओंटा मन नू लवा दिम लवा-कोरंजो पूंप
(एक पेंड़ में मुरही ही मुरही-करंज फूल)

250. सात सइतीन ओंटे ख़ेड्डु-रसंड़ी
(सात सइतीन एक पैर-लहसुन)

251. चार भाई टमक-टुमुक, दो भाई भुसंडी छिकऊ
एँड़ भइर मेख़ा ईरूर ओंटे भइस भुसड़ी लवऊ-अड्डो गही ख़ेड्डु-ख़ेवदा, मरग, अरा ख़ोला।
चार भाई टमक-टुमुक, दो भाई मछड़ छेकनेवाला
दो भाई स्वर्ग ताकनेवाला, एक भाई मच्छड़ मारनेवाला-बैल का पैर, कान, सींग और पूँछ)

252. खइका कंकनू टेवा नली-टोंगएति कंक पलकना
(सूखा काठ में नील कंठ नाचता है-टांगी से लकड़ी फाड़ना)

253. मइंञ्या ख़ोचोल उला गुट्टा-एक्का, खोट्टा नारियल
(ऊपरा हड्डी अन्दर माँस-कछुआ, नारियल, बेल)

22 - कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना - 23

254. ओंटा पच्चो ओन्ते काली, एरख़ते काली-पट्टा नू कसना (परमना)
एक बुढ़िया खाती जाती पाखाना करती जाती-चक्की का पिसना

255. बुसउन ख़ेस्सति मोड़ा हेअनर-कठड़ा (गठड़ा)
(पुवाल को धन से मोरा बाँधते हैं-कटहल)

256. टेड़हो मरग गाय कुस्सी पहें गोला अड्डो मीख़ी-पान
(तिरछा सींग गाय ढुसती है पर गोला बैल बुलाता है-बेर)

257. गोला अड्डो ख़ोला ती अम्म उनी-बिल्ली
(गोला बैल पूँछ से पानी पीता है-दीया)

258. सन्नी लेकन कुक्कोस सय लेभड़ा किचरी झपरदस-प्याज
(छोटा सा लड़का सौ तहक कपड़ा ओढ़ता है-प्याज)

259. बहरी झंग-झंग उल्ला भंग-भंग-ख़ेल
(बाहर झंग-झंग भीतर भंग-भंग-मांदर)

260. कंदा रअी मुदा ख़ोप्पा मल्ला-ओड़ोसगो
सकरकंद है पर पौधा नहीं-रूगड़ा

261. कुक्क मइंञ्या फिकड़ो खोंता-हुका-चिलम
(सिर पर बुल बुल घोंसला-हुका-चिलम)

262. ओंटा पच्चगीस रोज पइरी पइरी पण्डरू ख़ेरन पटकअदस-मुस्सो
(एक बूढ़ा रोज सुबह-सुबह सफेद मुरगी को पटकता है-नेटा)

263. बरओ वीरि मुठदस कालो वीरि बिछरदस-कुंदुरना अरा खेअना
(आते समय मुठी बंद, जाते समय खुला-जन्म लेना और मरना)

264. तम्बस पिटदस तंगियो उज्जतीई-रोवा ख़ेस्स
(पिता मारता है माँ चिलाती है-रोपा धान)

265. खोंड़रोओ बीरी ओंद रंग बीड़रोओ बीरी रंग बिरंग-बी
(जमाहोने समय का रंग, फैलने समय रंग बिरंग-अण्डा)

266. तीर-मीर-नू ठोठाक ठुयां-नौर
(तीर-मीर-में ठोठो ठुयां-साल पेंड का फल)

267. पण्डरू ख़ेर बीड़रीई मोख़ारो खेर ख़ोड़रीई-उल्ला, माख़ा
(सफेद मुर्गी फैलती है काली मुर्गी सिकुड़ती है-दिन, रात)

268. मोख़ारो अड्डो ख़न्दरीई, ख़ेसो अड्डो टाटी-ट्टु अरा चिच्च
(काला बैल सोता है, लाल बैल चाटता है-खाना बनाने वाला समान)

269. ओंदरोओ वीरी कुबा, कालो वीरी डांडर-कूबि लाईठबरहा
(नीचे खिंचने समय टेड़ा, जाते समय सीधा-कुँवा और लाईठबरहा)

270. केच्चका मेढ़हो अम्म ओना काली-कूम्म
(मरा हुआ भालू पानी पीने जाता है-कुमनी)

271. केच्चका ओय नाख़ओ-चपुवा
(मरी गाय साँस लेती है-चपुवा / माँथी)

272. हांथी गहि कूलनू मैना चेरे-बेरे मनी-एड़पा
(हाथी का पेट में मैना कलरव-कलरव-घर)

273. ख़ईका कंक जोर से गरजारओ-बंदूक
(सूखी लकड़ी जोर से गरजती है-बंदूक)

274. कुक्क मईञ्य फुदना अतख़ा-ख़ेत्ता नेर्र
(सिर के ऊपर फुदीना पत्ता-नाग साँप)

275. ओंटे कुक्कोस तम्बस गही एड़पा कादस-ख़ाड़
(एक लड़का अपना पिता का घर जाता है-नदी)

276. चिट्ठष्ठो ओड़ा दाहन बत्तओ-बिल्ली
पतला चिड़िया झील को सोख देती है-बत्ती

277. गिसो इन्जो अड़िन उटअी-सूई
(गेतुआ मछली मेड़ को बंद करता है-सूई)

278. खइका कंक नू सुग्गा नली-टोंगए
(सुखा लकड़ी में तोता नाचता है-टाँगी)

279. पण्डरू ख़ल्ल नू मोख़ारो बिहनी-कगज अरा सियाही
(सफेद खेत में काला बीज-कागज और स्याही)

280. पण्डरू बकरा घोरनन डिगअी-चिन्द
(सफेद बकरा घेरा पार करता है-राख)

24/ कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना / 25

281. ओंटा परता पईङ्या खली दुबा घांसी-कुक्क अरा चुट्टी
(एक पहाड़ के ऊपर सिपर्फ दुबला घांस-सिर और बाल)

282. टटख़ा मन्न नू ख़ेसो गमछा-मरिचा
(आम पेड़ में लाल गमछा-मिर्चा)

283. कित्तका मेढ़हो खाड़ एमआ काली-किचरी
सड़ा हुआ भालू नदी नहाने जाता है-कपड़ा

284. गोला अड्डो मझही टोंका नू हियो-हियो बअी-ढोल
(गोला बैल बीच खेत में हियो-हियो बोलता है-ढोलक)

285. ओंटे थड़ा नूं हजार गो बिल्ली-बीनको
(एक थाली में हजार बत्ती-तारा)

286. मझही टोडंग् नूं पण्डरू बैराखी-गुलैची पूंप
(बीच जंगल में सफेद झण्डा-गुलैची फूल)

287. आबदा तीख़िल नू चोप्पा मल्ला-बेक
(अरवा चावल में छिलका नहीं है-नमक)

288. बेगर दुदही गहि जानवर-ख़ेर
(बिन स्तन वाला जानवर-मुर्गी)

289. ओंटा बाँस गहि ओटा हों मल्ला-चुट्टी
(एक बाँस का आँख ही नहीं है-बाल)

290. कूल नूं अंगली कुक्कूं नूं पखना-मुट्टी
(पेट में अंगुली सिर में पत्थर-अँगुठा)

291. मझा-मझी दरंगा नूं लूड़ही गुड़रारई-दुदही

292. सुरंग मन्न नूं फिकड़ो खोता-हुका-चिलम
(सुरंग पेड़ में फिकड़ो घोसला-हुका-चिलम)

293. ओंटा मन्न नूं छतना दिम छतना-कोरंजो पूंप
(एक पेड़ में छाता ही छाता-करंज का फूल)

294. ओंटे मन्न नू बागिरका दिम बागिरका-कोरंजो खंज्जपा
(एक पेड़ में कंघी ही कंघी-करंज फल)

295. ओंटे मन्न नू लेबदा दिम लेबदा-सोनरखी खंज्जपा
(एक पेड़ में डण्डा ही डण्डा-बन्दरलौरी का फल/अमरतला का फल)

296. ओंटे मन्न नू नन मूहि दिम नन मुहि-कठड़ा
(एक पेड़ में सुई ही सुई-कटहल)

297. ओंटे मन्न नू ढोल दिम ढोल-कठड़ा
(एक पेड़ में ढोलक ही ढोलक-कटहल)

298. कुकोय बीरी जुदा-जुदा, पच्चो बीरी लट्ठा ढेम्बा-ईबसा घासी
(युवती समय अलग-अलग, बूढी समय गट्ठर में-एक प्रकार का घास)

299. तंगियो डंग-डंग तंगदा चिकन-भेटांगो
(माँ लम्बी बेटी चिकनी-बैगन)

300. तंगियो किता-सिता, अदि गहि ख़द्द लोकोर धोमा-कबसी
(माँ दुबली-पतली बेटी फूली-फूली-कपास)

301. तंगियो चेपटा, तंगदस गोल-पड़चाचा अरा लूढ़ही
(माँ चिपटी बेटा गोल-शिलपट और लोड़हा)

302. तंग्दस सुन्दरहा, तंगियो बंदरी-कोहड़ा
(बेटा सुन्दर माँ बन्दरी-कोहड़ा)

303. हथियार बेगर नेअम भटुस गहि डण्डन बच्चा ओंगोय?-अल्ला ख़ोला
(हथियार माँगे बिना जीजाजी का डण्डा लूट सकिएगा? कुत्ता का पूँछ)

304. ओंटे बाँस गहि ओटे एकला ओट्टा रअअी-घुँघही
(एक बाँस का एक ही आँख का भौंआ है-घोंघा)

305. ओंटा एकला खेड्ड, चकचकना पगड़ी-चाक
(एक पैर पगड़ी चकचक-चाक)

306. ख़ईका टंगरा ती अम्म पझरारअी-कपड़े एरचरना
(सुखा पत्थर से पानी पझरता है-माथा से पानी चूना)

26 / कुड्डुख़ बुझुर नखरना कुड्डुख़ बुझुर नखरना/ 27

307. चेने-मेने तूसा तनिएकन चिच्चन सहआ पुल्ली-ख़न्न
(छोटा कुँआ (एक प्रकार का कुँआ) थोड़ा आग को सहन नहीं कर सकता-आँख)

308. ओंटा पूंप माख़ा बीरी बींड़अी, पइरी-बीरी दुलख़ीअी-पिटरी
(एक फूल रात में फैलता सुबह झुक जाता है-चटाई)

309. ओंटा जानवर गही दू ठो ख़ोला-हाँथी
एक जानवर का दो पूँछ-हाथी

310. ओंटे पच्चों ओंद बोजड़ा किचरी कूरी-ख़ेर
(एक बुढ़िया एक बण्डल साड़ी पहनती है-मुर्गी)

311. ओंटे पच्चो मूख़ी अतरा छिरई-जता
(एक बुढ़िया खाते जाती टटी करते जाती है-चक्की)

312. ओंटे पच्चो ओंद बोजड़ा कड़िरका ननी-चुल्हा
(एक बुढ़िया एक बन्डल दतुवन करती है-चुल्हा)

313. तंगियो तंगदा गहि ओंटे नामे-मदगी/टटख़ा/कठड़ा
(माँ और बेटी का एक ही नाम-महुआ/आम/कटहल)

314. अईठारका मुक्का ख़ज्ज मूख़ी-धुंधही
(ऐठी हुई औरत मिट्टी खाती है-घोंघा)

315. ओंटा पच्चो गुण्डा-मुण्डा छिरई-जता
(एक बुढ़िया गुंडी-गुंडी टट्टी करती है-चक्की)

316. ओंटा आली ओंटे एकला ख़द्द ननी-केड़ा
(एक औरत एक ही बच्चा जन्म देती है-केला)

317. ओंटे आलस गहि मेदनू एड़पा-एक्का
(एक आदमी के पीठ में घर-कछुआ)

318. ओंटा कुक्कोस तांतरन चेड्डुकस कुददस-(अल्ला गही) ख़ोला
(एक लड़का हँसुवा को ढो कर घूमता है-कुत्ता का पुँछ)

319. ओंटे कुक्कोस गही पंचे गो ख़न्न-मुरली
(एक लड़का का पाँच आँख-बाँसुरी)

320. निसिगका पोतचका एड़पा नू देवड़स बड़ी खच्चड़-दुम्बा
साफ सुथरा घर में देवड़ा खच्चड़-बिरनी

321. ओंटे कुक्कोस लवओ बीरि भईर कच्छनखरदस-नगड़ा/ढ़ोल
एक लड़का पिटने के समय ही बोलता है-नगाड़ा

322. ओरोत कुक्कोस कोंहा सौगियस खोब जोर उइयु आलरिन हूँ पटकअदस-बोड़,
(एक लड़का बहुत जवान और बलवान को भी पटकता है-हड़ियाँ)

323. ओंटे भौंरा अड्डो किन्दरार-किन्दरार मिनी-ख़ोला
(एक भौरा बैल घूम-घूमकर घास चरता है-पूँछ)

324. ओंटे पच्चो ख़ोख़ा तरा अमख़िन नुड़ओ-कूम अरा इन्जो
(एक बुढ़िया सब्जी को पीछे छुपाती है-कुमनी और मछली)

325. कुवड़ी पच्चो बन चतरेला-ताँतर
(कुवडी बुढ़िया जंगल काटता है-हुँसुवा)

326. ओंटे मन्न नू मिठई दिम मिठई-बहड़ा
(एक पेड़ में मिठाई ही मिठाई-बहेरा)

327. मेढ़होन बीसरदरा सौदा ननके अरा मेढ़होन लेते ओंदरके-मेढ़हो गही चुट्टी
(भेड़ को बेचकर सौदा करना और भेड़ को लेकर आना-भेड़ का बाल)

328. मूलि खस-खस, पूँपकदम लेखआ पुंइदीई खंजपा केड़ा लेखा-सेम्बाली
(धड़ खस-खस, फूल कदम जैसा फल केला जैसा-सेम्बल)

329. ओंटे मन नू अड़ी दिम अड़ी-डुम्बारी
(एक पेड़ में घड़ा ही घड़ा-डुमर)

330. छोटे-मोटे पोखरा चम्पा लेकन पूंप-डिबिया/ डिबरी
(छोटे-मोटे तलाब चम्पा जैसा फूल-ढिवरी)

331. मझही परता नू झिटकी गड़रकी रअी-ख़ेबदा
(बीच पहाड़ में खपड़ा गाड़ा हुआ है-कान)

28/कुडुख़ बुझुर नखरना कुडुख़ बुझुर नखरना/29

332. कालो वीरी काली, किर्रा पुल्ली-कन्ना-तीर
(जाने के समय जाता है लौट नहीं सकता-तीर)

333. मैंया खोता किया बी-मदगी पूंप
(ऊपर घोंसला नीचे अण्डा-महुआ फूल)

334. ख़न्न लुटु-पुटु ख़ेवदा कोहा-कोहा-हाँथी
(आँख धँसा-धँसा कान बड़ा-बड़ा-हाँथी)

335. सिर-सिर अम्ब नूं झिला इन्जो बीची-ततख़ा
(थोड़ा-थोड़ा पानी में मछली खेलती है-जीभ)

336. छेतेक-छेता मन्न घुघरी वेसे खंजपा-बूट
(छोटा सा पेड़ घुघरू/घुंघरू के समान फलता है-चना)

337. ठक ठाकुर बुढ़ा ठाकुर एड़पा रअी बली मल्ला-पोकोल
(ठक ठाकुर बुढ़ा घर है दरवाज नहीं-रेशम का कीड़ा)

338. धुन-धुन बकरा एड़पा-एड़पा कुद्दी-अउड़का
(धुन-धुन बकरा घर-घर घूमता है-पईला)

339. मोख़ारो परता नू एड़ा घुमरार-घुमरार मिनी-ख़ोल्ला
(काला पहाड़ में बकरी घुम-घुम कर चरती है-पूँछ)

340. खेंसो वैरखी साल भईर नू उरखी-सेम्बाली पूंप
(लाल झण्डा साल भर में फूलता है-सेमल फूल)

341. ओन्टे झिटकी राजी-राजी कुट्टी-ढिबा
(एक झिटकी देश-देश घुमता है-रूपया)

342. मेच्छा पेल्लो कुक्क तुरू धनवीई-केड़ा
(उच्ची औरत सिर से बच्चा जन्म देती है-केला)

343. विनी-बिछी लंकान दहई-सलाई
(विनी-बिछी लंका को जलाता है-माचीस)

344. लिपड़ी घोड़ो अम्म उनी-टट्टी नू इसुंग अरा सेड़ता
(लिपड़ी घोड़ा पानी पीता है-बत्ती)

345. इंगियो केच्चका आलारिन उज्जतीई-रोवा इदना
(मेरी माँ मरा हुआ आदमी को जिलाती है-रोपा रोपना)

346. खोत्तका खसी मेसगा अरगी-खमी (घासी)
(काटा हुआ बकरा छत चढ़ता है-खेर घाँस)

347. अम्मता केतेर गही ओंटे एकला कोंडा-पुरनी / पुण्डरी अतख़ा
(पानी सूप का एक ही कोना-कमल पत्ता)

348. कित्तका अल्ला गहि पोट्टा एम्बा लग्गी-गठड़ा/ कठड़ा
(सड़ा हुआ कुत्ता का आँत स्वाद-कटहल)

349. ई टंगेरका एन्देर गड़ेरका, फौद बरआ लगी, ने बई, नेखय कूलनू

पोट्टा मल्ला आस-ढोल

(ये टंगा हुआ क्या गड़ा हुआ, कौन आ रहा है, कौन कहता है, जिसका पेट में अंतड़ी नहीं-ढाँक / ढोल)

350. सन्नी पोखारी नू चम्पा महकारअी-बिल्ली

(छोटा तालाब में चम्पा महकता है-बत्ती)

351. ठठंगी चलकी जम्बु नुकई-एड़ा गहि ख़ोला

(ठठंगी बढ़नी जामुन हिलाता है-बकरी का पूंछ)

352. कुट्टका ओसगा उला-उला काली-उसांगी

(गरम चूहा अन्दर-अन्दर जाता है-फाल)

353. पंडरू ओड़ा गहि मोंखारो पेंछो एड़पा-एड़पा कुद्दी-चिट्ठी

(सफेद चिड़ियाका काला पंख घर-घर घुमती है-चिट्ठी)

354. ओंद बित्ता गहि बितना सवा हाथ गोच्चो

काला हेलरदस वितनस, नुकरआ हिलअी गोच्चो-मेर अरा नन मुही

(एक बिता का वितना सवा हथा दाढ़ी)

चलने लगता है बितना, हिलने लगती है दाढ़ी-सूता और सूई

355. टोड़ंग् ती तुति उरखा तूंति मण्डी नूं उम्बना-कगजी निम्बू

(जंगल से एक प्रकार फल (टूट) निकाला और खाना में पेशाब किया-नींबू)

356. कुबा पचगिस बेक मोंखदस-तेताली

(झुका हुआ बुढ़ा नमक खाता है-इमली)

30/कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना/31

357. खेंसो थैला नू सौ ठो ढिबा-मइरचा अरा दना

(लाल थैला में सौ सिक्का-मरिच और बीज)

358. साहेबर गहि कुक्क नू तबा-टुपी

सहेब लोगों के सिर में तवा-टोपी

359. सै लड़ंग् गहि ओंटे झोटा-पेठ

(सौ लरंग में एक ही झोटा-बाजार)

360. सन्नी एकन डोबहा बकुली गहि शोभा-मैदान नूं खट्टर गहि बेचना
(छोटा सा पानी कागढा बगुला का शोभा-मैदान में बच्चो का खेलना)

361. लादल बैल खेदव नहीं, फूल दुहारी तोड़व नहीं, गिरल पैना बिछवनहीं-लकड़ा, बीडी, नेर्र
(बाध, सूर्य, साँप)

362. ओंटे कुक्कोस छकछकरा पगड़ी हेअदस-मण्डी बोट्टो
(एक लड़का छक-छक पगड़ी बाँधता है-भोजन का झाग)

363. बिन धुका केर तोम्बा हिलेला-अल्लागही खोला
(बिन हवा का सखुआ का दतुवन हिलता है-कुत्ता का पूँछ)

364. एक जनी करिया फूकेला पारीपारी-चपुआ
(एक स्त्री काली फूँकती है बारी बारी-भाँथी)

365. ओंटे कुक्कोस बिन ख़ेड्ड ख़ेक्खा नू उइदस-चुमाख़ारी
(एक लड़का बिना हाथ-पैर का हल जोतता है-सीप)

366. ओंटा कुक्कोस लज्जे ती ख़ोख़ा तरा नुख़ूरदस-बागिरका
(एक लड़का शर्म से पीछे तरफ हुपता है-कंघी)

367. ओंटे कुकोए आलारिन ईरिकी बलिन मुच्ची-घूंघी
(एक लकड़ी आदमी को देखकर दरवाजा बंद करती है-घुंघही)

368. कमतुउस कमतअदस पहें कमतउस दिम बलदस-केच्चका आलस
(बनवाने वाला बनवाता है पर बनवाने वाला ही नही जानता-मरा हुआ आदमी)

369. दू भईर ओनगुसन ओककनर पहें एरा मुहि मल मन्नर-खंन्न
(दो भाई एक जगह बैठते हैं पर मुँहा मुँही नहीं होते हैं-आँख)

370. उरमी पेरवां गहि उंदिम तरा कुक्क-कांड
(सभी कबूतर का एक तरफ सिर-काठ)

371. ओंटे ओड़ा गहि लिण्डी तरा जिया रअई घाँसी / मन मास
(एक चिड़िया का पीछे मे जान है-घाँस/ पेड़ पौधा)

372. ओंटे ख़ेर कानुम-कानुम सै गो बी टिड़ओ-मिसीन
(एक मुर्गी जाते-जाते सौ अण्डा देती है-मशीन)

373. चैदह ख़ेड्ड गहि घोड़ो कानुम-कानुम ओत्था एख़ धुड़ी होड़ाबाजी लग्गी-ओत्था एख़ आली अदि गहि मेतस
(चैदह पैर वाला घोड़ा जाते-जाते गर्भवती घोड़ी होड़ाबाजी लगाती है-गर्भवती महिला और उसका पति)

374. ओंटे मरग अड्डो एंवदा मोख़तोय अंवदा मोख़ो-जता
(एक सिंग वाला बैल जितना खिलाओ उतना खाता है-जता / चक्की)

375. चरख चंदन तुरथेम दरप-आलि चेंप
(चरख चंदन तुरन्त दरप-पत्थर पानी)

376. बड़ा अतख़ा खतरका अड्डा ती चोआ पुल्ली-चम्बी
(बर पेड़ का पत्तागिर कर उठ नहीं सकती-पैर का छाप)

377. पण्डरू वैराखी साल भईर नू उरखी-पोडरा
(सफेद झण्डा वर्ष भर में एक बार निकलता है-कांशी)

378. कीदओ बीरि छछेम, चोदओ बीरी रौड़-रौड़-नगड़ा
(सुलाने समय शांति, उठाने पर रौड़-रौड़-नगाड़ा)

379. नुरूदना लेखा मन्न कोंको लोको खंजपा-केड़ा
(फिसलने जैसा पेड़, टेड़ा-मेंडा फल-केला)

380. चईला लेखआ निग्हय कस्सा एवं कोढ़हे एम्बा-तीनी छतना
(चईला जैसा तुम्हारा मैला पर खाने में स्वाद-मधु-छाता)

381. ख़ेना लेदेर-लेबेर पंजका हदकदा-अड़ी
(कच्चा में नरम पकने पर कठोर-घड़ा)

382. मुट्ठ्ठी नू समओ कुट्ठ्ठी नू समआ पुल्ली-किचरी कुल्ला

(मुट्ठी में समाता है पर कोठी में नहीं समाता-कपड़ा छाता)

32 /कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना / 33

383. बारह बरस गहि खसी एक कुटिया अहड़ा-घुँधही
(बारह साल का खसी एक टुकड़ा माँस-घोंघा)

384. लथओय होले भोंगर उरखी-ढिंकी
(लाथ मारने पर तुरंत भागते निकलती है-ढेकी)

385. उरखो बीरि ख़इका कई, किर्रो बीरि ढिढिरकी बरअी-अड़ी
(निकलने के समय सुखा जाती है, लौटती समय भीगां-घड़ा पानी भरने जाते समय)

386. मूख़ी पहे अम्म मा उनी-ईमा
(खाती है पर पानी नहीं पीती-दीमक)

387. ओंटेन घरओय सौसेन अखओय-मण्डी
(एक को पकड़ने से सबको जाना जाता है-भात)

388. कालो बीरि ढेंको, किर्रो उजगो-अड़ी
(जाते समय टेड़ा लौटने समय सीधा-घड़ा)

389. ओंटे आलस तंग्हय आलो गुटठीन चिच्च लगाबअदस-कुम्भरस
(एक आदमी अपना सामान में आग लगाता है-कुम्हार)

390. दू ठो कुक्कोर दूठो कुकोयरिन चिपनर की उम्मलतअनर-कुल्हू
(दो लड़के दो लड़कियों को दबाकर पेशाब करवा देते है-कोल्हू)

391. कोकड़ो-बोंकड़ो दसे भईर आरगे कुक्क मला दरा कूल नू बई रई-ककड़ो
(टेड़हा मेढ़ा दस भाई, उनलोगों का सिर नहीं है और पेट में मुह है-केकड़ा)

392. ओरोत कुकोय इर्री-निप्पी की चोल्ला नू उककी रअी-बागिरका
(एक औरत घर को साफ करके (झाड़ू) घर के पीछे बैठ जाती है-कंघी)

393. बेल तंग्दस दुक्खेन सहआ पोलदस-ख़न्न

(राजा का बेटा दुःख सह नहीं सकता-आँख)

394. इसानुम रअके ठुपठुपिया एन राजी एरा कादन-चम्बी
(यहीं पर रहना ठुपठुपिया मैं देश देखने जा रहा हूँ-पैर का छाप)

395. वंसी डांग टुहिल देमता पोटोंग फुद-अड्डो गहि ख़ोला दरा गोबारी
(वंसी डांग टुहिल देमता पोटांग फुद-बैल का पूँछ और गोबर)

396. हाथी गहि मेद उला र्ईी मगर अदिगहि ख़ोला बहरी-मेर ननमुही
(हाथी की पीठ अन्दर है पर उसका पूँछ बाहर-सूता और सूई)

397. दू फड़ा कंक न खतअी न जुटअी-मेर्ख़ा अरा ख़ेख़ेल
(दो टुकड़ा लकड़ी न गिरता है न जुटता है-आसमान और जमीन)

398. रनरन घंटी सोनेक बेटी चलख़आ की एरा गोहोम असमा-तीनी, तंगियो अरा छतना
(रन-रन घंटी सोना का पेटी उधार कर देखने से गेहूँ-रोटी मघुमक्खी और छत्ता)

399. ओरतस पईरी बीरी नाख़ ख़ेड्ड ती एकदस-ख़द परिया नू एकना
(एक आदमी सुबह के समय चार पैर से चलता है-बचपन समय में चलना)

400. कुक्चप्पो बीरी दू ठो ती एकदस-जवान परिया
(दोपहर में दो पैर से चलता है-जवान समय

401. पुतबीरी तीन ठो ती एकदम-पचगी परिया
(शाम में तीन पैर से चलता है-बुढ़ापा समय)

402. ओंटा कुक्कोस उर्मी नलखन नंदस, पहेंधरआ मल चिअदस-चिच्च
(एक लड़का सभी काम करता है पर छूने नहीं देता)

403. पेठ नू मल्ला, शहर नूं मल्ला, मोचका ती चोप्पा मल्ला मोक्का ती अठु मल्ला-आलि
(बाजार में नहीं, शहर में नहीं काटने पर छिलका नहीं खाने पर बीज नहीं-बरसात के दिन गिरा हुआ पत्थर ओला)

404. एड़ आलर उतान, खने ओरोतस मुलखुका-खपरा
(एक आदमी उतान पर एक ही डूब डूब जाता है-खपरा)

405. ओंटे सवार तीन ठो घोड़ा-चुल्हा
(एक सवार तीन घोड़ो-चुल्हा)

34 /कुडुख़ बुझुर नखरना कुडुख़ बुझुर नखरना /35

406. चेंप पोस्सो बीरि ओंटा पून विथरारअी चेंप इदरोओ बीरि डोबरारअी-कुल्ला
(वर्षा होने के समय एक फूल खिलता है वर्षा समाप्त होने पर मुरझा जाता है-छाता)

407. कुदहा चुन्जनर ओरतोस तुरूगअदस-पल्ल अरा ततखा
(बहुत सारे कूटने हैं एक चावल समेटता है-दाँत और जीभ)

408. मिनुस गहि ख़ेवदा मला, ईरूस गहि खन्न मला, ईकुस गहि खेड्डे मला-मूख़ा, धुंधही, नेर्र
(सुनने वाला का कान नहीं, देखने वाला का आँख नहीं, चलने वाला का पैर नहीं-मेंढ़क, घोंघा, साँप)

409. वेलस गहि धुतीन ने नपआ ओंगो-डहरे
(राजा की धोती को कौन नाप सकता है-रास्ता)

410. के चाहे वरसेक, के चाहे धूप, के चाहे बोलेक, केचाहे चुप-किसान, धोबी, बनिया, चोर

411. ओंटा ढेला नू सात ठो भोंका-कुक्क
(एक ढेला में सात छेद-सिर)

412. ओंटे आली गहि ख़ोचोल दिम मल्ला अन्नुहूँ उज्जी-ख़प्पा
(एक लड़की की हड्डी नहीं फिर भी जीवित है-केचुवा/जोक)

413. ओंटे पाहियस गहि वरनुम दो ठो खसी पिट्टरा, खसी गहि ख़ोचोल दिम मला, मुखूस गहि पल्ल दिम मला-पुना कुंदरका ख़ट्ट अरा दुदही
(एक मेहमान के आते ही दो खसी गिरा, खसी का हड्डी नहीं खानेवाला का दाँत नहीं-नया जन्मा बच्चा और स्तन)

414. सन्नी बीरी ने हूँ मल मेंज्जर, परदकन खने ओरमर किचरिन तेलगर-तेलगर एरनर-जिनहोर

(छोटा समय कोई नहीं पूछा, बढ़ गई तो सभी कपड़ा उघाड़कर देखते है-मकई)

415. एड़पा केरा गड्डी नूं एड़पा परदो होले दोहरे-दोहरे नू कुट्टोन-अम्म अरा इन्जो

(घर भाग गज में, घर बनेगा तब दोन-दोन घुमेंगे-पानी और मछली)

416. एड़पा भोंग्गा लगी पहें एड़पा ता आलर घर्रआ लगनर-जल्ली, इन्जो

(घर भाग रहा है पर घर का आदमी पकड़े जा रहे हैं-जाल और मछली)

417. चार भई खपट खपिट ओंटे भईस चँवर-अड्डो ख़ेड्ड अरा ख़ोला

(चार भाई खपट खेपेट एक भाई चाँवर-बैल पैर और पूँछ)

418. तीन ठो कुक्क दस ठो ख़ेड्ड ओंटे पट्टा नू मेसरका रअी-बैलगाड़ी अरा आलस

(तीन सिर दस पैर एक गाँव में मिला हुआ-बैलगाड़ी और आदमी)

419. वेगर खेडगहि गड़ी ख़ेड्ड ख़ेड्डन ईरी-जूता

(बिना पैर का गाड़ी, पैर-पैर को ही देखता है-जूता)

420. अम्ब सिम्वी इन्जो

(पानी सेम-मछली)

421. आठ गोड़वा-ककड़ो

(आठ गोड़वा-केकड़ा)

422. चबओ बीरी, फुदना, कोंड़ा-कोंड़ा थुड़ई-कड़िरका

(चबाने पर फुदना, कोना-कोना घुमता है-दतवन)

423. चिनमिन ओड़ा बेलासिन हूँ मल्ल इलची-तिंगली / भूँसड़ी

(चिनमिन चिड़ियाँ राजा को भी नहीं डरता है-मक्खी/ मछड़)

424. मोख़ारो बकरा गहि पंडरू अहड़ा-माँसी

(काला बकरा का सफेद माँस-उरद)

425. गोबारीता आलर लिण्डी बोझा चोदनर-ऊरू

(गोवर का आदमी चुतड़ से बोझ उठाते हैं-गोबरैला)

426. हिके तो हिके एन्दरा हिके?-उल्ला

(है तो है क्या है?-दिन)

427. बीसो भइरगहि उल्टी कपड़े-ओरोख़

(बीसो भाईयों का उलटा कपाल-नाखून)

428. टटख़ा अतख़ा गहि पोटोंग, अहड़ा गहि टंगना-बीड़ियो

(आम पत्ता का गठरी, माँस का टंगना, कान में पहननेवाला एक प्रकार का बाली)

429. भहर जुदा-जुदा रआ खने मल चींखनर जुमुरनर होले चींखनर-झांईझ

(दो भाई अलग-अलग रहने पर नहीं रोते है, मिलने पर रोते है-झांझ)

430. उल्टी लिंड्डी, पल्टी लिड्डी, खेंखेल नू लिंड्डी, खेड्ड किज्यालिंड्डी-गाय, बछरू, महरा, लोटा

(उल्टी चुतड़, पलटी चुतड़, जमीन में चुतड़, पैर के नीचे चुतड़-गाय, बाछा, अहिर, लोटा)

431. निद्दका अड़ि नूं निंदओर होंले अउर समओ-रहड़ी अड़ी नू मणी

(भरा घड़ा में भरने पर और भरेगा-अरहर भरा हुआ घड़ा में सेरसों डालना)

432. हल्दी गही गप-गुप पीपर गहि लोटा ने मल बुझरोओर आर अल्ला पिकन मोख़ोर-ख़ोट्टा

(हल्दी का गप-गुप पीतल का लोटा जो नहीं बुझेगा वह मैला खाया-बेल)

433. ख़ेख़ेल नू एका आलो गहि पल्ल कोहा-ईमा

(जमीन में कौन जीव का दाँत बड़ा-दीमक)

434. खईका कंक नूं अम्म पझरारई-कुल्हू
(सुखी लकड़ी में पानी पझरना है-कोल्हु)

435. वेलस गहि बरछन ने धरआ ओंगो-चिच्च
(राजा का बरछा को कौन पकड़ सकेगा-आग)

436. उला खमी बहरी काठ कोरवा-गुंगु/गंग्गु
(अन्दर घास बाहर लकड़ी-गुंगु छाता)

437. गुचय ठुरकी गुचय ठुरकी निग्हय बिना नलख-पइला
(चल ठुरकी चल ठुरकी तुम्ही से काम-पैला)

438. तंगियो बराबइर परदी होले चुट्टी कुन्द्दी-बाँस
(माँ के समान बड़ी होती है तब बाल उगता है-बाँस)

439. बेलर गही मोड़ा मल तेंगड़ारीआ-बी
(राजा का मोरा नहीं ठहरता-अण्डा)

440. उला कुक्क, बहरी, पंजरा अदि मंइया पोट्टा-चरखा
(अन्दर सिर, बाहर पंजरा, ऊपर अतड़ी-चरखा)

441. काठ केरा कोठरी बकिला एकसनठोर-ढिंकी
(काठ का चोंच बगुला जैसा चोंच-ढिकी)

442. मल गड़डका, मल टंगचका फौद बरआलगी, ने बआ, पोट्टा मला आद बआ-भेटांगो अरा किसगो
(गाड़ा हुआ नहीं, टाँगा हुआ नहीं, फौज आ रहा है कौन बोलता है अंतड़ी नहीं है वह कहता है-बैंगन और साखीन)

443. पन्दरह भईर, आर गुसन ओंटा असमा रहचा, इदिन चैदहों सन्नी भईर ओंड्डर मोक्खर दरा कोहसगे सवसेन चिच्चर-चन्दो
(पन्द्रह भाईयों उनके पास एक रोटी थी, इसको चैदहो छोटे भाई खापीकर के पूरे को बड़े भाई के लिए दे दिए-चाँद)

444. एंग भईस बेगर ख़ेड्डे, बेगर कुक्क, बेगर मूई डहरे एकदस-कागज नू टूड़ना

(मेरा भाई बिना पैर, बिना सिर बिना मुँह रास्ता चलता है-कागज में लिखना)

445. ओंटे कुक्कोस बिड़पुत्ता कोंको टेंम्पन चेडकस रअदस-अल्ला, खोला
(एक लड़का सुबह से शाम तक टेढ़ा डण्डा को ढोये रहता है-कुत्ता)

446. ओंटे गोला अड्डो तरकुटितम मिन्नुम काली-चिच्च
(एक गोला बैल एक किनारे से चरते जाता है-आग)

447. पाँच भाई, पाँचो भाई, टिकला, मकला पडरू परतन कटतआ कि बरा-ओरोख पल्ल
(पांच भाई, पाँचो भाई टिकला, मकला सफेद पहाड़ को पार का आओ-नाखून, दाँत)

448. ओंटे कुक्कोस पइरी मुलुरदस अरा बीड़ी मनी खने उरखदस-उसांगी
(एक लड़का सुबह घुसता है और दोपहर होता है तब निकलता है-फाल)

38/ कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना / 39

449. बंडी भैंस दहन बत्तई-लाता
(बांडी भैंस दह (गहराई को सोखता है-बिल)

450. कुम्हार बटंगी, चीक बटंगी, तिल्ली बटंगी, ओंटा बटंगी, अन्नुम नाली पचगी बंदरा-टट्ठी
(कुम्हार बगान, चीक बगान, तेली बगान, एक बगान) उसमें नाचता है बुढ़ा बन्दर-दीया (मिट्टी का)

451. तूली लेखआ लुदलुदा पुवा लेखआ फुलुरका अदि मझी नूं तनि कुना चुट्टी-मदगी
(रूई जैसा मुलायम, पुवा जैसा फुला हुआ, उसके बीच में थोड़ा सा बाल-महुँआ)

452. केच्चकस गही चार ख़ेड्डु, चिड़उस गहि ख़ेड्डु दिम मला, एड़पन्ती नऊवस उरखस कि ईखिस कुक्क दिम मल्ला-मूख़ा, नेर्र, ककड़ो

(मरा हुआ का चार पैर, ढोनेवाला का पैर ही नहीं, घर से नउवा निकल कर देखा तो सिर ही नहीं-मेंढ़क, साँप, और केकड़ा)

453. मझही परता नू बूट कुम्बा-मूँई
(बीच पहाड़ में चना का कुम्बा-नाक)

454. गर्दनिया नंज-नंज पुतुरतअनर-अड़ी
(गर्दनिया कर-कर के उल्टी करवाते है-घड़ा)

455. सम्मलपुर ता भेटांगो गही डंटी दिम मला-बी
(सम्बलपुर का बैगन का डन्टी ही नही-अण्डा)

456. मंइया हूँ ख़ज्ज किञ्या हूँ ख़ज्ज अदि गहि मझही नूं रघु पंचगिस-ककड़ो
(ऊपर भी मिट्टी, नीचे भी मिट्टी उसके बीच में रघु बुढ़ा-केकड़ा)

457. खोंत्तका बकरा घोरना डिगअी-मुस्सो
(काटा हुआ बकरा घेरा फाँदता है-नेटा)

458. ओंटे मुक्का गहि चार ठो दुदही-बउगी
(एक औरत का चार स्तन-नचुआ)

459. नान मेर तान भान-मकरा जल्ली
(अपना धागा तान भाग-मकड़ा जाल)

460. ओंटा डांग नू छिड्डा दिम छिड्डा-ठेपा
(एक डाँग में बरी-बरी-कुदरूम)

461. हाथी खुर खुर ननी, घोड़ो मैदान ननी-ढेकी
हाथी खुर खुद करता है, घोड़ा मैदान बनाता है-ढेका

462. मेख़ा ता अम्म, पताल ता अम्म, अम्म निन्दउ मुक्कन चिन्हअी-ताड़ी
(आकाश का पानी, पाताल का पानी, पानी भरनेवाली औरत को ही पहचानती है-ताड़ी)

463. एड़पा कोरआ लगी बली नू एन एका तरा कालोन? कूम, इन्जो, अम्म
(घर घुस रहा है दरवाजा से मैं किधर जाऊँगा? पानी, कुमनी, मछली)

464. सइसरार बरओ बीरी उढ़ियारनुम बरअी, कालो बीरी इकनुम काली-चेंप पुंइना, ख़ाड़नू बड़ही
(ससुराल आने समय उड़कर आती है, जाने के समय पैदल-पानी का बरसना और नदी द्वारा पानी बहना)

465. ओंटे आलस ही पल्ल कुन्दना ती मुंधिम गोच्चो कुन्दी-जिन्होर
(एक आदमी का दाँत जनमने से पहले ही दाड़ी जन्मती है-मकई)

466. ख़इका कंकद चिच्च उगलई-बंदूक
(सुखी लकड़ी आग उगलती है-बंदूक)

467. ओंटा आली गहि तीन खेड्डी-बाँस कुल्ला
(एक औरत का तीन पैर-बाँस छाता)

468. भैंस इरीयर ख़डआ केरर, भईसन अम्बर बथानन ख़डचर-तीनी
(भैंस देखकर चोरी करने गये, भैंस को छोड़कर बथान चुराने-मधुछाता)

469. ख़ेख़ेल, मेरख़ा, चन्दो, बीड़ी, पहाड़, पर्वत, ओनटस नामे-एख़
(जमीन, आसमान, चान्द, सूरज, पहाड़, एक ही नाम-छाया)

470. कालो बीरी लाले-लाल, किर्रो लम्बका ख़ेबदा-मुरका पूँप
(जाने के समय लाले-लाल, लौटते समय लम्बहा कान-पलास फूल)

471. अड्डो-मनख़ा रड़कुट ननी, रतन ददस जतन नन्दस-अड्डो ती नाबना-अरा केतेर ती बेघअर उइना
- बैल कड़ा रड़कुट करे रतन दादा जतन करे -
बैल से धान मिसना और सूप में रखना

472. बिड़पुत्ता कुट्टी नुंग्गी, मांखा बीरि ओंटे कचिया ही अड्डा नू रअी-टेम्पा
(दिन भर घुमता फिरता है, रात में एक पैसा का जगह में रहता है-डण्डा)

473. सन्नी बीरी खच्चनर किञ्ज्या, जवान बीरी पूंप खोसरका, पचगी बीरी घुघरी टगंरकर-बूट

(छोट समय नोचते है नीचे, जवान समय फूल गूंथा हुआ, बुढ़ा में घुंघरू टंगा हुआ-चना)

474. राजा नू एका राजस बेस-बेक
(राजा में कौन राजा अच्छा-नमक)

475. सोझे-सोझ लिण्डी तरा ओत्था-लाईठ बरहा
(सीधे सीधे चुत्तर तरफ बोझ-लाईठ बरहा)

476. दस भइओर ओन्टा ठरकीन कुन्दराचकर कुट्टनर-ककड़ो
(दस भाई एक ठरकी को घुमाते फिरते हैं-केकड़ा)

477. टिप टिपाडी, टिपड़ो काहे मुड़ी फोड़ालो,
(लम्ब-लम्वासी लम्बासी काहे राती भुलालो-मदगी अरा नेर्र)

478. ओंटा कुक्कोस साल भइर नू ओग्होन भइर भार चेड़दस-मचा
(एक लड़का वर्ष मे एक ही बार भार ढोता है-मचा)

479. वड़ियम खादी नन्नाहि दूअना पैसा-तिलक
(अच्छा धाव, दो अना पैसा-तिलक)

470. ने ईरियर आर मल पेत्तर, ने पेत्तर आर मल मोक्खर, ने मोक्खर आर एम्वन बल्लन एम्वन अखऊस ननतरम रहचस-खन्न, खेक्खा, पल्ल, अरा, ततखा
(जिसने देखा नहीं उठाया, जिसने उठाया नहीं खाया, जिसने खाया स्वाद नहीं जाना, स्वाद जानने वाला नहीं था-आँख, हाथ, दाँत, जीभ)

471. दुई भईर ईरयर, पाँच भईर पेत्तर, बत्तीस भईर मोक्खर, ओरतोस एकला एम्बन अक्खस-ख़न्न, अंगली, पल्ल, ततख़ा
(दो भाई देखा, पाँच भाई उठाया, बत्तीस भाई खाया, एक भाई स्वाद चखा-आँख, उँगली, दाँत, जीभ)

472. दस भई मझही नूं ओंटा बई-ककड़ो
(दस भाई बीच में एक मुँह-केकड़ा)

473. कन्दा नू एका कन्दा दव, एकदा कया नू मेसारअी-बाल्का कन्दा में

कौन कन्दा अच्छा-जो शरीर में समाता है-हल्दी

474. ओंटा मन्न, बारह डाडा, तीसा गो खंजपा-बछर, चन्दो, उल्ला
(एक पेड़, बारह शाखा, तीस फल-वर्ष, महीना, दिन)

475. पूख़ओ बीरी मल बीअी, ईड़यो बीरी बिअी-चुट्टी
(भापने पर नहीं पकता, तलने पर पकता है-बाल)

476. बाजा में कौन बाजा बेस-ढिंकी (ढेकी)

477. इसुंग तुंददस, पखना गड्डुरा-उम्बुलना, एरखना
(तेल गिर गया, पत्थर गड़ गया-पेशाब और पखाना)

478. ओंटा पेल्लो मेर इरख़ी-मकरा
(एक औरत सूता का पैखाना करती है-मकड़ा)

479. केड़ा बटगी, बूट बटगी, कबसी बटगी ओंटे बटगी-सेम्बाली खंजपा
(केला बगान, चना बगान, कपास बगान एक ही बगान-सेमल फल)

480. दिर दिरी दरंगानू जोड़ा भईर आएना इलदिरकी रअी-ख़न्न दिर-दिरी दरंगा जोड़ा भईर आएना गड़ा हुआ है-आँख

481. ओंटा कुक्कोस चोअनुम चोअनुम डूबा मुलुख़दस-कूँड
(एक लड़का उठते उठते रोज डुबता और निकलता है-कूँड)

482. पंजका कुन्दरी ख़ाख़ा ठुठअी-उसांगिन कुटासी ती पसना
(पका हुआ कुन्दरी को कौआ ठोठता है-फाल को हथौड़ा से पीटना)

483. माख़ा बीरी चूतका दरा चूतका, उल्ला बीरी इज्जका दरा इज्जका-पिटरी
(रात में सोये हुए दिन में ख़डा के ख़डा-फाल को हथौड़ा से पीटना)

484. बोंगनू कानन एरम बीअनर बम्हर बीरर-किस्स अरा एरख़ा काना
(दौड़ कर जाने को देखतें हैं वम्हन वीर-सुअर और पैखाना)

485. कला नीन इतुकिम तनिक गुण्डा, घीव, गुल्ले अरा अम्म ओंदरके अक्कु कुक्कोस एन्देरन ओन्दरओस?-असमा
(जाओ तुम इसीसे थोड़ा आटा, घीव, गूड़ और पानी ले आना अब लड़का क्या लायेगा? रोटी

3

कुँड्डुख अकिल

1. तंगअन नंज्जका ती केतेर नू खेस्स - तंगआ खल्लन कमचकाती जूग-नूग खिती मनी
2. तिंगली कुक्क् नू सिरजारका - बेगर खरचा का संवगती एन्दर हूँ मल मनी।
3. तुप्पका लालेन टाटना- कछनखरका ती खोखा किर्रना
4. दव अतखा नू ओड़ा इरखी - दव आलर गही जल्दी खेअना
5. दुदही मही मनना - एका बीरी हूँ मल छिड़िरना
6. दूंदू पूरी-पूरी पेच्चा हूँ पूरी - सन्नीर बलनर बलनर कोंहार हूँ बलनर
7. धीरेम तोका ढेर माखा रअी - अम्मा फुटानी मना/उज्जना ढेर उल्लरई
8. नगपुरता अल्लन, पोटोग ता गोल्लन - हेद्दे नू पूछ मलका पहे गेच्छा नू पूछना
9. न एन निंग्हय गुल्लेन मोंखदन न खेबदन अम्पदन - नन्नर गही एम्बा कत्थती मल ठकरना
10. निंग्हय कत्था गा अल्ला गही मित्तकादिम - जुक्किन बग्गे दरा फस फस कत्था
11. परता गेच्छाती खना खोर इथरअी -बहरी ती दव एथेरना पहें भीतरे ती खिलपाईत
12. परदना भुंड्डुन लथआ चिआ - परदना आलारिन टिड़आ चिआ
13. फुसी-फुसी चेप मल इथरअी मेदन एकला सिमदिई- सन्नी गुन्हाँ मल एथरअी पहें हाईन ननी

14. बग्गे गोड्डो एरा नखरअी, ओन्टा गोड्डो खब तूरई- बग्गेर एरा नखरनर पहे ओरोत आलस खेब नन्दस
15. बेग्गर चिच्च ही या धुगिया मल उरखो - बेगुनहॉ आलर मल भग्गा नखरओर
16. बेगर चोन्हाती डण्डी पाड़ना अल्ला गही भूदना तली- बेगर मतलब गही डण्डी औहारी गूल तली
17. मुर्रना चर्रना बदाली मल पुंइय्यी -बकबकरनाती नलख मलम नी
18. लण्डीर गही डण्डी दिम मण्डी - लण्डिर बग्गे नलख मल ननर
19. लकड़ा करया अरगी चोआ - कोंहा आलर मलदव नलख मल मननर
20. आड़िन तिरखोय न केबेर मोखोय - न हूँ मल केबनर
21. इंज्जोन तेंग्गोन तेंग्गोन दाहन हूँ तेंगोन - गड्डी कत्थन मल तेंगनर
22. उज्जना नू दव मलदव हुरमी रअी -उज्जना सुख दुःख हुरमी रअी
23. उड़चका बकिला गे इंज्जो ख़डख़ा - उड़चका आलर गे दव हूँ मलदव लग्गी।
24. उफड़ारना चोट्टो टकुवा नू तानिम कुड़रअी - इतरारना आलरगे ससाईत बरअी।
25. खलबस बिड़दो खापुसिन केबदस - गुनहस बिड़दो वे गुनाहासिन केबदस
26. उर्बर गही मण्डी कमियर गही डण्डी - ओन्ना मोखा चिउस गही बढ़ाई नन्नर
27. उरमी संजगी मूड़ां नखरअी - ओरमर ओगहोन ओगहोन लग्गा नखरनर
28. उल्ला बेरी रानी-रानी माखा बेरी कंजी पानी- बेड़ा ती बेबेड़ा नलख ननना
29. एरखा बल्लुस तमखू मोंखदस - जोगे मलका आल
30. एन भकुवा मलदन टेटेंगा भकुवा रई- तिंग्गुस ती मिनुस बग्गे बोका।
31. एबेसेरका अल्ला ओरमर संग्गे भुरयरअी- खत्तरका आलर ओरमर गने चिचियरनर

32. एकसन डंगरा रअी असन कनहर एत्तो दिम- ओन्ना-मोखना गुसन आलर अड़सोदिम
33. एकनुम एकनुम धूली लटखोदिम- ननुम ननुम मलदव हूँ मनी काली
34. ओन्दा गुसन संजगी रओ होले सड्डोदिम - ओन्द मदहे आलर रओर असन लग्गा नखरोरदिम
35. ओन्द पक्खे ती असमा मल बिई - दुयो तरती पटरी उक्की
36. ओन्द खेक्खती थपड़ी मल सड्डी - संघे ती नलख बनई।
37. ओन्टे इंज्जो पोखरन बिसरई - मलदव आलसती खोड़हा गहि निंदा मनी
38. ओनो-मोखो बेरी चप्पा-चप्प, नलख बीरी तुप्पा - ओनो मोखो बीरी दव कत्था नलख बेरी धोखा
39. चुतका अल्लन अम्बके थुड़आ - दोखरिन अम्बा एजआ
40. निंग्हय रेबरपीक एंग्हय गुल्ले गुल्ले - तंगआ कत्था दव दरा दुसरही कत्था मलदव
41. निंग्हय कत्था गा कोरंज्जो ख़डखा - ओन्टा हूँ एम्बा कत्था मल मनना
42. ढकना ओड़चका रआ - टंकचआ रअना
43. बंदरा गही खेक्खा नू नरियल - खदद्र गही खेक्खा नू एन्दरा हूँ मल टिकना
44. फूड़ी तकखरना - हुरमी दुःखी ती कटना
45. बई एदना - लगा नखरना (झगड़ा ननना)
46. बीर अम्म ओन्ना - बग्गे उल्ला गुटि उज्जना
47. बहिया बेदद्दा काना - कनिया कमआ काना
48. ओन्टा खोल्ला ती मुंडरका आलर - ओन मदहे आलर
49. ओन्ना थरानिम टोका ननना - दव ननुस गहि हाईन ननना
50. औदम नू तरआ एंवदा दिगहा किचरी रअी - पया भइर नलख ननना
51. कत्था लह-ल हनलख ढिलहा - नलखचोर
52. कत्थाती कूल उड़ई - एम्बा कत्थाती किड़ा मोधारतारई
53. किस्स पीक मोखनन मल अम्बो - मलदव अलर तम्हय चल-चलन नन अम्बा पोलोर
54. कपड़े ता गरमन खरपट नू चीचरना- जार ती नलख ननना

55. कुक्कन चायदअर मुंडराआगे एलचना - नलख ओरे ननर दुहऊ-मुहाऊ मनना
56. कुदद्ोय न बेदद्ोय ओक्कोय न खक्खोय - आलर संग्गे ओक्कोय न एन्देरिम कत्थन आखोय, न बुझरोय
57. खदद्ी अरा फग्गी केरा - रिझ रंग केरा अक्कु नलख ननना
58. ख़ाख़ा एन्देर बकिला मनो- मलदव आलर एन्देर दव मनोर
59. खद्द खुद्द पॉती चोर देवा नूँती - खद्दार एन्देर ननोर एन्देर मला ने हूँ बल्ली
60. खेक्खा पुड्डना - चिमिसहा, किस्टहा। मोंजरा माल ननना
61. खेक्खा दिगहा पुड्डा नना/मन्ना - एका उल्ला मोंजरा ननना एका उल्ला मोंजरा माल ननना, चिअना खट्टना नू जुक्क
62. ख़ेक्ख़ा माल चिअना - मोंजरा माल ननना
63. मुट्ठी पस्ती बने चिअना - बने कुना नमना जोखना
64. मुट्ठी हेअना - चाखका ख़ेस्स माल मन्ना/माल मना चिअना
65. खेसरन माल एंवसरआ चिअना - चेड़अ ामल बेदद्ना
66. खेसेरनू गट्ठा ओक्कना काना - भार चेड्ड चेड्ड गट्ठा ओक्कना
67. भुजन मलकआना - बने रिझ ती नलना
68. खेसेरनू मल मड़ना लंड्डी ती माल चेड़ना
69. टंगली ती चोदना चिअना - हलिका भार मनना
70. थपड़ा मुट्ठी एदना - कैरती संवग एदना
71. मुट्ठी नू मन्ना -ढिबा कौड़ी माल मन्ना/रअना
72. मुट्ठी नू उइना - कब्जा नू उईना
73. मुट्ठी-पस्ती गे तरसारना - ओना-मोखा गे मलका
74. अंगली एदना - खवरदार नन्ना
75. ख़ेक्खानू खेंस मलका - बड़ियार माल मन्ना/बड़ियर सिरे धरना माल
76. खेक्खा चिअना - मोंजरा नन्ना

77. पंजरा एथेरना - कीड़ा सारना
78. पंजरा उसेरना काना - बड़ियर दिम माल मन्ना, बेसहारा मन्ना काना/ उपाय दिम मलका
79. चिंग्गा नखरना - खदद्र गहि बिच्छा नखरना
80. कोदका नखरना - उसकाना
81. सी सोंदहा - सुनसान
82. ख़न्न न खोल़ा मल्ला - माल एथरना
83. मन्न न मास मल्ला - विरान
84. लेड पोंया - सवंग मलका
85. झाय रअना नेरना काना - लेथेम ख़यना काना
86. चिंग्ग बिगिरना - मेद चक्खना
87. चाल न चिट्ठ माल नन्ना - चालदिम माल नन्ना
88. ख़न्न चिलगा लग्गना - बेस एरा तुक्कना
89. ख़न्न खेंसो मन्ना - कैर ती एकासे मन्ना
90. ख़न्न एख़रना - सथारना
91. थंउसरना काना - मुरूक ख़डदना काना
92. ख़न्न ओटा-ओटा उसकरना काना - आसरा एरा-एरा ख़डदना काना।
93. अल्ला पाही काना - तेथेम संग्गेम पाही ती किर्रना
94. थोंथड़न काबू नू माल उईना - इंदिरइम बअना चिअना
95. कैर चुदी नू माल समना - बेस कैररना
96. लिंडी नू बैसकी मल्ला - माल ओक्कना
97. लुठिन मोखना-फुलंगिन पीतना- जुक्की ती बग्गे बअना
98. चेरता चोट्टो, बासी लड्डू - सन्नि आलस गही कोहॉ आलर हेदद्दे बहसनन
99. खोंदोड-खोंदोड मन्ना - अरगी खंदरना गूटि उल्ला-माख़ा बकनुम रअना

100. किली बिली मन्ना - अम्म ओनका ती/नुजंता ती/कीड़ा ती/चिलगा ती
101. दरोबस मन्ना -घटा-चेपती/आली खतरना ती/एड़पा अपज बरबाद मन्ना ती
102. टड़ारन काना - अजगढ़ उपज मन्ना
103. कोहॉ-कोहॉ पीतना - मना पोलतप कत्थन गुट्ठी बग्गेय तेंग्गना।
104. रोपा डोभहा उल्ला - भरदार लेवा/इदना घड़ी
105. दही बेसे ख़ल्ल मन्ना - लेवा/रोपा/ख़ल्लनू चोतोर मन्ना
106. डही बरसना - इंदरिईम कत्थन बहकआना
107. एड़पानू गुडुरकारअना - एड़पाती एका तरा हू मल काना/उरूखना
108. एरना-जोहना-इंदरिईम ननागे एरा कुदद्ना
109. कले कले बड़ा-डुंबारीन मोखना - बेगर बेंजरअम खदद् मन्ना
110. डहुड़न डबना -इंदरिईम कत्थन माल तेंग्गना।
111. तिरी-बितरी मन्ना - नलख ती निजोत माल मन्ना
112. पड़सा नखरना - मादइत नंज्ज नखरना
113. फोड़ा नखरना - पस्स नखरना।
114. च्लंकी केतेर चिअना - एड़पा पालिन सोपना चिअना
115. कुक्क्ता मूरखुड़ी कुत्तिई - एड़पा नू माल रअना/खूड़ी खूड़ी नू कुदना
116. कुक्कता मुरख़डी तेंग्गी - अचका अड़सना/नाद तेंग्गी
117. खन्न मल्ला मल्ला ढ़ोढ़रो हो मल्ला - अंदाज नना पोलना
118. मोक्खरना काना- बई ती कत्था माल उरूखना
119. मेलखा खयना काना - बेस अम्म ओनका लगना
120. जुक्की ताका नू पकरी अत्तख़ा बग्गेम फड़फड़रकी- सन्नीम कत्थन कोंहा कोंहा बअना तेंगना
121. ख़ेबदा मल्ला मल्ला ढ़ोढ़रो हो मल्ला -मेंज्जका बेसे मल मेन्ना
122. पगुर मठवा -देरी गूटि मंड्डी ओन्ना

123. ऐलहा मंगरा डुबहे-डुबहे - बैगर नलख संहड़ाती
124. गोर गोरा उज्जना - उर्मी उल्ला सासईत नू रअना
125. उर्मीन चाड़ना - घमंडी/उर्मीन तग्हय बाचका बेसे नना/ननना
126. लूर सरिका - बेस होशियार पदारना
127. लूरगर दिम मल्ला - लूर बुदही मलका
128. लूर न बांडे मलका - बुदहू
129. बोंगोर नखरना -मेंद कीड़ा गे असन इसन मननां
130. कट-कुटुरना - भितरी-भितरी कैरारना
131. तिरी-बितरी मन्ना - नलख नू स्थिर माल रअना
132. घोड़ो बेसे कोरना उरूखना - नलख नू फुरती
133. मेर बेसे उजगो - सोझ आल मन्ना
134. बड़वारी ती निंदका - महबा ती कोंहा तेगेरना
135. गते गात ओना-मोखना - नूखुर नूखुर ओन्ना-मोखना
136. रऱ्खा ओक्को बीरी ढेलका कप्पा कुदद्ना - आखिरी बेड़ा नू बोगोर नखरना/ कुदा-कुदी मन्ना
137. अड्डो बेसे नलख ननना - बड़ियार ती नलख नू लइक्का रअना
138. कूल ता कत्थन कूल नू अइना - माल तेंगना
139. कूलन लथना - हक्कन बच्चना
140. भितरी बहरी कच्दनखरना - निंदा गिंला ननना
141. ख़ोदोड़ ख़ोदोड़ मन्ना - गोट्टा उल्ल खिजखिजिरना
142. कूल ता मंडी माल पाचना - माल तेंगना कत्थन तेंगना
143. कूल नू चिच लगना - कीड़ा लगना
144. कूल नू चिलगा लगना - इंदरिईम कत्थन तेंगागे धीरज मल धरना
145. होअना ओंदोरना - पच्चा कत्थन घड़ी घड़ी बअना
146. बेगर बाचका मंड्डी माल पाचना - नन्नरिन पड़गनुम रअना

147. बड़बड़रनुम रअना - इदरिंइम बअनुम रअना
148. बेगर उटठ ही कत्था -बेमतलब गही कत्था
149. चींखा चींखा ख़न्न ढ़ोढ़रो मन्ना काना - दुक्खन माल मोधरना
150. भीतरे-भीतरे जिया ओलना - दुक्ख गा रई मुन्दा दुक्खन माल एदना
151. थ्जया ओलना - दुक्खगा रई मुन्दा दुखन माल तेंगना
152. टला कोड़ा नू ऊख़ा रई - जिया भितरी दुक्ख रअना
153. एड़पाती उरखोय न अख़ओय - राजी-राजी कुदद्ना ती लूर अख़ना
154. अठवांग नुंजना - मेंद नू उर्मी तरा नुजना
155. टक-टकी धरना - खंदरआ माल उरूखना
156. ग्ते गात ओन्ना मोखना - नूखूर नूखूर ओन्ना मोख़ना
157. तेरेम-रेसेम मन्न - नलख काम गे चाढ़े माल उरूखना
158. घर घुस्सू - एका तरा हो माल काना
159. टोक्का रसिका - उर्मी बेरी पेल्लरिन टका जोहा ननना।
160. ख़ेबदन ओड़ना की मेन्ना - मुरूख ध्यान ती मेन्ना
161. जिया उख़ा मन्ना काना - एन्देर उपाय हो माल एथेरना
162. उल्ला माख़न ओंटा नन्ना चिअना- नलखन मुंजना ती अंबना
163. लयआ कोयो मन्न - एकासे नन्ना मनो आदिन पोलना बुझुरना
164. सुरंता बेड़ारना - बुदही/ लूर माल पूरना
165. अक्कल मना मोखा काना - भुलुरना काना
166. अक्कल गुम मला काना - बुदही बेड़ारना काना
167. होस्से न लोस्से मल्ला - बुदहू
168. लूरन बीसना मोखना चिअना - निरलज्ज / बिना लज्जे गही
169. बने-बने कोंहा-कोंहा कछनखरना - अबरा कत्थन नुड़आगे बरने बकनुम काना
170. बग्गे ओसगा डुला उटआ बल्ली - एक दुसर नू असरा नंज्ज नखरना

171. कूलता पेट्टा बीनरना बेसे- बेगर अम्म मंड्डी ही उल्ला गोट्टा नलख ननना
172. उसुड़ चुमुड़ नलख नन्ना - चॉढ़े चॉढ़े नलख ननना
173. उड़उ-बड़उ ननना- बड़ियरती कंक पलकना/ ख़ज्ज अरखना
174. पलबा सुकटी बेसे आलस/आली - खेड्डु खेक्खा खईका
175. बास पोस बेसे परदना - टुरा परदना
176. डिंडा पच्चना - बेगर बेंजरअम उज्जना
177. चुट्टी बेसे माल जूड़रना - चिमिसहा
178. टोंका न अख़डा मलका - खल्ल-उख़डी मलका
179. छुच्छू तुम्मना - हींड़ना/नेकअम गुसन माल काना
180. मन्न न खंज्जपा मलका - पयदा माल मन्ना
181. ठिंग न ठप्प मल्ला -चालदिम माल नन्ना
182. ख़दद् न खर्रा मलका - बोझ/नलख ननागे आल मलका
183. उल्ला माख़ा रटना - उल्ला माख़ा नलख ननना
184. उज्जा उच्छका - खतरा गही नलख ननना
185. एरा-एरा जिया कल्परना - खन्न मुधवारे दव माल उज्जना
186. गोहला कुड्डी मलका - अड्डो अउर कमहड़ मलका
187. आल न तेल मलका -सुनसन, बियावान
188. आड़-माझ मनना - बेगर नलख ही इतरा अत्तरा रअना
189. अल्ला बेसे खंदरना - एसन ओंग्गना आसनिम खंदरना काना
190. नूखरना काना, मेरखा काना - खेअना काना
191. पर भरसिया - ननूर मइय्या असरा ननना
192. अल्ला परमना - दुःख मनना
193. गड्डी ढ़ोड़हन सम्म नन्ना - उर्मी नलखन मुन्ज्ज्ना चिअना
194. भितरे भितरे कल्परना- कले-कले दुक्खन सहना
195. अड्डे चोक्ख मन्ना -अत्तरा अत्तरा मन्ना

196. अड़ख़ा तोक्खा काना -कनिया कमआ काना
197. अड्डो पच्ची सोझ, आलर पच्चनर टेड़हो -पच्ची खने अड्डो सोझमन्नी आलर खन अदिको मेरतले मेरतेलेम मन्नर
198. आना किर्ताआना -रफ बाच खच्चना
199. आलर गे डेंगे डेंग परती फंदा रई -आलर गे खेड्डे गनिया खत्तरा रई
200. आस गही ख़न्न न खोला माल ख़खरा - आस गही एन्देर चिन्हा हूँ माल
201. आस तुप्पका ललेन टाटदस -बाचका कत्थन ती पछली किंरना
202. आस गही खेड्ड खेक्ख एस्सरा केरा - खोख़ा मुन्धारे ने हर हूँ मल्का
203. आस तुप्पका ललेन टाटदस -बाचका कत्थन ती पछली किंरना
204. इन्दराता मूँखा मन्ना -एन्दरन हूँ बलना
205. ई पेल्लो गही बिड़ियो बिलची -ईद बेंजरना जोगे मंज्जका पेल्लो हेके
206. उर्बर गही मण्डी एड़ी भैर तोलोंग -नन्नर ही भरसा नू बड़वारी
207. उड़चका बकिला गे इंज्जो ख़डख़ा रई -उड़चका ती दव चिज हूँ एम्बा माल लग्गी
208. उल्ला बीरी रानी रानी, माख़ा बेरी कांजी पानी
उल्ला नू लोलोपोतो , माख़ानू मण्डी अमख़ी मला
209. एंग्हय गुइया हूँ पूँप परदा लगी -एंग्हय एड़पा नू हूँ कुकेर परदा लगनर
210. एकनुम एकनुम खेड्ड नू धूली लटखो-दव नन्नुम नन्नुम मलदव मनी काली
211. एकसन धुगिया चुई असानिम चिच्च रई -कलह गुसन गुनह रईदिम
212. एख़ लग्गना - बराकईत बरना
213. एख़ एरना - चोन्हाती एरना
214. एड़पा ता ख़ेर दाली बेसे - एड़पा ता दाव हूँ मलदव बेसे रई
215. एड़पा मन्ना -दुसरा बेंजरना

216. एब्सरका अल्ला नेकईम गुसन भूरियारई-मलका आनर होरमर गने दव मन्नर

217. एरख़ा बलदस अन्नु हूँ तमखू मसेंख़दस -एन्दरन हूँ मलदस पहे आगे आगे मन्दस

218. ओन पक्खेती असमा मल बीई -एड़ो तरती चोन्हा मनी

219. ओन्ना थरा नू टोका नन्ना - नलख नू बरना कमहड़न बगड़ाआना

220. ओन्नो मोंखो बारी चम्पा चम्पा, नलख बारी ठुम्पा - ओना मोंखना गुसन दवदव कत्था, नलख गुसन बेकम्मा ओक्कना

221. कड्डू नू मकरा जला बजिया -बीतागे ओन्ना गे मलका

222. कत्थान खुख़डाना-इयाईद उइना

223. कत्थन हिठाबाअना-कत्थन चांड़हे मुंजना

224. कत्था ओथरना -कत्था नन्ना

225. किस्स पीक मोखन मल अम्बो -हेभेरका आलस मलदव वन मल अम्बा पोलनर

226. कुक्कन चैदकन अक्कू खोल्ला ती एन्देर इलचका-नलख नन्ना गे ओरे नंजका खोखा हरजाती एन्दकर इलचका

227. कुँडुख़र ही कत्थ दिम डण्डी एकनादिम तोकना-कुँडुखर-गही नलख अरा कत्थही ओहमा

228. कुददोय ना बेददोय ओक्कोय न ख़क्खोय -आलर गने ओक्कना अरा इजना रई लूर ख़क्खगे

229. कोहा बई नन्ना -बड़वारी कच्छनाखरना

230. कोड़े मन्ना - छुटा मन्ना

231. ख़ददी अरा फग्गुकेरा -रिझ रंग ता उल्ला केरा

232. गेच्छाती ढुलकी सोहान लग्गी -मेंज्जका कत्था दव लग्गी

233. घाट घाट ता अम्मन ओंडका आलस -उर्मीन ईरका खुजका आलस

234. जियन सन्नी नन्ना - हदियारना

235. ढ़कना ओंड़ना - उक्का रअना
236. तंगआ सियां नू अल्लादिम बडियर -तंगआ अड्डा लेपड़ास हूँ सवांगियस
237. तुप्पका लालेन टाटना -बाचका कत्थाती खोख़ा किंरना
238. दव अतख़ा नू ओंड़ा एरखी - दव आलरसंगे हरजा मन्नी
239. दुन्दु पूरू पूरू पेच्चा हूँ पूरू -सन्नीर बेसेम होहर हूँ बल्लू
240. दुयो खेक्खा नू लडू - उर्मी तरती नफा
241. नेखय डंडा आरहीदिम बंडा - सवंगियार आलर गही दिम राजी रई ढिबा मोखना -घूस होओना

4

बई तुर्रा

(मुहावरे)

अ

1. अड्डे चोक्खो मल मन्ना-कत्थन मल तांड़ना, (बात नहीं टालना)
   - सन्नी भइयोस मंगरस कोहा भईयोस सोमरस गहि कत्थन ईकला हूँ अड्डे चोक्को मल नंज्जस।
2. अड्डे चोक्खो मन्ना-नलख ती बोंग्ना (काम से कतराना)
   - लण्डी आलर नलख बीरी अड्डे चोक्खो मन्नर।
3. अल्ला पीसअी ख़ोलन-तंग्आ नलखन नन्नरती ननतअना (अपना काम को दूसरों से करने को कहना)
   - एंग्हय कत्थन ने मिनी विदड़ो अल्ला पीसअी ख़ोलन।
4. ओंटा ख़ेक्खा ती थपड़ी मल सड्डी-चोन्हा एँड़ोर गहि मझही नूं मनी, (प्रेम दो के बीच में होता है)
   - चोन्हा ख़क्खा गे ओंटा ख़ेक्खा ती थपड़ी मल सङ्डी।
5. ओन पक्खेती असमा मल बिअी-चोन्हा एँड़ो तरता मनी (प्रेम दोनों तरफ से होता है)
   - चिअना-होअना दिम दव, ओन पक्खेती असमा मल बिअी।
6. अड़ख़ा ओलना-लज्जे एथेरना (गुप्त अंग दिखना)
   - पिंडा मइङ्ग्यां उक्कया खनेगा सुकरी गही अड़खा ओला हेल्लरा।
7. अम्म लेखआ तुंदना / ख़टना-दव आलर (उदार या दानी व्यक्ति)
   - कुङख़ बेलस बेल्ख़ाता आलर गे आलोन अम्म लेखआ तुंदा अरा ख़ट्टा लगियस।

8. अड़ी नींदना-मलदव अलो परदना (बुराई बढ़ना)
- बुधनी गही गा इन्नेला अड़ी नींदा लग्गी।

9. ओत्था मेद मन्ना-ओत्था एख मन्न (गर्भवती होना)
- धर्मेस गही चोन्हाती फुलमनियाँ चाँड़ेम ओत्था मेद मंज्जा।

10. ओन दसी मेर हूँ बलना-किच्चरी मल चिअना (वस्त्रा नहीं देना)
- इन्ना गूटि सोमारी गे ससिरार नू ओन दसी मेर हूँ मल्ला चिच्चका।

11. अंगलना चिअना-भकुवारना काना (अवाक् होना, आश्चर्यचकित होना)
- केच्चकन मेन्नर की आलर बईयन अंगलनर चिअनर।

12. अंगलना, शपाबअना-उतारा मल चिअना (उत्तर नहीं दे पाना)
- टीप इयाईद मल रअी होले परीक्षा नू टूडुर बइयन अंगलनर, खपाबअनर।

13. अम्म नेआ पोलना-अजगड़ दुःखे मन्ना (अत्यधिक कष्ट, मरनासन्न)
- कूल नुंजना ति बुधवस अम्म हूँ नेआ पोल्ला हेल्लरस।

14. अम्म नेआ हेलेरना-उतारा चिआ पोल्लना (उत्तर नहीं दे पाना)
- बंग्स गही डंचकाति रघुस अम्म नेआ हेल्लरस।

15. अम्म कुम्मा हेलेरना-नन्नर गही अंग्ड़े नू मन्ना (दूसरो के अधीन में होना)
- ख़लबर हुर्मी बेड़ा आलरिन तम्हय अम्म कुम्मतअना गही चिहुट नन्नर।

16. अम्म-अम्म मन्ना-पिता-पितरना (परेशान होना)
- सोमरस तंग्ड़ी गही बेंज्ञा नू अम्म-अम्म कुम्मतअना गही चिहुट नन्नर।

17. अड्डे एरना-खिसारना (क्रोध से तिरछा देखना)
- पेसका नलखन मल नना खने तंग सइस सेड़ोन अड्डे ईरी।

18. अल्ला पच्चना-हेतेड़ मलका, खोड़हा ती चाड़ मला बइद उज्जना (निरर्थक जीवन)
- कुडुख़ खोंड़हा नू विरसस अल्ला पच्चनन पच्चियस।

19. अड़रा लगाबअना-झगड़तअना (लड़वाना)
- खोंड़हा नूं जोक्क आलर अड़रा लगाबऊ रअनर।

20. अड़ख़ा बअना-मण्डी ओन्ना (खाना खाना)
- लोहाड़ी बेड़ा होर्मर अड़ख़ा बअनर।

21. अड्डा एदना-एड़पा कमतअना (घर बसवाना)
- सरकार हरिजनर गे अड्डा एदआ चिआ लगी।

22. अल्ला मल नुंसुगना-ने हूँ मल मेन्ना (कोई पूछ नहीं, नहीं चाहना)
- एड़पनति बहरी नीन कला तो अल्ला हूँ मल नूंसगो।

23. अम्म मण्डी अम्बना-नड़ियारना (बीमार पड़ना)
- नड़ी ती मंगरस अम्म मण्डीन अम्बियस चिच्चस।

24. अड्डो आल मन्ना-सोझ आल (सीधा आदमी)
- पुनईस पुरहेस अड्डो आल तलदस।

25. आबदा मेद-डीण्डा (अविवाहित)
- जोक्क आलर आबदा मेदिम खेअनर कानर।

26. ओंद खेत्तन बलना-निकटहा, मेरी, मस्सी (कंजूस आदमी)
- रतियस ति इकला हूँ ओंद ख़ेत्तन हूँ बल्लोय।

27. अड़ख़ा तुक्खु-ख़ट्ट आली (बच्ची/लड़की)
- इन्ना बोधनस गे ओंटा अड़खा तुकखू बरचा।

28. अस्सना-लअना (मारना)
- तंग्दस एड़ा ख़ापा मल केरस खने तम्बस चरवासिन अस्सीयस चिच्चस।

29. अंग लगाबअना-मन चिअना (मन लगाना)
- विपतस इंन्नेला नलख नू अंग लगाबअदस।

30. अंधरा कमना-धोखा चिअना (धोखा देना)
- मंदर बीसुर आलारिन अंधरा कमनर दरा किर्रिम बिअनर।

31. अंधा-धुंध बच्चतअना-बेगर सोचअम खर्चा नन्ना (बिना सोचे समझे खचे करना)
- एकअम नलख नूं अंधा-धुंध बचत अना दव मल मनी।

32. अज्जु-इज्जुता कत्था नन्ना-गैंसी नन्ना (चुगली करना)

33. - इकलअम हूँ मुक्कर मेंज्जका कत्थन मेन्जकम मल रअनर, अज्जुइज्जुता कत्थन नन्नरदिम।

34. आँच बरना अकल मन्ना (अकल आना)
- ओन बेड़ा मंगरस खरा रिरयारआ लगियस, अक्कु मला आसगे आँच बरचा।

35. अक्कुन-तक्कुन मन्ना-हड़बड़-हड़बड़ मन्ना (अब तब होना)
- चेंप पुइयां हेल्लरा खने मोरहस अक्कुन-तक्कुन मन्ना हेल्लरस।

इ

1. इसुंग नलबना-गोगोंर-गोंगोर नन्ना (खुशामद करना)
- एन्देर बओय इवंदा बअनु हूँ नीन इसुंग नलबतअदय।

2. इसुंग बीजिरना-मलदव मन्ना (अशुभ होना)
- ई चान नू बहुरस गहि इसुंग बीजरा केरा।

3. इड़ना मोख़ना-केबना (गाली देना)
- इवंदअम नलख ननोय अन्नू हूँ इड़ना-मोख़ना लेखा नन्दय।

4. इट्टा ती इट्टा बजड़अना-कोड़हे जवाब चिअना (मुँह तोड़ जवाब देना)
- कुड़खर खलबारिन इट्टा ती इट्टा बजड़ाचर चिच्चर।

5. इमान डोलना-हार मन्ना (हार मानना)
- पंच्चे रूपया करने मंगरस गहि इमान डोलचा केरा।

उ

1. उर्खना काना-ख़ेक्खा मल लग्गना (हाथ न लगना)
- ख़लबर गहि ख़ेक्खा ती उरखिया केरा।

2. उज्जा उच्छना-मोह मल एरना (मोह नहीं रखना)
- नेका उज्जा उच्छिया जे एन्ने ऊखा टोडंग ती कट्टो।

3. ओंद बिरही गे ठनकारना-अकय ससइतती मण्डी मन्ना (कठिनाई से अन्न जुटाना)

- नुकरी अम्बरा खने सनियस ओंद बिरही गे ठनकारआ हेल्लरस।

4. उल्ला-माख़ा ओन्टा नन्ना-खरा कोड़हे नलख नन्ना (कठिन परिश्रम)
- सुकरस इदना उल्ला भाख़ा ओंटा नंन्जस चिच्चस।

5. उंक मलका-खुर्जी मलका (निर्धन)
- सोहनस पुरहेस उंक मलका बेसे मन्दस।

6. उच्छलारना-खशुभारना-(खुश होना)
- कुक्कोय गहि कुंदरनाति तंग अज्जोस उच्छलारआ हेल्लरस।

7. उल्टी कन्तो मुंड्डना-बइमान मन्ना (नमक हराम होना)
- जोंखारिन एन्देर बओय एंगानिम उल्टी कन्तो मुण्डयर।

8. उल्ला बीरी बीनको एरना-(घबड़ाना)
- एन्देर मंज्जा जे नीन उल्ला बीरी बीनको एरा लगदय।

9. उडुचका गिदही-टेमटेमरना (अनिच्छा)
- ख़ेस्स बिस्सिम मंज्जा खने पडुवस उडुचका गिद्ही लेखा मंदस।

10. उल्ला काना-बेड़ा काना (जिन्दगी बिताना)
- इदना चेंप मल्ला एकासे उल्ला कालो।

11. उढ़ियारका पतगली-एन्दरा हूँ मल रअना (कोई वस्तु नहीं होना)
- तिम्बु ख़ूजुर उढ़ियारका पतगाली लेखा मन्नर।

12. उक्क बीरी ओना गे बेट्टना-लण्डी आलर (कामचोर आदमी)
- नलख हूँ मल नन्दय अरा उक्का बीरी ओना गे बेट्टय।

13. उबुसका-कीड़ा मन्ना (भूखा आदमी)
- एन्देर गें एन्ने कचकच नन्दय उबुसका रअदय एन्देर ?

14. उलय-चलय मन्ना-अकय कमिया (फर्तिला)
- सोमारी नलख बीरी अकय उलय-चलय मनी।

ए

1. एकासे नलख अन्नेम ख़ंजपा-(जैसी करनी वैसी भरनी)
- दव नलख ती दव खंजपा मनी।

2. एड़पाता ओसगा-बहरी ता कत्थन बलना (बाहर की बात से अनभिज्ञ)
- नलख नू रआ खने आलर मानिम एड़पा ता ओसगा मन्नर कानर।

3. एकअम मुक्का गहि नगरा अड़रना-ओत्थ मेद मन्ना (गर्भवती होना)
- चाँड़ेम सुकरो गहि नगरा अड़र्रा केरा।

50 /कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना / 51

4. एकअम मुक्का गहि भंड्डा-टंगरना-ओत्था एख़ मन्ना (गर्भवती होंना)
- बेन्जा ख़ोख़म फूलो गही भंड्डा टंगरा केरा।

5. एड़पा एसरना-कोड़हे बिपईत बरना (भारी नुकसान होना)
- बंग्स गहि केच्चकाति बुधवस गहि एड़पा एस्सरा केरा।

6. एड़ा ख़न्न मन्ना-खेअना बेड़ा अंड़सना (मरनासन्ना)
- जोक्क आलर खेअना बेड़ा नू एड़ा ख़न्न मन्नर कानर।

7. एख़ मंक्खना-चांड़े (तुरन्त जाना)
- उंगुड़ रआ से एख़ मंक्खना लेखा बरदय।

8. एख़ एरना-सपड़ारना (श्रृंगार होना)
- सोमारी जतरा कालागे एख़ एरा-एरा किचरी कूरिया।

9. एख़ नू परदना-एरा-एरा परदअना (देख-रेख में पलना)
- टुवर ख़ट्टर नन्नर गहि एख़ नू परदनर।

10. एड़पा हरियारना-सुखे बरना (खुशयाली आना)
- फगुवस गहि एड़पा अक्कु हरियारा केरा।

क

1. कंइस कुइस मन्ना-लण्डी (टाम मटोल करना)
- नलख पेसकन्ति ख़ट्टर मानिम कंदस-कुइस मन्नर।

2. कड़मा एसरना-दुःखे मन्ना (तबाह होना)
- बेन्जा नू सुकरी तम्बस गही कड़मा एस्सरा केरा।

3. कठुवारना-ढीठ मन्ना (काठ मारना)

- जलहस अजम कठुवारका रअदरस।

4. कुक्क अड़ी ख़ोटरना-लज्जरना (लज्जित होना)
- फेल मना खने बचऊ कुक्कोर गही कुक्क अड़ी खुटअी काली।

5. कूल नुंजना-कीड़ा सारना (भूख लगना)
- एन्दरअम रअी होले चिआ एंग्हय कूल नूंजआ लगी।

6. कत्था चिअना-ठंडका नन्ना (जवाब देना)
- सोमारी गही वेन्जा गे अगुअस कत्था चिच्चस।

7. कोहा कत्था बलना-घुड़कअना (डाटना)
- तम्बस गही कोहा कत्था बलनाति ख़ट्टर सिटी पिटी मन्नर कानर।

8. किञ्ज्या-मंइञ्ज्या ए-रना-खिंसारना (क्रोधित होना)
- एन्देर गे नीन टेटनासिन किञ्ज्या-मंइञ्ज्या एरदय।

9. कोहा-कोहा एरना-लुण्डु एरना (क्रोध)
- बुधनी, तंग ऐरखोन कोहा-कोहा ईरी।

10. कीबा खतरना-दुक्खे बरना (दुःख आना)
- इन्नेला करमस मंइञ्ज्या खरा कीबा खत्तरा।

11. कूल पूख़ना-एलचना (डरना)
- लकड़न एरा खनेम गंगुस गही कूल फुल्लरा केरा।

12. कूल पूख़ना-ओत्था एख़ मन्ना (गर्भवती)
- हीरा गही चाँड़ेम कूल पूख़ा लगी।

13. कत्था ख़ोट्टना-मल बअना कत्थन तेंग्ना (भेद खोलना)
- एंग्गा हूँ चिआ मला होले कत्थन ख़ोट्टोन चिओन।

14. कूल नू चिच्च लघरना-कीड़ा लगना (भूख लगना)
- नलख नन्नाति बग्गेम कूल नू चिच्च लघअी।

15. कत्था कमना-बहना नन्ना (बहाना बनाना/करना)
- कत्था कमनाति मल मना, निग्हय नलखन नना।

16. करजा ओत्थरना-खर्चा नूं पड़रना (खर्च में पड़ना)
- अनबुझिया कुक्कोस हुर्मी बेड़ा करजा उत्थुरनुम रअदस।

17. कूल नूं घोड़ो बोंग्ना-फिकीर नन्ना (चिन्तातुर होना)
- बहुरस पेठति मलम बरदस खने एड़पन्ता आलर घी कूल नूं घोड़ो बोंग नखरआ हेल्लरा।

18. कड़मा सकतारना-धनी आल मन्ना (धनी होना)
- कुक्कोस गही अर्जअना ती मंगलुस गही कड़मा सकतारआ लगी।

19. कड़मा सकतअना-लड़आ गे सपड़ारना (लड़ने के लिए तैयार)
- जोलहस तंग दुश्मनरति बदला होआ गे कड़मा सकतआ लगदय ।

20. कड़मा ढिलंग मन्ना-कोलरना (गरीब होना)
- एरते-एरते टुनस गही कड़मा ढिलंग मन्ते काला लगी।

21. कड़मा एसरना-सहड़ा मल ख़खरना (तबाह/गरीब होना)
- ख़ट्टर गही बिड़दो लूरति चंदस गही कड़मा एस्सरा केरा।

22. कड़मा मल ठेकना-कत्था मल बनना (बात नहीं बनना)
- करमी गही बेन्जा कत्था मल ठेकचा।

23. केच्चका नुम पिटना-दुःखे बीरी अउर दुक्खे चिअना (तबाह व्यक्ति को और तबाह करना)

24. कबसी ख़ोप्पा मन्ना-ओतोख़ ख़ट्ट (एकलौता पुत्रा)
- झिरगासंगे ओंटे एकला कबसी ख़ोप्पा रहचा।

25. कूल नुंजना-जुक्की मन्ना (इच्छापूर्ति नहीं होना)
- एकअम आलोन जुक्की चिआ खने मलदब आलर गही कूल नुंजअी

26. किङ्या मल एरना-घमंड मन्ना (घमंड़ करना)
- जोक्क आलर धन ख़क्खर किङ्या मल एरनर।

27. किचरी कूरतअना-बेन्जा गही कत्था बनना (विवाह का प्रारंभिक प्रबंध)
- बेन्जाती मुंध कुकोएन किचरी कूरतअना मनी।

28. ककड़ो वक्का लेखा धरना-दवले धरना (मजबूती से पकड़ना)
- डोड़ओ मनो बीरी ख़ट्टर किचरिन ककड़ो बक्का लेखा धरनर।

29. कुड्डा नूं गोच्चो कुन्दरा-धनी आल मनना (धनवान होना)
- ई ख़ेख़ेल नू होर्मा आलर गही कुड्डा नू गोच्चो मल कुन्दी।

30. कुक्क नू मरग कुन्दना-अंड़िया मन्ना (धमण्डी होना)
- ई मेला चरवा तंग्दस गही कुक्क नू मरग कुन्दिया केरा।

31. कपड़े पसरना-केच्चका ख़ोख़ा दुक्खे मन्ना (विलाप करना)
- झिरगस गही केच्चकाति तम्बस अरा तगियों कपड़े पसरआ लगनर।

32. कपड़े ख़ोटरना-दसा बिगड़ारना (भाग्य बिगड़ना)
- बर्खा मल मन्ना चड्डे उयु-खुसुर गही कपड़े खुटओ दरा काली।

33. कड़मन धरना-जोर से धरना (मजबूती से पकड़ना)
- एकअम नलखन नन्तआ खतरी नन्नर गही कड़मन धरना दिम मनी।

34. कत्थन केंसना/केंसना-एडपा ता कत्थन इज्जु
- अज्जू तेंग्गना (घर की बातों को इधर उधर बतलाना)

35. कुण्डो चुट्टी अरगी कुन्दा-ख़ट्ट परिया (नाबालिग)
- ख़ट्टर गही कुण्डो चुट्टी अरगी, कुन्दूनुम अयंग-बंगर केच्चर केरर।

36. कपड़े नू अल्ला उम्बुलका-भइग ख़ोटरना (भाग्यहीन होना)
- कपड़े नू अल्ला उम्बुलका आलारिम निरवंश मन्नर।

37. कत्थन कुचना-खुबेम कच्छनखरना (वाचाल)
- ओंटे मल ओंटे आलर कत्थन कुचऊ मन्नर दिम।

38. कुक्क किज्या मन्ना-बेइज्जत मन्ना (इज्जत गंवाना)
- बहुरस गही ढुकु मंक्खिकान्ति बंगस गही कुक्क किज्या मंज्जा केरा।

39. कट्टू सुमड़ा-मोख़ारो आलर (काला आदमी)
- हू पेल्लो गा पकम कटटु सुमड़ा रओ।

40. कुक्कु नू उम्बुलना-बग्गे चाड़ना (सीमा से अधिक)

- निकइम कुक्कु नू उम्बुलआ बेट्टोर तो उम्बलअम चिओय?

41. कोरंजो ख़डखा-ख़डख़ा कत्था (कड़वी बात)

- नेकअम हूँ कोरंजो लेखा ख़डखा कत्था दव मल लग्गी।

42. कोहा-कोहा ताघरना-कोहा-कोहा कत्था कमना (डींग हाकना)

- दुर्गास एवन्दा मल अर्जअदस अवन्दा कोहा-कोहा ताघरदस।

43. कीबा खतरना-दुक्खे सारना (तकलीफ उठाना)

- मंगरा तंग्यिो तंगदस गही मुन्जरकाति खरा की सारआ लगी।

44. कपड़े ओलना-भइग ख़ोटरना (भाग्य का बुरा होना)

- इन्नेला जतरूस गही कपड़े ओला हेल्लरा।

45. कोड़ना-लअना (मारना/पीटना)

- बिपतस तंग्दासिन नलख मल नन्ना चड्डे कोड़दस।

46. कपड़े बिलचना-किसमईत ख़क्खरना (भाग्यशाली बनना)

- इ चान नू एतवस गही कपड़े लिचया।

54 ध् कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना ध् 55

47. कपड़े कोलरना-दव उल्ला बरना (शुभ दिन आना)

- होर्मर दव नलख ननोर होले राजी गही कपड़े कोलरओ कालो।

48. कुक्क चोदना-इज्जत ले उज्जना-ओक्कना (इज्जत के साथ जीना)

- दव आलर कुक्क चोदअर उज्जतर।

ख

1. खंद़रना-बेफिकिर मन्ना (चिन्ता नहीं करना)

- असार खत्तरा केरा अन्नु हूँ विपतस ख़ंदरने रअदस।

2. ख़ट्टर गही जुदम मसड़ा-कत्थन मल मेन्ना (बात नहीं सुनना हल्ला करना)-इसन बैठकी मना लगी खने सोमरा गार गही जुदम मसड़ा।

3. ख़न्न मिंक्खना-खेअना (मरना)

- धन्नोस इन्नम ख़न्न मिंक्खयस।

4. ख़न्न खेंसो मन्ना-खिंसारना (क्रोध से भरना)
   - नलख मल नना खने उर्बस ख़न्नन ख़ेंसो नन्दस।
5. ख़न्न ती बेज्जे उरूखना-कठिन नलख (कठिन काम)
   - महंगी बेड़ा नू ख़दददारिन पढ़तअनुम बेज्जे उर्खा ख़च्ची।
6. ख़ेक्खा नू पोचगो मन्ना-मलदव नलख नन्ना (बुरा काम करना)
   - इन्नेला करमस गही ख़ेक्खा नू पोचगो मना लगी।
7. खाँड़ना-मलदव एरना (घृणा करना)
   - चंदरो नन्नर गही खट्टारिन अजम ख़ाँड़ओी।
8. खेक्खा पुड्डना-खुर्जी मल रअना (सम्पत्ति कम होना)
   - सनिचरवस तंग्दासिन बचतआ पोल्ला लगदस आस गही ख़ेक्खा पुड्डारओी।
9. ख़ेक्खा ताँड़ना/दिगहा नन्ना-ख़डना (चोरी करना)
   - दव आलोन एरर झिरगस तंगहय ख़ेक्खन ताँड़दस।
10. ख़ेबदा नू तूलि ठूसना-मल मेन्ना (अनसुनी करना)
    - एवंदा बओन नीन गा खेबदा नू तूलिन ठुस्सका रअदय।
11. ख़ेबदा चिलगा लग्गना-खुर्जी खकखना (धनागम)
    - नारोस गही इन्नेला ख़ेबदा चिलगा लगी।
12. ख़न्न कोंड़ाती एरना-खिंसारना (क्रोध करना)
    - सुगनी तंग एरखोन ख़न्न कोड़ाति ईरनुम उर्खी-कुरओी।
13. ख़न्न गुने एरना-खिंसारना (गुस्सा करना)
    - नलख मल नना खने उर्बस जोंख़ारिन ख़न्न गुने एरदस।
14. ख़ेड्डे-कुक्क मन्ना-नाता (रिस्ता)
    - ख़ेंख़ेलता होर्मा आलर नेख़अयम मला नेख़अयम ख़ेड्डु कुक्क मन्नरदिम।
15. ख़न्न लग्गना-नसना (बुरा प्रभाव पड़ना/बुरा नजर)
    - ख़न्न लग्गी होले नोल-कोंहड़ा नू खंजपा मल लगी।

16. ख़ोख़ा तरा कच्छनखरना-कत्थन अत्तरा-इत्तरा तेंग्ना (चुगली करना)
- जोक्क आलर नेख़अयम कत्थन ख़ोख़ा तरा कच्छनरवरनानिम दव वुझरनर।

17. ख़ेड्ड ख़ेक्ख़ा ओंटा मन्ना-जुरजुट नलख नन्ना (अधिक मेहनत करना)
- बिढ़नन कट्टा गे ख़ेड्डा ख़ेक्खा ओंटा नन्ना मनी।

18. ख़न्न चोड़ना/उर्खना-हिंसगहा (छल-कपट)
- पर्दनन एरर दरा बोधनस गही ख़न्न चोड़ा लगी।

19. ख़इका झाँक नू खोर उर्खना-गरीबती धनी बनना (गरीब से धनी होना)
- तंग्आ ही कंमई ति जोक्क आलर गे ख़इका झॉक नूँ ख़ोर उर्खी।

20. खेंख़ेल एरना-सपड़ारना (श्रृंगार करना)
- जतरा कालागे सोमारी ख़ेख़ेल ऐरा-ऐरा किचरी कूरि।

21. खाँसरकी कुट्टना-बहना नन्ना (बहाना करना)
- लण्डी आलर हुरमी गुसन खाँसरका कुट्टनर।

22. ख़ड़िदका कया-पच्चगी जिया (बुढ़ापा)
- आलर ख़डदिका कया मनी खने नलख नना पोलनर।

23. ख़न्न टटना-पाब एरना (आशा करना)
- निंग्हय बरनन एरा-एरा खन्न टटचा केरा।

24. ख़न्न कोलरना होश बरना (होश आना)
- आलर एकन्ने एकन्ने कोहा परदनर अन्नेम-अन्नेम खन्न कोलरअी।

25. ख़न्न नू धूलि तपआ नन्ना-धोखा चिअना (धोखा देना)
- एकअम दव आलर गही ख़न्न नू धूली तपआ नन्ना दव मली।

26. ख़न्न नुड़ना-नजइर बछाबअना (नजर बचाना)
- ख़लबर नन्नर गही ख़न्नन नुड़नुम बोंग्नर कानर।

27. ख़न्न अट्टना-चोन्हा एदना (प्रेम दिवाना)
- अयंग-बंगर ख़ट्टर मइञ्यां ख़न्न अट्टिकारिम रअनर।

28. ख़न्न चक्खना-हिंसगारना (हिसंगा करना)
- दव नलख नना करने आलर गही ख़न्न चक्खीदिम।

29. ख़न्न एरना-एरना (देखना)
- नलखगेगा ख़न्न मल ईरी।

30. ख़न्न बिलिचना-एरना (देखना)
- हुसानुम उइका रअी पहें निंगहय ख़न्न मल बिलची।

31. ख़न्न लग्गना-लोभ नन्ना/सीक खारना (लोभ करना)

32. ख़न्न ख़ोटरना-मलदव नजइर (बुरा नजर)
- मेल्खो मेल्खो नू ख़न्न ख़ोटरअीदिम।

33. ख़न्न एदना-खींस नन्ना (क्रोध)
- नलख मल नना खने उर्बस जोंख़स मइङ्ग्या ख़न्न एंददस।

34. ख़न्न बेट्टना-दुःक्खे बरना (दुःख आना)
- नेखय दोस नं÷जस जे-ई चींचो बोलोसगे ख़न्न विट्टया।

35. ख़न्न नू चर्बी मन्ना-घमण्ड मन्ना (घमण्डी होना)
- धन मंज्जा खने बुचस गही ख़न्न नू चर्बी मंज्जा केरा।

36. ख़न्न बिड़दअना-बिड़दो मन्ना (उल्टा होना)
- इन्नेलन्ता ख़ट्टर खोंडहानू ख़न्न बिड़दअना मन्नरदिम।

37. ख़न्न चींचना-ढ़ाढ़स चिअना (ढ़ाढ़स देना)
- ई-खेंखेल नू ख़न्न चींचूर ने हूँ मल्लर।

38. ख़न्न चोदना-मलदव नजईर ती एरना (बुरी नजर से देखना)
- ख़लबारिन होर्मा आलर ख़न्न चोदअरकिम एरनर।

39. ख़न्न खटका लगना-मलदव ख़न्जपा गही पता लग्गना (बुरा फल का आभास)-ख़ाख़ा चींख़ी होले ख़न्न नू चाँड़े खटका लग्गी काली।

40. ख़ेड्ड नोड़ना-खुशामईद नन्ना (खुशामद करना)
- बेड़ा सिरे ख़ेर गही ख़ेड्डेन हूँ नोड़ना मनी।

41. ख़ेबदा इजना-धेयान चिअना (ध्यान देना)

- टूड़ना वचना नू ख़ेबदन इजतअना अकय चाड़ मनी।

42. ख़ेबदा नींदना-मल मेन्ना (अनसुनी करना)

- एकअम बओय अन्नु हुँ मंगरस गही खेवदा नींदि काली।

43. ख़ेबदा चोंड़ना-मल मेन्ना/बहिरा मन्ना (नहीं सुनना/बहरा होना)

- बुधवस गही ख़ेबदा चांडेम़ चुंड़िया केरा।

44. ख़ेबदा ख़ोरपना-रोगे मन्ना (बीमार होना)

- इन्नेला रंग-रितआ गही ख़ेबदा, ख़ोरपना इथरअी।

45. ख़ेबदा अंइठअना-लूर चिअना (ज्ञान देना)

- ई खेंखेल नू तंगआ ख़ट्टर गही ख़ेबदा अंइठअना अकय चाड़ रअी।

46. ख़ेबदा नू सजना-तेंग्गना (कहना)

- अंगड़-बंगड़ उज्जा ओक्कागे दव कत्थन ख़ेबदा नू सजनर।

47. ख़ेबदा चिअना-धेयान चिअना (ध्यान देना)

- ख़ेबदन चिअन नलख नन्ना खरा चाड़ रअी।

48. खभइर होअना-दण्डे चिअना (दण्ड देना)

- बरके इन्ना, निंग्हय खभइर होआ लगदन।

49. ख़ेक्खा लवअना-बग्गे अर्जअना (अधिक कमाना)

- इदना गा बुधवस पैदा नू खूबिम ख़ेक्खा लवचस।

50. ख़ेक्खा चिअना-मोंजरा नन्ना (नमस्कार करना/प्रणाम करना)

- बेन्जा पाही नू सन्नी कोहा आलारिन ख़ेक्खा आलारिन ख़ेक्खा चिअना अकय चाड़ मनी।

51. ख़ेक्खा चिअना-सहड़ा चिअना (सहारा देना)

- टेटनस कूबि नू खत्तरस खन्ने चमरूस ख़ेक्खा चिअर बाहरी ओथरस।

52. ख़ेक्खा अगु बढ़ाबअना-संग्गे मन्ना (दोस्ती करना)

- एंग्हय नलख दव चलरआ लगी इदीन एरर करमस ख़ेक्खा अगु बढ़ाबाचस।

53. ख़न्न नुड़ना-लजरना (शर्माना)
- पुना कनियर ख़न्न नुड़ते उर्खनर-कोरनर।

54. खेंसो पंडरू मन्ना-खींसारना (क्रोधित होना)
- नीन एंग्हय एन्दरा बिगड़ोओय जे एंग्ग मइङ्ग्या ख़ेंसो पंडरू एट्टय।

55. ख़ोख़ा ननना-बोग्ङना (भागना)
- खेओन कालोन पहें इकला हूँ ख़ोख़ा मल ननोन।

56. ख़न्न एख़ना-सुस्ताना (आराम करना)
- ख़ेस्स चेड़ते-चेड़ते चेतरस ख़डीदियस दरा एख़ नू ख़न्न एख़ा लगदस।

57. ख़ेक्खाता ओड़ा उढ़ियारना-हयकट मन्ना (ताजूब होना)
- एड़पा अंगलो एरर महतोस गही ख़ेखन्ता ओड़ा उढ़ियारा केरा।

58. ख़ेक्खा उइना-चोन्हा एदना (प्रेम रखना)
- बुधुस तंगआ घोड़ो मइङ्ग्या ख़ेक्खा उइयर खरा खुशमारआ लगियस।

59. ख़ेड्ड ख़ेक्खा पसरअना-खरा चिहुट नन्ना (अधिक प्रयास करना)
- नुकरी धरआ गे इन्नेला ख़ेड्ड-ख़ेक्खा पसरअना मनी।

60. ख़ेक्खा पसरअना-नेअना (माँगना)
- लुभहिर एकसआनुम हूँ ख़ेक्खन पसरआ गे मल लजनरनर।

61. ख़ेक्खा धरना-बेइज्जत नन्ना (बेइज्जत करना)
- नीन एंग्हय ख़ेक्खन एम्देरगे धरचकय, बिना बेन्जोरका मल अम्बोन।

62. ख़ेक्खा अम्बना-पसना/लवअना (मारना)
- मुक्कन मइंङ्ग्या ख़ेक्खा अम्बना दव मल्ली।

63. ख़ेक्खा दीघा नन्ना-ख़डना (चोरी करना)
- सोमरी बुधनी गही अउड़कन ख़ेक्खा दीघा ननर ओन्दरा।

64. ख़ोख़ा छमहे मन्ना-खुशामद नन्ना (खुशामद करना)
- ढिबा नेआ करने राजुस एंग्हय ख़ोख़ा छमहे मना हेल्लरस।

65. ख़न्न एरना-होआगे चुड़बुड़रना (लेने के इन्छुक)
- एंग्हय ओय नू निंग्हय ख़न्न लग्गिया केरा।

ग

1. गुल्ले चुर्रा-बग्गे मेल-जोल (अधिक मेल मिलाप)
- आलर गने बग्गे-गुल्ले चुर्रा मन्ना दव मल्ली।
2. गुतु-महकारना-मल दव महकारना (दुर्गंध)
- गरम ती गुतु महकारअी।
3. गल्ले पूख़तअना-रूसी मन्ना (रूठना)
- मेल्खो-मेल्खो नू गल्ले पूख़ा नक्खरनर दिम।
4. गुंड़ख़ी तिरख़ना-बेन्जरना (विवाह करना)
- इदनम रमिया गही गुंड़ख़ी तिरख़रा।
5. गोल्ल ख़न्न मन्ना-इरका ती हूँ मल इरका मन्ना (अनदेखी करना)
- इन्ना मंगरीद सरितन गोल्ल ख़न्न नन्जा।
6. गोहला अर्गअना-अंगियअना (कब्जा करना)
- जतरूस गही ख़ल्लन जोल्हर गोहला अर्गाचर।
7. गोच्चो खाँसरना-फिकिर नू मुलख़ना (चिन्ता में डूबना)
- जोलहस मैट्रिक नू फेल मंजस दरा गोच्चोन खाँसरआ लगदस।
8. गोहला उयु-कुक्को ख़ट्ट जन्म (लड़का पैदा होना)
- इन्ना एम्हय एड़पा नू गोहला उयुस बरचस।
9. गोला अड्डोन बीसर खंदरना-बेफिकिर मन्ना (बेफि होना)
10. गड्डका मुर्दन ओथरना-मोधरका कत्थन दोहड़अना (भूली हुई बातों को याद करना)-कला चिआ जाने दो गड्डका मुर्दन ओथरना दव मल्ली।
11. गिट्ठी हेअना-याद/ख्याल रखना (इयाद नन्ना)
- एकअम कत्थन गिट्ठी हेअर नलख नन्ना चही।

12. गल्लेन चर्रना-पया भईर चिल्लारना (जोर-जोर चिल्लाना)
- एन्देर मंज्जा जे गल्लेन चर्रना भेसे बआ लगदस?

60. / कुड्डुख़ बुझुर नखरना कुड्डुख़ बुझुर नखरना / 61

63. गल्लेन सड़तअना-चाड़ति बग्गे बअना (आवश्यकता से अधिक बोलना)-
बुधनिद एकसआनुम हूँ बग्गेम गल्लेन सड़डतअी ई कत्था दव मल्ली।

घ

1. धुन मन्ना/लगना-बुद्धि जुक्की मन्ते काना खोस्सना (बुद्धि घटना)
- एतवय एंवदा पढ़दस पहें आस गही कपड़े धुन लगा लगी।

2. घड़ी-घड़ी कोदय लस्सा-घड़ी-घड़ी नेअना (तुस्सना) (बार बार माँगना)-
खट्टर मिठाई गे घड़ी-घड़ी कोदय लस्सा मन्नर।

3. घोड़ों अर्गना-जुक्कीन बग्गे तेंग्गना (डींग हाँगना)
- मनुवस अक्कुगा अकय घोड़ो अर्गदस।

4. घोड़ो बेट्टना-ख़न्न नू रोगे बरना (आँख में बीमार होना)
- जेट्ठे घली खट्टर गही ख़न्न नू घोड़ो विट्टी।

5. घात लगाबअना-बेड़ा एरना (मौका देखना)
- घात लगाबअर नलख नन्नाति दव खंन्जपा खक्खरअी।

6. घांसी छोलना-बेकार नू बेड़ा कट्टतअना (बेकार का समय बिताना)
- लण्डुी आलर हुर्मी बेड़ा घांसी छोलनुम रअनर।

7. घाट-घाट ता अम्म ओन्ना-हुमीं अड्डाता कत्थन अख़ना (सभी जगह का अनुभवी)-नीन एंग्गन एन्देर खिसाबअदय, एन घाट-घाट ता अम्मन ओन्डकन रअदन।

8. घाँसिन मोख़ना-हारना काना (हार जाना)
- ऐंग्गदासिन अक्कु पोल्लोन बुझाबआ एन घांसी मोक्कन चिच्चकन।

9. घुंघही ख़न्न-टुकुर-टुकुर एरना (गौर से देखना)
- इन्नेला ता खट्टर टिबिन घुंघही ख़न्न लेखआ एरनर।

च

1. चलकी-केंतेर मूड़ानकखरना-कलहा-झगड़ा मन्ना (कलह होना)
   - मेत मुक्का नू गा चलकी केंतेर मूड़ा नकखरीईदिम।
2. चन्दो-बिल्ली रअना-हुर्मी उल्ला सुखे मल रअना (सभी दिन सुख नहीं होना)
   -नेकआगेम हुर्मी उल्ला चंदो बिल्ली मल रअी।
3. चिअना न होअना-एन्दरा हूँ चिअना न होअना (कोई लेन देन नहीं/ कोई संबंध नहीं)
   -एंग सइहा गुइया मल कालेन ढेरीम उल्ला ती ऐन्दरा हूँ चिअना न होना अम्बरा केरा।
4. चंपत मन्ना-बोंग्ना काना (भाग जाना)
   - अयंग् गही केबनाति मुंधेम चरवस चंपत मन्जस केरस।
5. चुल्लु भईर अम्म नूं मुलुख़ना/खेअना-संकट नू पड़ारना (संकट में पड़ना)
   -इन्नेला आलर बेक खतरी चुल्लु भईर अम्म नू खेआ लगनर।
6. चलकुर गही एड़पा कमना-कोहा कोहा तुंगुल एरना (बड़ी-बड़ी सपना देखना)
   -कीड़ा आलर गा रोज चलकुर गहीं एड़पा कमनर।
7. चिच्च नू धीव तुन्दना-भड़कअना (भड़काना)
   - छछेम रआ से नीन गा अउर चिच्च नू धीव तुन्दय।
8. चोरक धन मंदरक पइला-ख़डचका जिनीस (चोरी की गई वस्तु)
   - चोरक धन मंदरक पइला, एवंदा उल्ला रओ।
9. चिच्च नू झोलना/बस्सना-केबना (गाली देना)
   - रंथी तंग् मेल्खोन हुर्मी बेड़ा चिच्च नू झोलनुम रअी।
10. चडरा खिचड़ी ओन्ना-नीदिकूल मन्ना (खाली पेट)
   - इन्ना ख़ेस्स मल खइञ्ञा होर्मर चडरा खिचड़ी ओना।

11. चिच्च नू बेक सजना-दुक्खेन बढ़ाबअना (तकलीफ को बढ़ाना)
- आसगे गा दुक्खेम रअी अइज़्या फिन एन्देर गे चिच्च नू बेक सजदर हरो ?

12. चीरो अच्च चक्खना-मलदव मन्ना (बुराई होना)
- दव नलख नना खने जोक्क आलर गही ख़न्न नू चीरो अच्च चक्खी।

13. चरी किच्चना-नता छुटरना (नाता तोड़ना)
- एकअम आलरगे चरी किच्चना दव मल मनी।

14. चिच्च नू उम्बुलना मलदव नलखन ननना (बुरा काम करना)
- खट्टर छछेम मल रअनर दरा चिच्च नू उम्बुलनर।

15. चिगला गही, डहरेन खन्डना-मलदव मन्ना (अशुभ होना)
- चिगला डहरेन खंडिया इन्ना गा नलख मलदव मनो।

16. चाली अर्गना-लड़ई नन्ना (जान बूझकर लड़ाई करना)
- नेखअम गने चाली अर्गना दव मल्ली।

17. चोअना काना-खेअना काना (मर जाना)
- अज्जी इदनम चोचा केरा।

18. चोर्गना-बोंग्ना (भाग जाना)
- नलख पेसआ खनेम गंगुस चुर्गयस केरस।

19. चिच्च चिअना-मड़न ओलतअना/बस्सना (लाश जलाना)
- तम्वस केच्चस खन्ने कोहा तंगदस दिम चिच्च चिच्चस।

20. चिच्च होअना-जुक्की समई (क्षणिक समय)
- एन्देर गे बरचकय करमा चिच्च होअना भेसे काला लगदय।

21. चुरी लथना-कीड़ा लगना (भूख लगना)
- नलख नन्नते-नन्नते लोहाड़ी मंज्जा केरा अकु कूल नू चुरी लथआ लगी।

22. चूँ हूँ मल बअना-छछेम रअना (चुपचाप रहना)
- इवंदा मेख़दन पंहे एड़पन्तर ने हूँ चूँ मल बअनर।

23. चिच्च पोंयना-बग्गे ओरना (अधिक गर्मी पड़ना)
- जेट्ठ चन्दो नू चिच्च पुंइयी।

24. चिच्च उगलअना-बेढ़हा कत्था बअना (कठोर बात कहना)
- नेकआनुम चिच्च उगलअर बअना दव मल्ली।

25. चिच्च तइना-दुक्खे तइना (दुःख देना)
- एकअम आलरगे चिच्च तइना दव कत्था मल्ली।

26. चिच्च ओदना-मलदव नन्ना (बुराई करना)
-दव आलर-नेकआगेम चिच्च मल ओदनर।

27. चोतोर नन्ना-घड़ी-घड़ी काना, पड़गना (बार-बार जाना/शिकायत करना)
-इन्ना एन्देर नम्हय एड़पा नू चोतोर चोदना लेखा मना लगी।

28. चोक्खो मन्ना-कूटि मन्ना (किनारे होना)
- नलख पेसओय होले ख़ट्टर सेरेतले चोक्खो मन्नर।

29. चहचही रअना-अकय पत्तरना (खूब चाहना)
- सोमारी गे अख़डा वेचा गे अगम चहचही रअी।

30. चैपट नन्ना-नशा (नष्ट करना)
- मंगरस गही गोहमन किस्स मोक्खा दरा चैपट नंज्जा चिच्चा।

31. चैकारका रअना-सचेत रअना (सचेत रहना)
- मिलिटरीर डिप्टी ननो बीरि चैकारका रअनर।

32. चेहरा बिगड़अना-खोब पसना/लवअना (खूब मारना/पिटना)
- खलबरारिन लवचर दरा चेहरा बिगड़ाचर चिच्चर।

33. चेहरा एत्तना-मड़िखका मुंही (मुर्झाया चेहरा)
- अयंग् गही केच्चकाति बहुरस गही चेहरा इत्तिय्या केरा।

34. चसका लगना-लोभ लगना/एम्बा सारना (लोभ लगना)
- हरिस गे बचना नू खूब चसका लगा लग्गी।

35. चलती चलरना-मेच्छा परदना (उन्नति करना)

- करमस गही एन्नेला खूबेम चलती चलरआ लगी।

36. चुट्टी इजना-एलचना (डरना)

- लकड़ा गही होकडांरनाति आलर गही चुट्टी इलची काली।

37. चंदली खुटा धरना-सेयान मन्ना (बड़ा होना)

- इकलाति आस चंदनी खुटन धरचस अउलातिम एड़पा खुढ़रारा केरा।

38. चर्रना कड़िया-वकवास मन्ना (वकवास करना)

- काना मल्ला तो चर्रा-कड़िया लगदय।

39. चैड़ारना-जुक्की कत्थन बग्गे बअना (थोड़ी बातो को अधिक कहना)

- लंड्डी आलर एक्सआनुम चैड़ारनर।

छ

1. छुर्र मन्ना-बोंगना (भाग जाना)

- ख़लबर ख़डअर की दरा छुर्र मंज्जर केरर।

2. छक्का छोड़ाबअना-हयकट मन्ना (परेशान करना)

- लरका नू बुधू भगतस तेलंगारिन ~~छक्का~~ छोड़ाबाचस चिच्चस।

3. छती-ती खेंवचना-चोन्हा नन्ना (प्रेम करना)

- कीड़ारिन ख़ाँड़आ अम्बा छती ती ख़ेंवचा।

4. छुड्डी इन्जो लेखा डेगना-अकय खुशमरना (अत्यधिक खुश होना)

- कार्तिक बबुस गही कत्थन मेनर दरा आलर छुड्डी इन्जो लेखा डेगआ लगियर।

5. छिड्डा मल ओलना-हयकट मन्ना (परेशान होना)

- अक्कु करमस गहि छिड्डा मल ओला हेल्लरा।

ज

1. जता ख़ोटरना-हुर्मी उल्ला मल रअना (चिरस्थाई नहीं रहना)

- अवंदा उल्ला कोड़ेम पहें अक्कु निम्हय एन्देरगे जता ख़ोट्टरा।

2. जिया ता कस्सन ओथरना-दिलन साफ उइना (दिल साफ रखना)
- मेच्छा पर्दागे जियाता कस्सन ओथरना अकय चाड़ रअी।

3. जिया संतोख मन्ना-इच्छा पूरा मन्ना (इच्छापूर्ण होना)
- दव नलख मना खने जिया नू संतोखा बरअी।

4. जिया कालते-कालते बच्छरना-दुक्खे नू मन्ना (दुःख में रहना/होना)
- चमरूस गे मेढ़हो गने भिड़रना मन्जा खन्ने जिया कालते-कालते बच्छरा।

5. जिया मोख़ना-दिक-दिक नन्ना (तंग करना)

6. जियन एन्देरगे मोख़ा लगदय बाचकन गा चिच्चकन ढिबा मल्ला।
जियन बेचना-जियन मोह मल एरना (जीव को मोह नहीं देखना करना)
-जट्टस जियाती बेचर निंट्टका खाड़नू बोहारना अड्डोन ओत्थरस।

7. जियन लड़ाबअना-जियाति चिहुट नन्ना (प्रयास करना)
- जियन लड़ाबअर नन्नाति एका नलख जे मल नन्तारअी।

8. जियन गंवाबअना-खेअना (मरना)
- तम्बस केप्पस खने कूबि नू मुलख़र बोधनस तंगआ जियन गंवाबाचस।

9. जिया उच्छना-मन मल लग्गना (मन नही लगना)
- टूड़ना-वचना ती जिया उच्छिया होले कला गोहला उयके।

10. जिया नींदना-मया नींदना/दया उईना-(दया से जी भरना)
- दव कत्थाति जिया एंग्हय निंट्टया केरा।

11. जिया लग्गना-मन लग्गना (मन लगना)
- जिया लगबअर नलख ननर आरिम मेच्छा परदनर।

12. जिया ख़ोदख़ारना-उलाउला जिया ओलना (दिल का जलना)
- झिरनी अरा टुनस गही चोन्हन एरर चरिया गही जिया ख़ोदख़रआ लगी।

13. जिया पघलारना-दया/मया मन्ना (दयावान होना)
- तिम्बुर गहीं दशा एरर एंग्हय जिया पघलारअी काली।

14. जिया सन्नी मन्ना/नन्ना-दुक्खे मन्ना/नन्ना (दुःख होना)
- सन्नी लेकन कत्थन मेनर जियन सन्नी अम्बा नना ?

15. व जुझरना-लड़ना /भिड़रना (मुकाबला करना)
- टोड़ंग किस्सति जुझरना लकड़ा गे ओत्था (मंहगा) मनी।

16. जिया ससइत नू मन्ना-दुक्खे मन्ना (जीव संकट में पड़ना)
- ढेर उल्ला नू एंग्हय जिया ससइत नू मंज्जा।

17. जिया मोख़ना/ख़च्चना-दिक-दिक नन्ना (तंग करना)
- ओन्टा-ओन्टा ख़ट्टर अयोबबर गही जियन मोख़नर।

18. जिया सोढ़रना-तकलीफ मन्ना (तकलीफ में पड़ना)
- दुक्खेति मंगरस खरा सोढ़रआ लगदस।

19. जिया ओत्था मन्ना-जियन मोह मल उइना (मोह नहीं रखना)
- नेखय जिया ओत्था मंज्जा का माख़ा बीरी डहरे एकोर ?

20. जल्ली कमना-जोंख़ उईयर-बेगर ढिबम नलख ननतअना (अधिकार में रख कर काम कराना)
- चमरूम इन्नेला होर्मा जोंख़ारिन जल्ली कमआ लगदस।

21. जट्ठा कोलरना-भेद कोलरना (भेद खुलना)
- एकअम नुड़ओय उन्दुल मल उन्दुल जट्ठा कोलरोओदिम।

22. जिया नू पखनन कज्जतअना-सहना (सहनशील होना)
- जिया नू पखनन कतअना की उज्जामोख़ा लगदस।

23. जंगला भंग-भंगरना-इज्जत जुक्की मन्ना (इज्जत कम होना)
- तंगदा गही उदरारना ती तम्बस गही जंगला भंग भंगरा केरा।

24. जुदम खटना ओन्ना-जुदा मन्ना (अलग रहना/होना)
- इन्नाति मंगरूस कोहा भईसति जुदम खटदस।

25. जिया ओककना-चोन्हा मन्ना (प्रेम होना)
- जदिरा-बेचुनम-वेचनुम जयरामस गने सोमारी गही जिया उक्किया केरा।

26. जिया ओलना-उलाउलम दुक्खने सारना (अन्दर अन्दर ही तकलीफ उठाना)
- तंगदस गही केच्चकाति भोलस गही जिया उल्लिया केरा।

झ

1. झल्लरना-चिढ़ारना / चिड़ारना (चिढ़ जाना)
- लेंड़पोंया आलर कत्था-कत्था नुम बग्गे झलारनर कानर।

2. झुल झुलुरना-मुँही मड़खना (चेहरा उतरना)
- बीड़नाति सनियस गही बई-मंई झुल-झुलुरा केरा।

3. झनझनरना-बग्गे बअना (अधिक बोलना)
- एकअम मुक्कर इन्दरीइम कत्थानू विस्सिम झनझनरनर।

4. झलकारना दव एथरना, शोभना (अच्छा दिखना, श्रृंगार करना)
- दव-दव अत्तका पुंदुरका आलर झलकारआ हेलरनर।

5. झला फुला-अत्तका पुंदुरका (पहिनावा)
- करम अरा ख़ट्टी अंड़सी होले आलर झला-फुला मनर तंव बेचनर।

6. झरण्डा पड़की लेखा ढूरना-कत्था कमना (बात करना)
- झरा ओनर आलर झरण्डा पड़की लेखा ढूरआ होलरनर।

7. झोलना-केबना (गाली देना)
- नलख मल नन्जकय रअदय बरा इन्ना एड़पा अयो झोलओ।

8. झरिया ओलना-पट्टा नू फूट मन्ना (गाँव में फूट होना)
- तगआनू हेल्लेजोल्ले मल रआ खने झरिना ऊलिदिम।

9. झरना अम्मन अल्ला टाटना-खुक्खेदुक्खे नू बदलारना (सुख दुःख में बदलना)
- एतवस गही एड़पा ता आलर गही झरना अम्मन अल्ला टाटा लगी।

10. झोरगो करया-जोर मल्का आलर (कमजोर आदमी)
- टुनस इन्नेला झोरगो करया मंज्जस केरस।

ट

1. टाटना-मोख़ना चाटना-आस (आर) गुया लुभी तुरू टाटा केरस।
2. टपकारना-अंवधअम बरना (अचानक आना/उपस्थित होना)
   - एकसन रहचकय, उंगुड़नुम टपकारकय।
3. टकरारना-भिड़रना/बजड़ारना (मुकाबला/मुकबल करना)
   - लकड़ाति टकरारना माक गे ओत्था मनी।
4. टन बअना टन मन्ना-खेअना (मरना)
   - फौद नू जोक्क आलर लड़ते-लड़ते टन मन्नर कानर।
5. टस मस मल मन्ना-ओन गुसानुम रअना/हिलो डोलो मल मन्ना (स्थिर रहना)
   - कोहा-कोहा पखनन तुक्कोय अन्नु हूं टस मस मल मनी।
6. टंगरी अड़ाबअना-दखल नन्ना (दखल करना)
   - एरा भई एंग्हय नलख नूं टंगरी अम्बा अड़ाबआ मला होले लओन दरा टंगरी एसओन चिओन।
7. टाल मटोल नन्ना-बहना नन्ना (बहाना करना)
   - हिन्दी राजी (कत्था) भखा गच्छरका गे जोक्क आलर टाल मटोल नन्नर।
8. टकुवाति दगना-किर्रा बिड़दा दुक्खे मल सहना (दुबारा हानि नहीं सहना)
   -अक्कु एन ख़डीदकन, टकुवाति अम्बा दगआ।
9. टाट उल्टारना-दिवाला मन्ना (दिवाला होना)
   - इन्नेला जतरूस गही टाट उल्टरा केरा।
10. टटख़ा इन्जो मेसरना-मल मन्ना नलख मन्ना (असम्भव कार्य होना)
    - एन हयकट मंज्कन केरकन ऐन्देर गे का टटख़ा इन्जो मेस्सरा केरा।
11. टंगरा ती अम्म पझरारना-दव बेड़ा बरना (अच्छा अवसर आना)
    - एकअम मला एकअम उल्ला आलर गे टंगरन ती अम्म पझरारओ दिम।

12. टंगरन जब्बना-बेकार नलख नन्ना (बेकार का काम करना)
- लण्डी आलर एकअम बीरी टंगरन जब्बनर।

13. टंगरा नू मांसी चाँख़ना-धन खुर्जीन चीज वस्तुन नाश नन्ना (धन को बर्बाद करना)
- एन्देर न मल बुझुरदय टंगरा नू मांसी चॉख़ना दव कत्था मल्ली।

14. टिहरा नन्ना लगाबअना-शुरू नन्ना (शुरूआत करना)
- जोक्क आलर नलखन टिहरा नन्न एरनर।

15. टकआ-टोकए मन्ना/नन्ना-गुनहा (गुनाह करना)
- आसीम गा मुंध टकआ-टोकए नन्जस।

ठ

1. ठिंग न ठोस्स मल मन्ना-चाल मल मन्ना (कुछ भी बात नहीं करना)
- एन्देर मन्जा जे, निंग सेडो ठिंग न ठोस्स मल मनी।

2. ठंकु टंगना-वेन्जरना (विवाह बंधन में बधना)
- जुरा सीन अक्कु ठंकु टंगओत चिओत।

3. ठरकी टंगरना-अयो बनना (माँ बनना)
- एंग नासगो ठरकी टंगरा।

4. ठेपो एदना/कोहा अंगलीन एदना-धोखा चिअना (धोखा देना)
- नुकरी चीतओन बअर ढिबा होअनर दर ठेपो एदनर दरा बोंग्नर कानर।

5. ठंग ठुगंमबअना-लवअना (मारना)
- पट्टियर ख़लबारिन खुबेम ठंग्ङ ठुगंमबाचर।

6. ठंढा मन्ना/ठंढारना-खींस मुंज्जरना (क्रोध कम होना)
- अकय समझाचकाति मंगरस ठंढा मंज्जस।

7. ठोकर मोखना-बेगर बुझुरअर/बुझरअर नलख नन्ना (भूल करना)
- कई खेंवंग/खेवंग नीन ठोकर मोख़ा लगदय अन्नु हूँ मल चेतारदय।

ढ

1. ढिंक्की लेखा नंरगना-निचोत खन्दरना (बेफ़िक सोना)
2. -इन्नेला ता बचउ कुक्कोर ओना-ओना ढिंक्की लेखा नंरगनर।
3. ढकना कोलोरना-बुद्धि बरना (ज्ञान होना)
   - इन्नेला गा एंग्गदस गे ढकना कोलोरआ लगी।
4. ढोढरोन्ता नेर्र-नूख़रका दुश्मनर (छुपा हुआ दुश्मन)
   - दवले एरा-एरा डहरे एकना चही ढोढरोन्ता नेर्र पछड़आ टकओ।
5. ढक मन्ना-उंक्खना (नशा में चूर)
   - ख़ट्ट जोख़र हुर्मी बीरी ढक रअनर।
6. ढिलंग मन्ना-पयहा मन्ना (कमजोर होना)
   - एन पकम ढीलंग मन्जकन केरकन।
7. ढनकारना-कीड़ा लगना (भूख से तिलमिलाना)
   - उडुंग जुनु ओण्डका मन्ज्जकी रअी अन्नु हूँ ढनकारआ लगदय।

त

1. तुनआ काना-दुरा-दुरा कुट्टना (दरवाजा-दरवाजा घुमना)
   - बंधनासिन एवंदअम बओय पंहे तुनआ कानन मलम अम्बदस।
2. ताका तरा अंगलना-गरीब मन्ना (गरीब होना)
   - एन्देर ननोस जौरस ताका तरा अंगलकस रअस।
3. ताकाति कच्छनखरना-कोहा-कोहा कत्था कमना (बड़ी-बड़ी बातें करना)
   - जयरामस गा इन्नेला ताका ती कच्छनखरदस।
4. तेताली अतख़ा नू ख़ट्टना-जुक्की-जुक्की ख़टना (कम-कम परिमाण में बाँटना)
   - इन्जो धरआ केरकम मल ख़क्खरा खने तेताली अतख़ा नू खट्टदम।
5. ततख़न परमना-हयकट मन्ना (ताजुब होना)

- सोमारी तंग बयनास गने एवंसरा खन्ने ततख़न परमरा केरा।

6. ताघरना-उलय चलय मन्ना (अत्यधिक इतराना-घमण्ड)
- कुक्कोय ख़ट्टर गही उलय चलय मन्ना दव मल्ली।
70 ध् कुडुख़ बुझुर नखरना कुडुख़ बुझुर नखरना ध् 71

7. तंगियो-तम्बर गही बेन्जा एरना-जिया ती मोल होअना (जिन्दगी से खेलना)
- ए-हो मन्न मइते एत्ता मखले निंगयो निम्वस गही बेन्जा एरा चला कालोय।

8. तुरदो-बिरदो-चुगली नन्ना (चुगल खोर)
- बुधनीद एकअम गुट्टा कत्थन तुरदो-बिरदो ननीदिम।

9. ताँतरति दगना-दुबारा नुकसान नन्ना (दुबारा हानि पहुँचाना)
- निम्हय एड़पा खुटअर उइया एम्हय खेतीन तांतरति दगअी।

10. तीना-डेब्बा मन्ना-नख़रते एकना (छुपते-छुपते रास्ता चलना)
- नेकन इलचदी जे तीना-डेब्बा मन्दी।

11. तोयना-बग्गे कच्छनखरना (अधिक बोलना)
- इन्दरीइम कत्था नू छुलकुस खरा तोयदस।

12. तीन ती तेरह कमना-बग्गे फायदा चोदना (अधिक फायदा उठाना)
- किचरी बीसुर तीन ति तेरह कमनर।

13. ताक नू रअना-बेड़ा एरना (समय देखना)
- तालाश में रहना बचउन हुर्मी बेड़ा नुकरी घी ता नू रअनर।

14. तुप्पना-मल गच्छरना/घीनारन (धिकारना)
- अरजका खुर्जीन मूखु आलारिन होर्मर तुप्पनर।

15. तिंगली खेदना-छछेम उक्का रअना (चुपचाप बैठे रहना)
- बिंड़पुत्ता तिंगली खेदनाति निंग्हय उल्ला मला कालो।

थ

1. थाहना-पता लगाबअना (पता लगाना)
- लूरगरियर गही थहलगाबअना ओंटा कोहा कत्था तली।

2. थू-थू नन्ना-खाँड़ना (घृणा करना)
- अर्जका खुर्जीन मूखु आलारिन थू-थू नन्नर।

3. थू-थू-नन्ना-मल मेन्ना (धिक्कारना)
   - लंडी आलारिन खोंड़हाता होर्मा आलर थू-थू नन्नर।
4. थोथोड़-बोथोड़ बअना-सही मल कच्छनखरना (स्पष्ट नहीं बोलना)
   - एन्दरन का झरा-अरखी ओण्डका लेखा थोथोड़-बोथोइ बअदय।

द

1. दरियाप नन्ना-विचार नन्ना (विचार करना)
   - एकअम नलखन दरियाप ननर नन्नाति दव मनी।
2. दंग रअना-हयकट मन्ना (ताजुब होना)
   - गाँधीस गही नलखनए-रर होर्मा आलर दंग रइह केरर।
3. दम होअना-ख़न्न एख़ना/सुस्तारना (आराम जरना)
   - इवंदा नलख बढरा केरा का दम होआ गे बेड़ा मल ख़क्खरअी।
4. दाली मल बिअना-इच्छा पूरा मल मन्ना (इच्छा की पूर्ति नहीं होना)
   - इसन निंग्हय दाली मल बिओ।
5. दना-पनी चोअना-उज्जना ओक्कना नाश मन्ना (जीविकोपार्जन बर्बाद होना)
   - ई वचकुड़याति आस गहि दना-पनी चोचा केरा।
6. दाली मण्डी अख़ना-नेब्बा अख़ना (हल्का समझना)
   - बिड़नन अगर दाली-मण्डी अख़दय होले ईद निंग्हय भूल तली।

न

1. निजड़ना-होश मन्ना (होश में आना)
   - निंगयो को देवड़ा-केच्चा दरा केरा अन्नु हूँ नीन मल निजिड़दय।
2. निंगयो, निम्बस गही बेन्जा ए-रना-कालति खेअना (दुर्घटना से मौत होना) (तंगियो तम्बस गही बेन्जा ए-रना)
   - बुधनी मन्नति खत्तरा दरा तंगियो-तम्बस गही बेन्जा ईरिया।
3. नन्नर गही कुम्मका मण्डी ओन्ना-एड़पाति बहरी उज्जना (घर से बाहर का जीवन)

- कीड़ा आलर गे नन्नर गही कुम्मका मण्डी ओन्ना मनी।

4. नन्ना मुक्कर गही चिर्खी चोदना-बिड़दो डहरेति ओत्था एख़ मन्ना। (व्यभिचार से गर्भवती होना)

कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना नन्ना मुक्कर गही चिर्खी चोदना जदुस गे हाड़ि कालर अकय ओत्था मंज्जा।

5. निजिड़का रअना-चेत नू रअना (सचेत रहना)

- मुदईर ति निजिड़कम रअना दव मनी।

6. निरदंद रअना-निफिकिर रअना (चिन्ता मुक्त रहना)

- एड़पा उर्बस गही निरदंद रअना करने जोख़स आलोन होकर किर्रिम विच्चयस।

7. नरंगना-नलख मल नना अरा निफिकिर खंदरना (काम नहीं करना और खूब सोना)

- एन्देरना का नलख मलका लेखा किस्स लेखआ नरंगका रअदय।

8. नरी धरना-हुर्मी कत्थन पता लगावअना (सभी बातों का पता लगाना)

- भगतर अरा डाक्टारेर नरी धरआ, खनेम हुर्मी कत्थन अख़नर कानर।

9. नूतु-मूख़ु-ख़डना (चोरी करना/चापलूस)

- ओन्टा-ओन्टा अल्ला खुबेग नूतु-मूख़ु मनी।

10. नाख़आ मल चिअना-फुर्सत मल चिअना (फुर्सत नहीं देना)

- एंगदस ओंगहोन-ओंगहोन नाँख़आ मल चिअदस।

11. नेब्बना-जुक्की (हल्का)-हुर्मी नलख नेब्बा मल मनी।

प

1. पछरी गहि हूँ खेबदा मनी-गुद्दी कत्थन कच्छनखरना (गुप्त बातों को बोलना)

- एकअम कत्थन हुरमी गुसन मल कच्छरखरनर पछरी गहि हूँ ख़ेबदा मनी।

2. पूंप खतरना-रण्डी मन्ना (विधवा होना)
   - मेतर गहि केच्चका ती मुक्कर गहि पूंप खतरअी काली।
3. पोक मल खेअना-धीरे-धीरे एकना (धीमी चाल)
   - चाँड़े-चाँड़े बरा से पोक मल खेअना लेखा बरदय।
4. पल्ल एदना-अलखना (हंसी करना)
   - नेकआनिम तंगआ दव गे बओय होले पल्ल एदनर चिअनर।
5. पिटरी नू सटरना-नड़ी ती चोआ पोलना (कमजोर होना)
   - आलर दुक्खे मनी होले पिटरी नू सटरनर कानर।
6. पच्चा पीक ओत्थरना-खेअना गूटि लअना (मार डालना)
   - पुलिसर तेंलगा रिन पसनर दरा पच्चा पीक ओत्थनर चिअनर।
7. पोट्टा बीनना-दिकदिक नन्ना (अधिक खर्च में डालना)
   - ख़ट्टर मल दव डहरे नू एकनर होले बंगस घी पोट्टा बीनना नन्नर चिअनर।
8. पच्चा पीक उर्खना-हयकट मन्ना (परेशान होना)
   - नलख ननते-ननते बुधवस गहि पच्चा पीक उर्खा केरा।
9. पन्नन पन्नादिम खन्डी-संग्गे ता झगड़ा बग्गे मनी (आपस में फूट भयंकर होती है)
   - इदिन गा होर्मारिम अख़नर का पन्नन-पन्नादिम खन्डी।
10. पल्ल असरना-पईया लग्गना (जाड़ा से काँपना)
    - पईया उल्ला नू किचरी मल रअी खने आलर गहि पल्ल असरी काली।
11. पल्ल चबरना-खिंसारना (गुस्साना)
    - एतवस बुधवासिन एरदस की पल्लन चबरआ हेल्लरदस।
12. पाही नन्ना-बेन्जा गहि नेग चालो (विवाह, लगन-पान)
    - बुधनी तंगियो चाँडे ननय पाही नना कालोत।
13. पट्टा चोदना-महदनियां गहि बिगड़ारना (देवी-देवता का जागना)
    - माख़ा बीरी खूड़ी-खूड़ी/ खूरी-खूरी अम्बा कुट्टा पट्टा चोचकी रअी।

14. पंग्गे नना-नना एरना-उलाति दव लेकन एरना (अच्छी तरह से देखना)
- कार्तिक बबुस तंगआ खोंड़हन पंग्गे नना-नना एरना गहि चिहुट नंज्जकस रहचस।

15. पंग्गे मन्ना-साफ मन्ना (साफ होना)
- मेख़ा नू बदाली पंग्गे मंज्जा केरा।

16. पगड़ी उइना/इज्जत उइना (इज्जत रखना)
- बंस गहि पगड़ी उइना अकय चाड़ रअी।

17. पगड़ी किङ्ग्या मन्ना-इज्जत मल खक्खरना (अनादर करना)
- नेखअयम पगड़ीन किङ्ग्या नन्ना दव कत्था मल्ली।

18. पिण्ड छुटरना-पिछा अम्बना (पिछा छोड़ना)
- बड़ा मुश्किल ती आ नादस गने एंग्हय पिण्ड छुट्टरा।

19. परता कज्जना-दुक्खे बरना (दुख आना)
- ख़ददस गहि मुन्जुरका ती तंगियो मइया परता कज्जरा।

20. पादा काना-गंहड़ी गूटि ओक्कना (देर तक बैठना)
- निंग्गन ती बाज रअदन एकसन कादय असानुम पादा-चईल काली।

21. पलड़ा बग्गे मन्ना-पच्छ बग्गे (भारी मत होना)
- जब निंगहा पलड़ा बग्गे रअी तो एन्देर फिकिर।

22. पखनन चबना-कोहा नलख नन्ना (बड़ा काम करना)
- बेगर ख़न्न ईख़का नलख ननते रअना पखनन चबना दिम तली।

23. पंयच-पुंइच मन्ना-नलख ती बोंगना (काम से भागना)
- सुकरस नलख ती पंचय-पुंइच मंज्जकस कुट्टस।

24. पितपितिरना-परेशान / हयकट मन्ना (परेशान होना)
- नलख मलम मनी खने मंगरस अकय पितपितिरदस।

25. पोल कोल्लना-मानी कत्था मुंधमारे बरना (सही बात प्रकट होना)
- पोल कोल्लते देवड़स बोंगस केरस।

फ

1. फुसरी लेखा कत्थन कोहा कमना-सन्नी कत्थन कोहा कमना (छोटी बात को जटिल बनाना)

   -बुधनी तंग एरखो घी फुसरी लेखा कत्थन कोहा ननर दरा बझाबअी।

ब

1. बई नू अम्म पझरारना-लोभ बरना/मन्ना (लोभ करना/आना)

   - तेतालिन एरा खनेम बई नू अम्म पझरारअी काली।

2. बऊसा मल चलरना-उपाय मल एत्थेरना (उपाय नहीं दिखना)

   - बरंडो बारी नेखअय हूँ बऊसा मल चलरअी।

3. बिल्ली दगअर बेट्टना-दवलेकन एरना (ठीक से देखना)

   - इन्दरइम आलोन बिल्ली दगअर बेट्टना दव मनी।

4. बिल्ली पेंट्टा ऊख़ा-मुंधमारे ता आलो मल एत्थेरना (नजदीक की वस्तु नहीं देखना)

   - बिल्ली पेंट्टा नूम रअी पहें हूस गे मल इत्थरअी।

5. बिक्खी उगलअना-कोहा कत्था बअना (बड़ी बात कहना)

   - एन्देरगे बिक्खी उगलआ लगदय जे बअना रअी से बआ।

6. बई-मुंई कोस्से नन्ना-खाँड़ना (घृणा करना)

   - कीड़ारिन एरर बई-मुंई कोस्से नन्ना दव कत्थ मल्ली।

7. बिल्ली दगअर बेट्टना-तंव बेट्टना (खूब खोजना)

   - निंग लेखा आलारिन बिल्ली दगअर बेट्टना ती हूँ मल खक्खरोओर।

8. बदाली कुल्लना-दुक्खे बरना (दुःख आना)

   - तंग्हय आलस गहि मुंजुरकान्ति मइङ्ग्या बदाली कुल्लिया चिच्चा।

9. बाजी लवअना-जीतना (हासिल करना)

   - अबकीता वोट नू जनता पार्टी बाजी लवचा।

10. बीड़ा चोदना-मनति ठनना (मन से ठानना)
- झारखण्ड सरकार कीड़न तरकूटि नना खतरी बीड़ा चोदकी रअी।

11. बई-एरना-सहड़ागे आसे नन्ना (सहायता के लिए आशा देखना)
- हुर्मी बेड़ा नन्नर गहि बई ए-रना दव मल्ली।

12. बई नुड़ना-कच्छनखरआ गे एलेचना (बोलने से डरना)
- एकअम कत्था नू बई नुड़नाति खींस लग्गी।

13. बण्डी ख़ेर हूँ मलका-अकय कीड़ा (बहुत गरीब)
- सोमरस गुया बंडी ख़ेर हूँ मल्ला।

14. बग्गे मेन्ना-बहिरा (बहरा)
- बुधवस पुरहेस बग्गे मेंट्टस एन्देर।

15. बेक बीसना-खेअना (मरना)
- साधुस चाँड़ेम बेक बीसा चइल केरस।

16. बीनिरना-बग्गे-ति-बग्गें परेशान मन्ना (अधिक परेशान होना)
- नलख मल मन्नाति आलर बीनिरनर कानर।

17. बड़ही लेखा बोंगना-चाँड़ेम मुंजुरना (जल्दी समाप्त होना)
- धेयान मल चिअनाति धन बड़ही लेखा भुंग्गी काली।

18. बईयन पूख़तअना-रूसी मन्ना (रूठना)
- केबा खने मुक्कन बईयन पुख़तअनर चिअनर।

19. बईयन ख़रख़अना-केबना, दव मलदव बअना (भला बुरा कहना)
- नलख मल नन्ना गे सुगनी तंगियो भला बईयन खरखआ लगी।

20. बईयन मोख़ारो नन्ना-बेइज्जत मन्ना (बेइज्जत होना)
- आलर गहि मझही एंन्देर जे आस गहि बइन मोख़ारो नना लगदय।

21. बई टट्ठी मन्ना-उदास मन्ना (उदास होना)
- अड्डो एबेसरा खने उर्बस गहि बई टट्ठी मंज्जा केरा।

22. बई लग्गना-मलदव, भाखा लग्गना (बुरा प्रभाव पड़ना)
- नोल, कोंहड़ा बई लइक्कार्ति ओटा हूँ मल खंज्जा।

23. बेख़्रा ख़न्न-चाँड़े एरना (तेज देखना)
- एन्दरआनुम ख़ट्टर बेख़्रा ख़न्न लेखा एरनर।

24. बिल्ली तेभेरना-खेअना (मरना)
- ओंद उल्ला होर्मर गही बिल्ली तेभरोओ दिम।

25. बई अलंगना-चींखना (रोना)
- कीड़ा लग्गी होले बोलो खट्टर बईयन अंगलअनर चिअनर।

26. बिड़दो खोल्लाति मुण्डुना-मूर्ख कमना (मूर्ख बनाना)
- ख़लबर सिपाहीरिन बिड़दो ख़ोल्लाति मुण्डुनर।

27. बिडिरका नेर्रन तकना-हयकट मन्ना (परेशान होना)
- दव नलख मनो बीरि बिडिरका नेर्रन मल तकनर।

28. बण्डो बर्खना़-नलख मल मन्ना (काम न होना)
- सोमरस आलारीन एकला बअदस तंग्हय गा बंडो बख़्रा लगी।

29. बेर्खा लथना-ने हूँ मल पुछनर (कोई पूछ नहीं)
- नलख मल नन्ज्जका ती बेख़्रा लथअी।

30. बालका मेद मन्ना-बेन्जोरना (विवाह होना)
- सोमारी गहि इदना बालका मेद मंज्जा केरा।

म

1. मया नू गया मन्ना-घोखचका नलख मल मन्ना (सोचा हुआ काम न होना)
- मंगरस गहि नलख मया नू गया मंज्जा केरा।

2. मुर्रना-चाड़ना-नीदिम खिंसारना (अकारण क्रोध होना)
- नेकआनिम अयंधअम मल मुर्रना-चाड़ना मनी।

3. मोछन अइंठअना-घमण्ड उइना (शान रखना)
- इदना खेस्स मंज्जा खने बहुरस मोछन अइंठआ लगदस।

4. मूख़ा घी मल चींख़ना-एन्दरा हूँ मल सड्डना (सुनसान, बीरान)

- ऊख़ा माख़ा नू मूख़ा हूँ मल चींख़ी अवंगे खरा इलिचका लग्गी।

5. मेतर गही कत्था पखना लेखा मनी-(कत्था मल चोअना)-(पुरूष की बात अटल होती है)

- इकलअम हूँ मेत्तर गही कत्था पखना लेखा मनी।

6. मंड्डी अमख़ी ती काना-खोंड़हाती बहरी / कूटि मन्ना (कुटुम्ब से बाहर होना)

- बुधनी सोतबोड़आ मंज्जा खने पट्टान्ता आलर अदि गही मन्डी अमख़ी ती चइल केरर।

7. मेच्छा मेन्ना-जुक्की मेन्ना (कम सुनाई देना)

- चोगेस पच्चियस खने अक्कु बिस्सिम मेच्छा मेंट्टस।

8. मेख़ाता बीनकोन ओंदरना-कोहा नलख नन्ना (कठिन काम करना)

- पोलना नलखन नन्ना चिअना मेख़ा ता बीनकोन ओंदरना तली।

9. मरचम रअना-कुंवारा/कुंवारी रअना (कुंवारा रहना)

- नेख़अय दिम कत्था मल लग्गी होल्ले मरमच रअना मनी।

10. मोख़ारो मुंही मन्ना-दुक्खे मन्ना (दुख होना)

- अयंग गहि केच्चकाति सुकरो गहि मुंही मोख़ारो मंज्जा केरा।

11. मनेन ख़डना-मोहना (आकर्षित करना)

- कुकोएर-कुक्कोर गहि मन्नेन ख़डनर चिअनर।

12. मड़िखका मुंही-दुक्खे ती निंट्टका (दुःख से भरा)

- एन्देरा मंज्जा जे इन्ना नीन मड़िख़का मुंही एत्थरआ लगदय।

13. मेट्टो खुपाबअना-धोखना (सोचना)

- ई नलखन नना गे जोक्क मेट्टोन खुपाबअना चाड़ रअी।

14. मुंई खंडरना-बदनाम मन्ना (बदनाम होना)

- निंग्हय बिड़दो नलखति खोंड़हा नू एंग्हय मुंई खंड्डरा केरा।

15. मेद नू लटख़ना-सहड़ा मन्ना (सहायक होना)

- धर्मेसिन अम्बर अक्कु एंग्हय मेद नू लटख़ना ने हूँ मल्लर।

16. महुरा उगलअना-बेड़हा कत्था बअना (कड़ी बात कहना)

- एन्ने एन्देर महुरा उगलआ लगदय, जे बअना रअी बई नू बआ।

17. मेदन कप्पना-साबासी चिअना (साबासी देना)

- मेदन मल कप्पना होले ई कोहा नलख संग्गे ती मल मनो पहें।

18. मजा चखाबअना-डण्डे चिअना (दंडित करना)

- चिगला थलही नू कोरअर पेटेन खूब मजा चखा बाचा।

19. मोछ नू ताव चिअना-धमण्ड नन्ना (घमण्ड करना)

- मंत्री बनआ खने जोक्क आलर मोछ नू ताव चिअनर।

5

कुँडुख़ लोकोक्तियाँ

(बंको कत्था, कहावतें)

लोकोक्तियों का संसार अत्यंत प्राचीन है। इनका उद्गम प्रागैतिहासिक माना जाता है। दुनिया की शायद ही कोई भाषा हो जिसमें लोकोक्तियों का प्रयोग न हुआ हो। सांसारिक व्यवहार-पटुता और सामान्य बुद्धि का जैसा दर्शन लोकोक्तियों में मिलता है, वैसा अन्यत्रा दुर्लभ है। लोकोक्तियाँ मानव-स्वभाव और आचरण-कौशल के रूप में प्रचलित और वर्त्तमान पीढ़ी को पूर्वजों से उत्तराधिकार के रूप में प्रतिष्ठित होती हैं। पथ-प्रदर्शन की दृष्टि से भी उनकी उपादेयता सहज ही समझ में आ सकती है। क्या घर, क्या बाहर प्रायः जीवन के प्रत्येक क्षेत्रा में उद्बोधन और चेतावनी के रूप में चिरकाल से लोकोक्तियाँ उपयोगी सिद्ध होती रहती हैं। 'समाज में मनुष्य किस तरह से व्यवहार करे जिससे लोक-जीवन के साथ-साथ उनका व्यक्तिगत जीवन भी सुखमय हो सके, इसका निर्देश प्रचलित लोकोक्तियों में साधारणतः मिल जाता है। सामान्यतः मनुष्य कुछ खोकर सीखता है किंतु वही शिक्षा उसे अगर लोकोक्तियों के रूप में सुलभ हो जाय तो वह बहुत से कंटकाकीर्ण पथों से अपनी रक्षा कर सकता है। 'लोकोक्ति' संस्कृत के दो पदों के योग से निर्मित गुण-संधि पर आश्रित एक सामासिक पद रचना है। 'लोक' और 'उक्ति' का सामान्यार्थ 'जनता-जनार्दन की उक्ति' से है। हिन्दी में इसका पर्यायवाची शब्द 'कहावत' है जो 'कहना' क्रिया से उद्भूत है। डॉ० श्रीराम शर्मा के अनुसार, 'व्यक्ति की उक्ति लोक की उक्ति बन जाती है, कहावत का रूप धारण कर लेती है। सभी व्यक्तियों द्वारा कही गई बात या लोक की उक्ति ही 'लोकोक्ति' की श्रेणी में नहीं आतीं बल्कि वे प्रचलित उक्तियाँ ही जो किसी घटना विशेष, परिस्थिति विशेष प्रसंग के संदर्भ में अनायास ही निःसृत हो पड़ती हैं। यह लोकमानस में इस तरह बैठ

जाती है कि लोग उसे अनुभवजन्य ज्ञान-राशि मान लेते हैं। प्रारम्भ में भले ही ये व्यक्तिगत अनुभव से जन्म लेती हैं परंतु बाद में सार्वजनिन विषयवस्तु एवम् स्वरूप के कारण लोकसामान्य द्वारा स्वीकृत होकर 'लोकोक्ति' के पद पर आसीन हो जाती हैं। चूँकि लोक में व्यक्ति की अनुभूति निजी न होकर लोकव्यापी अर्थात् कथन के रूप में प्रवचन-बतौर समाद्त होती है। इसी आधार पर यह लोकसुभाषित भी कही जाती है। 'भाषित' शब्द में सु-उपसर्ग की जा सकती है। संस्कृत में यह ''श्लोक'' है लेकिन लोकजीवन में यह 'लोक' है। ''लोकोक्ति'' को सामान्यतः ''कहावत'' के रूप में भी संबोधित किया जाता है। प्राकृत व्याकरण के अनुसार, 'थ' का 'ह' हो जाता है। अर्थात् कहावत उसे कहते हैं जिसके मूल में कथा हो। लोकोक्ति को लोकसाहित्य की उपेक्षणीय विधा मानकर इसे प्रकीर्ण साहित्य भी कहा जाता है जिसके अंतर्गत कहावतें, मुहावरे एवम् पहेलियों को स्थान दिया गया है। इनकी निकटता एवम् संबद्धता को देखते हुए इन्हें प्रकीर्ण लोकसाहित्य के वर्ग में रखा गया है। संस्कृत के विशेषण शब्द 'प्रकीर्ण' का शाब्दिक अर्थ मिश्रित, अस्त-व्यस्त किया हुआ, परिशिष्ट, फुटकल है।5 लोकोक्ति को प्रकीर्ण साहित्य कहकर उसे महत्वहीन मानना इसलिए संकुचित दृष्टि है क्योंकि लोकोक्तियाँ सभी लोकविधाओं को समृद्धि (और सौन्दर्य प्रदान करने के लिए प्रयुक्त होती हैं। इसके बाद भी इसका स्वतंत्रा अस्तित्व है, पृथक् व्यक्तित्व है।

लोकोक्ति लोक-अनुभव का निचोड़ है। इसमें जीवन के सभी रस-रंग, सुख-दुख, हर्ष-विषाद, आचार-विचार, रीति-रिवाज, प्रथा-परम्परा तथा लोकजीवन की सम्पूर्ण अभिव्यंजना शामिल है। लोकोक्तियों में बोझिलता या कृत्रिमता का कोई स्थान नहीं है। यह लोकानुभव की अभिव्यक्ति की सरलता, सहजता, स्वाभाविकता और मार्मिकता को प्रकट करती है। इसलिए इन्हें लोकसाहित्य की आत्मा के नाम से भी अभिहित किया जाता है। जिन अनुभूत सत्यों का साक्षात्कार लोकमानस समकालीनता में उकेरता है, उनका सम्पूर्ण सार लोकोक्तियों में स्पंदित होता है। चिरसंचित अनुभव, विस्मृत ज्ञान-राशि का सूत्राब(-संक्षिप्त प्रकाशन लोकोक्तियों में 'बंद में समुद्र' के समान नीति, शिक्षा, अध्यात्म, दर्शन आदि ज्ञान-राशि एवम् जाति के व्यापक नियम-सिद्धांत, आचार-विचार, समावेशित

रहते हैं। डॉ0 शशिशेखर तिवारी का कथन उचित प्रतीत होता है, 'लोकोक्ति समाज की सृष्टि नहीं, समाज की पथ-प्रदर्शिका भी होती है। ये लोकोक्तियाँ समष्टि के अनुभव की होशियार बेटियाँ होती हैं, जो गतिशील जीवन के विविध अवसरों पर मुखर होकर कल्याण-मार्ग का उद्घाटन और विवेचन करती हैं। ये प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जीवन के आदर्श मार्गों के निर्माण-निर्देशन में सक्रिय योग प्रदान करती हैं। सामान्य जनता शास्त्रों के जटिल और सूक्ष्म ज्ञान से अनभिज्ञ होती है किन्तु उसे लोकोक्ति के रूप में जीवन और जगत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो जाता है। जनसामान्य की दृष्टि में लोकोक्तियाँ वेद और ब्रह्मा की तरह स्वतः प्रमाण होती हैं। कथन की पुष्टि में शिक्षा या चेतावनी देने के उद्देश्य से किसी बात को किसी की ओट में कहने के अभिप्रय से अथवा उपालम्भ देने और व्यंग्य के लिए स्वतंत्रा अर्थ रखने वाली जिस लोकप्रचलित तथा सामान्य सारगर्भित, संक्षिप्त तथा चटपटी उक्ति का लोक ायोग करते हैं, उसे लोकोक्ति का नाम दिया जा सकता है। मानविकी पारिभाषित कोश के अनुसार, 'लोकोक्ति लोकसाहित्य का एक सूत्रात्मक स्वरूप है जिसमें सामान्य अनुभव के अनुसार जीवन की आलोचना होती है। लोकमान्य की अभिव्यंजना होने के नाते इसमें प्रचलित मनोवृतियों की परछाई मिलती हैं। आंग्ल भाषा के नवीन बेवस्टर विश्वकोशीय शब्द-कोश में 'कहावत' को स्पष्ट करते हुए लिखा गया है, 'सत्य एवम् अनुभव-सिद्ध प्रमुख वाक्य संक्षिप्त तथा प्रभावशाली सत्य की अभिव्यक्ति, बौद्धिक कथन, दृष्टांत, कहावत एक प्रकार का नाटकीय आलेख जिसके कथानक को आधारस्वरूप कुछ कहावतें या प्रचलित कथन लिया गया हो तथा जिसमें शब्द द्वारा फटकार या घृणा का उद्देश्य सन्निहित हो। वासुदेव शरण अग्रवाल ने लोकोक्ति की निम्नलिखित व्याख्या प्रस्तुत की है, 'लोकोक्तियाँ मनोविज्ञान के चोखे और चुभते हुए सूत्रा हैं। अनंतकाल तक धातुओं को तपाकर सूर्य-रश्मि नाना के रत्नों-उपरत्नों का निर्माण करती है जिनका आलोक सदा छिटकता रहता है। उसी प्रकार लोकोक्तियाँ मानवीय ज्ञान के घनीभूत रत्न हैं जिन्हें बु(और अनुभव की किरणों से फूटने वाली ज्योति प्राप्त होती है। लोकोक्तियाँ प्रकृति के स्फुलिंग तत्वों की भाँति अपनी प्रखर किरणों को चारो ओर फैलाती रहती हैं। उनसे मनुष्य को व्यावहारिक जीवन की

गुत्थियों को सुलझाने में बहुत बड़ी सहायता मिलती है। लोकोक्ति का आश्रय पाकर मनुष्य की तर्क-बुि(शताब्दियों से संचित ज्ञान से आश्वस्त-सी बन जाती हैं और अंधेरे में भी उजाला दिखाई देने लगता है, वह अपना कर्त्तव्य निश्चित करने में तुरंत समर्थ बन जाता है।

कुड़ुख़ में लोकोक्तियों को 'अकिल' कहा जाता है। यह 'दिमाग, समझ, बुद्धि, अक्ल' का पर्याय है।8 इसका अभिप्राय है कि लोकोक्तियों में 'अक्ल' छिपी हुई होती है। कुड़ुख़ में कहावत को 'बेंको कत्था' से भी संबोधित किया जाता है जो 'बक' या 'बंकिम कथा' से समीकृत है। कुड़ुख़ में प्रचलित लोकोक्तियों का विशिष्ट महत्त्व है। ये लोकोक्तियाँ कुड़ुख़ लोकोक्तियाँ भी इसके अपवाद नहीं है। यहाँ कहावतों, पहेलियों और मुहावरों के क्रम में इसका विवेचन किया गया है —

कुड़ुख़ लोकोक्तियों का वर्गीकरण

कुड़ुख़ लोकोक्तियों में कुड़ुख़ लोक-जीवन के क्रियाकलाप व मनोभाव आदि व्यक्त होते हैं। ये कृषि-संस्कृति के संवाहक हैं इसलिए कृषि, प्रकृति वनस्पति से संबंधित कुड़ुख़ लोकोक्तियों की प्रचुरता मिलती है। कुड़ुख़ समाज जातीय अस्मिता के प्रति जागरूक है इसलिए समाज-संबंधी और नारी-विषयक लोकोक्तियाँ प्रचुर परिमाण में प्राप्त होती है। पशु-पक्षी कुड़ुख़ लोकजीवन के अभिन्न अंग हैं अतः इनसे संबंधित लोकोक्तियाँ भी उपलब्ध हैं। कुड़ुख़ लोक-मानस पुरखों से प्राप्त पारम्परिक ज्ञान को अनुभव की प्रयोगशाला द्वारा प्रस्तुत करके व्यावहारिक ज्ञान को अनावृत्त करता है। ज्ञान-संबंधी ऐसे अनुभवजन्य और व्यावहारिक लोकोक्तियों का विशेष महत्त्व है।

1. कृषि-संबंधी लोकोक्तियाँ

भारतवर्ष कृषि-प्रधान देश है अतः यहाँ कृषि-संबंधी अनेक लोकोक्तियाँ जनमानस की निधि बन गयी है। कुड़ुख़ लोकोक्तियों में कृषि से सम्बद्ध उपकरणों, कृषि-कार्यों से संबद्ध लोकोक्तियों की संख्या पर्याप्त है। इसमें कृषि के महत्त्व के साथ भूमि, किसान और फसलों से संबंधित जानकारियों की

शक्ल में पिरो दिया गया है। अधोलिखित उदाहरणों से इस तथ्य की पुष्टि हो जाती है—

1. ख़ल्ल-उख़डी रअनुम एन्देर मनो?
   ननोर होले जुनू ओनोर?
   (खेती-बारी रहते क्या होगा? कमाओगे तो खाओगे।)
2. ख़ल्ल न उख़डी
   एड़पा नूँ चोट्टो नली
   (खेती बारी का ठिकाना नहीं घर में चूहा नाचता है।)

2. प्रकृति-संबंधी लोकोक्तियाँ

मनुष्य प्रकति की क्रोड़ में पलकर ही बड़ा होता है। कुड़ुख़ लोकमानस आकाश, बादल, वर्षा, गर्मी, शीत, पर्वत, पेड़-पौधे, जंगल आदि से घनिष्ठ संबंध रखता है। इस तरह कुँड़ुख़ लोकोक्तियों में प्रकृति-संबंधी सूत्रा गूँथे हुए हैं, यथा—

1. मुर्रना-चर्रना बदाली मल पुंइयी
   (गरजते बादल बरसते नहीं)
   शोर मचाने से काम नहीं सधता
2. चिच्च लग्गो होले कूबी अरख़ोर
   (आग लगने पर कुँआ खोदना)
3. वनस्पति-संबंधी

कुड़ुख़ समाज खेती-किसानी से जुड़ने और प्रकृति से रमने के कारण सामान्य वनस्पतियों के साथ विशिष्ट वन्य-वनस्पतियों से भी सुपरिचित है। अधोलिखित लोकोक्तियों से इस तथ्य का प्रमाण मिल जाता है—

1. किय्या डुम्बारी खने सरगे अरगना
   (नीचे है गूलर फिर क्यों जाना ऊपर?)
   व्यर्थ परिश्रम करना

2. परता ओलनन ओरमर एरनर, जिया ओलनन ने हूँ माल एरनर।
   (पहाड़ का जलना सब देखते हैं लेकिन हृदय का जलना कोई नहीं देखता)

बाहर की तकलीफ दिखाई देती है, अन्दर की दुःख दिखाई नहीं देता।

4. समाज-संबंधी लोकोक्तियाँ

समाज-संबंधी लोकोक्तियों में प्रधान रूप से जाति, संस्कार, रिश्ते-नाते और व्यवसाय-संबंधी लोकोक्तियों को रखा जा सकता है। कुडुख़ समाज में इस तरह की लोकोक्तियों की भरमार है, उदाहरण—

1. उर्बर गही मण्डी कमियर ही डण्डी
   (मालिकों का खाना, मजदूरों का गाना)
2. एकसन डंगरा रःई असन कन्हर एत्तोदिम
   (जहाँ लाश, वहाँ गि(की आस)

5. नारी-विषयक लोकोकितयाँ

कुडुख़ समाज में नारी का स्थान पुरूष के समान ही आँका गया है। यह गृह-कार्य के अतिरिक्त कृषि व अन्य श्रमजन्य कार्यों में संलग्न होकर दायित्व का बखूबी निर्वाह करती है। नारी के अनेक रूप यथा-माता, पुत्री, बहू, सास, पत्नी, विधवा, सौत आदि रूपों में कुँडुख़ लोकोक्तियाँ गूँथ दी गयी हैं, उदाहरण—

1. जवान बारी मुक्का मला, कीड़ा बारी मण्डी मला
   (जवानी में स्त्री नहीं, भूख में भोजन नहीं)
   सदा तंगी में जीना
2. डिण्डा नू पेल्लो झमर-झमर, बेंजरोय होले पेल्लो भनर-भनर
   (कुँवारीपन में नाचना-उछलना, शादी के बाद लड़की भनभनाती है)
   कुँवारीपन में झम-झम, शादी के बाद थम-थम

6. पशु-पक्षी-संबंधी लोकोक्तियाँ

कुड़ुख़ लोकजीवन में केवल मनुष्य ही सम्मिलित नहीं है वरन् पशु-पक्षी भी सदस्य और सहयोगी रूप में महत्त्वपूर्ण प्रतीत होते हैं। कृषि और वन्यक्षेत्रा में गुजर-बसर करने के कारण कुड़ुख़ समाज से रोज पशु-पक्षी संबंधी जो सूचनाएँ प्राप्त होती हैं, वे भी कम रोचक और ज्ञानवर्धक नहीं हैं। नीचे कुछ उदाहरण दिये जा रहे हैं—

1. चूतका अल्लन अम्बके थुड़ःआ
   (सोये हुए कुत्ते को मत छूना)
   प्रसुप्त शक्तियों से दूर रहना
2. बंदरा ही ख़ेक्खा नूं नारियल
   (बंदर के हाथ में नारियल)
   भाव-साम्य-बंदर के हाथ में उस्तरा

7. ज्ञान-संबंधी लोकोक्तियाँ

औपचारिक शिक्षा और पोथियों के ज्ञान से अलग कुड़ुख़ समाज पुरखों से प्राप्त ज्ञान-अनुभव को परिष्कृत करता हुआ नयी पीढ़ी को लोकोक्ति के रूप में ज्ञान का ही सूत्रा प्रदान करता है। यह ज्ञान व्यावहारिक धरातल पर जीवन के विविध क्षेत्रों को स्पर्श कर नयी पीढ़ी को स्वस्थ दिशा-निर्देश प्रदान करता है। ज्ञान-संबंधी ऐसी कुड़ुख़ लोकोक्तियाँ यहाँ प्रस्तुत की जा रही हैं—

1. एकन्ने चाख़ोय अन्नेम ख़ोयोय
   (जैसी करनी, वैसी भरनी)
2. मेदन लवआ मुन्दा कूलन अम्बा लवआ
   (पीठ को मारो, पेट को नहीं)

8. स्थान/काल-संबंधी लोकोक्तियाँ

लोकोक्तियाँ स्थान विशेष की प्रसि(और समय की सिद्धि को भी निर्दिष्ट करने के लिए प्रयुक्त होती हैं। कुड़ुख़ लोकोक्तियों में ऐसे स्थानों और कालखण्डों का वर्णन है जिसे लोकमानस ने लोकोक्ति-निर्मिति के प्रसंग में भूल न सका। यहाँ ऐसे कुछ उदाहरण दिये जा रहे हैं —

1. पया गा रअी मला, मेरखा मैंङ्या एड़पा कमदस
   ताकत तो है नहीं, आसमान में घर बनाता है।
2. खद्दी अरा फग्गु केरा
   (सरहुल और फागुन बीत गया)
   आनन्द का समय जल्दी बीत जाता है।

9. विविध लोकोक्तियाँ

इसके अंतर्गत ऐसी सभी कुडुख़ लोकोक्तियाँ सम्मिलित हैं जो उपर्युक्त विभाजन के वृत्त में नहीं सिमटतीं अथवा उसको छूकर नये और विशिष्ट अर्थ-छवि को अनावृत्त करती हैं। ऐसी विशिष्ट, विचित्रा और मनोवैज्ञानिक लोकोक्तियाँ इस वर्ग की शोभा बढ़ाती हैं। यहाँ ऐसी कुछ कुडुख़ लोकोक्तियों के विवरण दिये जा रहे हैं—

1. कत्थन मल मेनोय होले निंगयो निम्बास गही बेंज्जन एरा ख़च्चोय
   (यदि बात नहीं मनोगे तो माँ-बाप की शादी देखोगे)
   जो बड़ों की अवमानना करते हैं, वे कष्ट के सहभागी बनते हैं।
2. घाट घाटता अम्मन ओंडका आलस
   (घाट-घाट का पानी पीना)
   अनुभवी व्यक्ति

6

बंको कत्था (कहावतें)

1. पेल्लो नलख सेल्लो, जोंख नलख ददंय।
   - (युवक-युवतियों का घर सम्भालने का ज्ञान नहीं है)
2. लण्डीरगे मण्डी कमियर गे अमड़ी।
   - (मौका पाकर साधारण व्यक्ति भी अच्छा फल पाता है)
3. उफड़ारना चोट्टो टकुआ नू तानिम कुडरीई।
   - (बुरा काम का बुरा परिणाम)
4. लिपि ओड़ा एन्देर बदालिन छेकआ-ओंगो।
   - (असम्भव संभव नहीं होता)
5. छव नलख तिम खंजपा ख़क्खरअी।
   - (अच्छे फल के लिए उचित मेहनत जरूरी है)
6. पच्छरी गही हूँ ख़ेबदा गनी।
   - (गुप्त बातें समय पर प्रकट होती है)
7. कनस गही टेम्पा उन्दुल इबिसरअी।
   - (असावधान भविष्य में सावधानी बर्तता है)
8. ख़न्न मल्ला, मल्ला ढोढरो हूँ मल्ला।
   - (सावधानी करने से हानि की सम्भावना नहीं होती है) या उचित कार्य से उचित (यथार्थ) प्रतिफल।
9. बिन बदाली मुर्रना। - (अकारण क्रोध)
10. माख़ा बीरी बीड़ी एरना। - (असत्य को सत्य बनाना)

11. निंगयो निम्बस गही बेन्जा एरना।-(दुर्घटना से मौत)
12. ख़ट्ट मसड़ा जुदम मनी। - (बच्चों की अलग टोली)
13. कनी गाय गही जुदम बथान। - (किसी के संबंध नहीं रखना)
14. दह ता अम्म अरा मन्न ता टटख़ा भेंट मनी।-(टूटे प्रेम का मिलना)
15. ख़डी-ख़डी तरम इसुंग-इसुंग तरम।-(सही न्याय)
16. जोख देवड़ा पेल्लो बिसाही बोलो बारी जिया केरा।
    - (नासमझी के कारण मुसीबत की जिन्दगी बिताना)
17. बया बड़ही लेखा (खुर्जी) बोंगना।
    - (गरीब होना या समयानुकूल परिस्थिति की बदलाहट)
18. ने (मन्न) अरगी आरिम खतरनर। - (समय का उलट-फेर होना)
19. हर्मी उल्ला चंदो-बिल्ली मल रअना।-(सभी दिन सुख का नहीं रहना)
20. विडिरका नेर्रन थुड़ना। - (मुशीबत में पड़ना)
21. अल्ला पीसअी ख़ोलन, ख़ोला पीसअी मुर्रन।
    - (बात को टालना काम की अनेच्छा)
22. कड़िरका नू मला तो तोम्बानू।- (बचपन में नही तो बुढ़ापा में)
23. चलकी-केंतेर मूड़ा मक्खरअी।- (मनमुटाव बातें)
24. मन चंगा तो कठौते गंगा। - (दिल का साफ होना)
25. ओंटा ख़ेक्खाती थपड़ी मल सड्डी।
    - (प्रेम दोनों तरफ से जरूरी है/अकेला चना भांड नहीं फोड़ता है)
26. दही कुण्डा नू लोभरना।-(थोड़ा सा प्यार में अपने को छोड़ देना)
27. ओन पक्खे ती असमा मल बीअी
    - (रोटी एक तरफ से नहीं पकती/प्रेम एकतरफा नहीं होता)
28. पननन पन्ना दिम खंड्डी। - (लोहे को लोहा ही काटता है)
29. डिण्ड्डर गही पिण्ड्डादिम डेरा। - (घर का काम में मन नहीं लगना)
30. जिया ता कस्सान नोड़ना - (समझौता करना)

31. बिंड़ीयो बोहारना। - (समय बीत जाना)
32. नेखय एड़पा नू चिच्च लग्गी ने सिकरअी।
- (अनुचित लाभ, सहानुभूति नहीं होना)
33. सोझे अंगली ती घीव मल उर्खी।
- (समफलता के लिए कठिन काम होना)
34. नन्नर गही कुम्भका मण्डुी ओन्ना। -(घर से बाहर का जीवन)
35. नन्ना मुक्कर गही चिर्खी चेड़ना। -(व्यभिचार से गर्भवती होना)
36. पिस्ता मुक्का सस्ता कत्था। - (घर की मुर्गी दाल बराबर)
37. ददक बले कतारी। - (दूसरों पर आश्रित)
38. मुर्री आद मल पुइंयी। - (गरजता सो बरसता नहीं)
39. चेड्डका अल्ला लम्बहा मल धरअी।
- (आलसी व्यक्ति को कुछ भी हासिंल नहीं होता)
40. बुरसी सेकेर-सेकेकर बिंड़ियो मंज्जना।-(आलसी कामचोर व्यक्ति)
41. मण्डुी रओ होले ढेर अमख़ी।
- (धन रहने पर किसी चीज का अभाव नहीं रहता)
42. लवचकाति कत्था कोहा।- (अधिक कटुवचन अस्त्रा से भी (घातक) घाव करता)
43. कत्था एम्बा तो उर्मी एम्बा। - (बात अच्छी तो सब अच्छा)
44. ओन माघ नू पंइञ्ज्या मल भुंग्गी। - (दुबारा घटनाओं की आशंका)
45. कपड़े ता टूड़कन ने हूँ बल्ली।
- (भाग्य के लिखे को कौन टाल सकता है)
46. अल्ला भूदना ती बदाली मल पलकरअी।
- (ऊँची आवाज से दूसरों को डराना)
47. ख़ेवदा रओ होले ढेर-सोना ख़क्खरोओ।
- (होश में रहने से सब कुछ सम्भव है)

48. हाथीन पिटर केंतेर ती डबना।
- (अच्छाई या बुराई को छुपाया नहीं जा सकता)

49. किइय्या बोहारना मइय्या बेद्दा काना। - (मूर्खता से उल्टा काम)

50. ड़िण्डा बारी (चिलपीन)-गुड़ख़िन मंजना।-(जवानी को सम्भालकर चलना)

51. बाँस ख़ोप्पा नू बासिम मनी। - (जैसा बाप वैसा बेटा)

52. ओन्टा ख़न्न नू कजड़ा ओन्टा ख़न्न नू सिंन्दरी -(पक्षपात करना)

53. एका अज्जु मेरा अज्जुम डेरा।
- (कामचोर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार कार्य करता है)

54. एकन्ने देवता अन्नेम पुजा।-(योग्यता के अनुसार सम्मान देना)

55. चिगला ख़ोला चैर मना पुल्ली।
- (असम्भव को संभव नहीं बनाया जा सकता)

56. टंगरन ती अम्म पझरारना (दव बेड़ा बरना)-(अच्छा समय आना)

57. धीर अम्म पक्खनन ख़ुट्टी। - (धीरज से काम लेना)

58. छोरहा नेर्र बंधहन ख़ुट्टी। - (खुरापाती दिमाग का परिचय देना)

59. धीरेम तोकय खरा माख़ा रअी।- (सावधानी से आचरण करना)

60. अत्तका पुंदरका ती कोहा मल मन्नर।
- (पहिरावे से कोई बड़ा आदमी नहीं होता)

61. बेगर पेंद्दा गही आलस।- (सि(ान्त रहित मनुष्य)

62. अदला-बदला। - (जैसे की तैसा)

63. लग्गा नक्खरना गही मूलि। -(झगड़े की जड़)

64. अधे अड़ी छिलकी।-(अधजल गगरी छलकत जाय/कम बुद्धि)

65. अम्म नू रअर गोदो संग्गे लड़ना।-(जल में रहकर मगर से बैर)

66. ख़द्दी दरा फग्गु केरा।- (आनन्द मनाने के दिन बीते)

67. अल्ला गही कूल नू धीव मला पचअी।

- (छोंटे के मन में अच्छी बात नहीं रहती)

68. ख़ाख़ा सम्बलपुर नू चूति। - (वह बहुत अस्थिर है)

69. अल्ला गही ख़ोला बंको मनी।- (कुत्ते की दुम टेढ़ी ही रहती है)

70. ख़ाख़ा एन्देर बइकला मनी।

- (क्या मनुष्य अपनी प्रकृति बदल सकता है)

71. अल्ला घी भुकना ती पेटे मल एलची।

- (कुत्तों के भुकने से हाथी को कोई फर्क नही पड़ता)

72. हू पेल्ले गही बिंड़यो बिलची।

- (वह यवुती विवाह करने के लिए उत्सुक है)

73. हू पेल्ले गही विंड़यो बोहारा।- (उस युवती का समय बीत गया)

74. चिअना होअना एंड़ो तरती मनी। - (रोटी दोनों तरफ से पकती है)

75. चिरदो गूटि चिलपिन मंजओय पिसा गा पेलो रोपड़ो मनोय।

- (जब तक जवानी ठहरती है युवती मौज करती है फिर बुढ़ी होती है)

76. अन्धरस गही टेम्पा ओंगहोन एंवसरअी।

- (अन्धे की लाठी एक बार छूटती है)

77. एकनादिम तोकना - (चलना ही नत्य है)

78. कत्थादिम डण्डी - (बात ही गीत है)

79. पिस्ता मुक्का सस्ता कत्था, मेसेरका मुक्का मलका कत्था।

- (दूसरी पत्नी अप्रिय होती है यहाँ ढूकु की तीन बात ही नहीं)

80. अन्धरस गही मुन्धभारे चींखना तंगआ बेड़न खेपना तली।

- (अन्धे के आगे रोना अपना दीदा खोना)

81. कुहू लेखा जियन पोसना। - (दूसरों पर भरोसा रखन)

82. अन्धरस गही ख़ेक्खा नू परकला। - (अन्धे की अरसी)

83. ख़ाख़ा खोता नू कुहू ख़दद। - (कौवे के घोंसले में कोयल का बच्चा)

84. अंधरस मेख़दस अल्ला मोख़ो।- (अन्धा बुलाए कुत्ता खाय)

85. आर गही कुड्डा मल्ला। - (वे विश्वास योग्य नहीं है)

86. आइनका सुक्खे नीकइम पीकन मल मोख़नर/आनका सुक्खे नीइकम कूबी नू मला मुलुख़नर।
- (कहने से कोई कुएँ में नहीं गिरता/डूबता)

87. आस पुना एड़पा कमचस। - (वह मर गया)

88. आइकातिम धुब्बियस घोड़ो नू मला अरगदस।

92 ध् कुडुख़ बुझुर नखरना कुडुख़ बुझुर नखरना ध् 93
- (कहने से धोबी पेड़ पर नहीं चढ़ता)

89. किस्म ख़ेबदन रआ चिआ। - (मूर्खों की संगत मत करो)

90. इन्ना ता ख़ट्टस नेला ता पचगिस। - (छोटे से बड़े होते हैं)

91. बिड़पुत्ता कोदय लस्सा। - (सदा तंग करना)

92. आसगही ख़ेड्ड ख़ेक्खा एस्सरा केरा।-(वह निः सहाय हो गया)

93. उधरा सौदा चोन्हा गही कैंची।
- (एक नगद तेरह उधार स्नेह की कैंची)

94. हूद बुसउ चाकि कोदय कसअी।
- (मिश्रित आचरण की अविश्सनीय स्त्री)

95. उर्बस जोख़स गे एड़पन मल सोपदस।
- खुदा गंजे को नाखून नहीं देता।

96. लिपि ओड़ा धर्मे ख़ट्टन बिसतिअी।
- (एक प्रसत्रा चित मनुष्य बहुतों को प्रसन्न करता है)

97. हुर्मी अंगलिद ओन्टम मल्ला।
- (सभी उँगलियाँ एकसमान नहीं होती)

98. खन्द्रना नेर्रन अम्बके/ अमके एजआ।
- क्रोधी मनुष्यों को क्रोधित मत करो।

99. हुर्मी/ख़ाख़ा ओनतरम काली।- (चोर-चोर मौसेरे भाई)

100. लकड़ा करया अरगी चोआ। - (अब तक खतरा नहीं है)

101. हुर्मी बिलिचना सोना मल्ली। - (सभी जो चमकते हैं, सोना नहीं हैं)

102. निम्बस गही बेन्जन एरोय।
- (यदि वैसी दुष्टता करोगे तो गिर पड़ोगे)

103. उल्ला एंड़ घी चन्दो बिल्ली, फिन ऊख़ा माख़ा।
- (चार दिन की चाँदनी, फिर अँधेरी रात)

104. ओन्ट्टा ख़ोल्लाती मुंडुरकर एन्देर नन्ना मनोर?
- (एक वंश के आदमियों की एक ही प्रकृति)

105. एकसन पूंप असन अच्च। - (जहाँ फूल वहाँ काँटा)

106. ख़त्तस नू ख़ेता नेर्र कोरचा। - (उस पर बड़ी विपत्ति आई है)

107. एकसन बरजअना असानिम जिया
- जिस काम से रोका जाय उसी को जी चाहे।

108. कीड़ा मन्ना। - (अकाल होना)

109. घुटघुट ऊख़ा - (अंधेरी रात)

110. एकसन मने असन डहरे - (जहाँ चाह वहाँ राह)

111.धन-खुरजी/खुर्जी निंग्गन परमा लगी।
- (धन-दौलत तुमको काट रहा है)

112. एका गाय दुदही चिअी, आदिम लथअी।
- (जो गाय दूध देती है वह लाथ/प्रेम/दुलार/स्नेह मारती है)

113. एड़पा हेट्टे अल्ला बड़ियर। - (घर में कुत्ता भी शेर होता है)

114. एकासे नलख अन्नेम ख़ंजपा। - (जैसी करनी वैसी भरनी)

115. आद आल उज्जिया। - (उस स्त्री ने दूसरी बार विवाह किया)

116. एकासे नीन निंग्गा बेट्टय, अन्नेम नीन नन्नर गे हूँ नना।
- जैसा बर्ताव अपने साथ, चाहो, वैसा आप भी करो।

117. आद ख़ट्ट माख़िया/माख़रा। - उसने बच्चे को जन्म दिया।

118. एकासे बेलस अन्नेम परजर। - जैसा राजा, वैसी प्रजा।
119. आस एंग्गन अख़अम बलदस।- वह मुझे जानता ही नहीं।
120. एकासे बंगस अन्नेम खट्टस।- जैसा बाप वैसा बेटा।
121. कोहा बद अम्बा मना। - घमण्डी मत बनो।
122. एकासे मेतस अन्नेम मुक्का। - जैसा पति वैसी पत्नी।
123. एन जिया ख़डकखन। - मुझे उत्साह मिला।
124. एड़पन्ता खयका अस्मा, बहरी ता अहड़ा मण्डी।
- घर की आँधी भली, बाहर की सारी नहीं।
125. बेटस गही हौदा उरखा ख़च्चिया।- उसकी असलियत दीख पड़ी।
94 ध् कुड़ुख़ बुझुर नखरना कुड़ुख़ बुझुर नखरना ध् 95
126. एड़पन्ता गैंसिस महलन ढाहदस। - घर का भेदी लंका ढ़ाहे/दाहे।
127. नागपुर नू अल्लन, भोटांग नू गोल्लन।-घर में निंदा भार, विदेश म मान।
128. एड़पनता अहड़ा मण्डी, अड़ख़ा बराबरी।
- घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सि)।
129. हुदी गही कपड़े मेच्छा रअी। - वह झगड़ालू है।
130. एख़ मंक्खा, बरचस। - बिना बैठे चला जाना।
131. आस गही कपड़े उजगो रअी।- वह भाग्यवान है।
132. एम्बा कत्था कोहा तड़री। - जबान तलवार से तेज है।
133. गिसो इन्जो खाड़ उटअी। - बूंद-बूंद से तालाब भरता है।
134. एम्बा कत्था कूलन उड़तीअी।
- जिसकी बात में स्वाद, उसके भात में स्वाद।
135. आस गही एख़ एंग्गन कज्जिया। - उसने मुझ पर दया की।
136. एरागे बख़डे उला ढंग-ढंग। - ऊँची दूकान फीका पकवान।
137. आस ओंग्गा हूँ पोलदस। - वह बिल्कुल असमर्थ है।

138. एवंदा खुर्जी अवंदम तिहा। - जितना धन उतनी ही चिन्ता।

139. आस एंग्गन ख़न्न कोंड़ा ती हूँ मल एरदस।
- वह मेरी ओर जरा भी नजर नहीं रखता है।

140. एवंदा गूटि कड़मा नू ढिबा, अवंदागूटिमइयारी।
- जब तक पास में धन है तब तक साथी।

141. आस लण्डी जोंख उरखस। - वह आलसी नौकर निकला।

142. ओन्टा ख़ेक्खाती थपड़ी मल सड्डी। - एक हाथ से ताली नहीं बजती।

143. लंड्डीस (लण्ड्डीस) गे मण्डी, कमियस गे अमड़ी।
- आलसी को भात, काम काजी की माड़।

144. ओंटा खेबदाती कोरचा नन्नाति उरखा।
- एक कान सुना, दूसरे से निकाला।

145. ख़न्न मल्ला तो ढोढरी हूँ मल्ला।- आँख नहीं है तो विचार भी नहीं है।

146. ओंटा डहरे एंड़ नलख। - एक पंथ दो काज।

147. परता/ पर्त्ता गेच्छान्ति खेना ख़ूरअी।-दूर रहने से आदर-मान होता है।

148. ओंटा नगदा मला बारह गण्डा उधरा।-नौ नगद न तेरह उधार।

149. आस मल चिअनुम-चिअनुम चिअदस। - वह अनिच्छा से देता है।

150. ओंटा सन्जगी नू गढ़रकर। - एक ही सांचे में ढाले हुए।

151. कुट्टोय होले बेट्टोय, ओक्कोस होले खकखोय।
- घूमनें से खोजोगे, बैठने से पाओगे।

152. ओन्ना-मोख़ना नू बारना दिम बिरों/मंदरा।-परहेज ही सब इलाज।

153. कत्थातिम नसेरनर।-बात से बात बिगड़ती है।

154. ओन्ना-मोख़ना नू एन्देर लज्जे। - खान-पान में क्या लाज।

155. करनी न कलछुर कत्था कोहा-कोहा।
- करनी न धरनी बात बड़ी-बड़ी।

156. कंड़स (कनस) गही खुर्जीन नन्नर मोख़नर।

- लापरवाही आदमी का धन दूसरे उड़ाते हैं।

157. कुम्भरस तंग्हय अड़ीन दव बअदस।-कुम्हार अपने बर्त्तन को सराहता है।

158. कंड़स गही मुन्धभारे चींख़ना कत्थन एन्दरा ख़क्खोय ?

- अयोग्य आदमी के सामने दुःख सुनाने से क्या फायदा ?

159. सपड़ारकन किम झेका बरचा।- सर भिंगाया, छुरा का क्या डर।

160. कत्थन तौलअर कछनखरना मनी।

- पहले बात को तौलो फिर मुंह से बोलो।

161. कत्था एम्बाती कूल उड़अी।- मीठी बातों से अधिक संतुष्टि मिलती है।

162. कूलगेम नलख नन्ना मनी।- पेट ही के लिए चिन्ता होती है।

163. कूबी नू खतरना। - कुएँ में डूबना।

164. केरकन काला बरआ चिआ। - बीती ताहि बिसार दे।

165. केरका बेड़ा मला किर्री। - बीती समय फिर नहीं आता।

166. कत्था ती का कूल उड़अी। - बातों से पेट नही भरता।

167. कोड़े नामे खुर्जीती हूँ कोहा। - नेक का नाम दौलत से अच्छा।

168. नेका कुक्को ख़ट्टर रअनर आर तमन उर्ब अख़नर।

- निर्धन के बच्चे ही धन है।

169. एंड़ आलर नुम टका टोड़े मनी। - हाथ की दो चूड़ियाँ बजती है।

170. ख़ेड्डुन अवंदम तांड़रना एवंदा गूटि किचरी अंड़सी।

- तेते पॉव पसारिए जेती लम्बी सौर।

171. कोंहर गही कत्थादिम कोहा। - बड़ो की बात।

172. ईरका नू मानी कत्था रअी। - देखी बात सच्ची होती है।

173. गेच्छाति परता ख़ेना ख़ोरअी।- पहाड़ दूर से हरा-भरा दीखता है।

174. चाड़ बीरी ख़ट्टर हूँ बबस।-समय पर बच्चो को भी बाप कहना पड़ता है।

175. कोहर गही ख़ेबदा रअी ख़न्न मला।-बड़ो के कान होते है आँख नहीं।

176. ख़न्न गही अन्धरस नामे ईरूस। - आँख का अन्धा नाम नयन सुख।

177. गोहोम गने किरी हूँ कसरीओ।- गेहूँ साथ घुन भी पीस जाते हैं।
178. चांडें ़नलख नाद गही। - जल्दी का काम शैतान का।
179. खुर्जी धर्मेस ती हूँ कोहा। - धन ईश्वर से भी बड़ा।
180. ख़लबस गही खंलवकन हुउस हूँ ख़लवस।
- चोर का (धन) माल लेने वाला भी चारो।
181. चतुरस गही सते टोका। - चतुर की सात छेद।
182. चाली-बाली नू चलकी - केंतेर मूड़ा नक्खरीओ।
- पड़ोसियों से झगड़ा होता ही हैं।
183. खुर्जी तिहा होर्मारिन अन्धरा कमओ।
- धन सबको अंधा कर/बना देता है।
184. खलबस गही गोच्चो नू तूली।- चोर की दाढ़ी में तिनका।
185. चाड़ एन्दरन हूँ बल्ली। - आवश्यकता में सभी कुछ उचित है।
186. छछेम रअना हुर्मी ती कोड़े। - सबसे भला चुप।
187. खंजपा तिम मूलि अखरओ। - पेड़ फल से जाना जाता है।
188. ख़लवस उलटी ख़ापुसिन केबदस। -उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।
189. दहारओय। - अंतकाल आ गया।
190. डुम्बारी लेखेरदय। - बाहर साफ अन्दर कपट।
191. छंरगांरा। - अनियमित बच्चे जनना।
192. धीरेम बेचा खरा माख़ा रओ।- धीरज से काम करो।
193. अल्ला पीसई खोलन, खोला पीसई टुटून।
- अपने काम करो, दूसरे पर भरोसा मत करो।
194. चिगला फेकरारआ लगी। - कोई मरेगा।
195. तिंगली लेखा अम्बा भनभनरआ। - तंग मत करो।
196. ओंटा पांतिनुम एका/पांतिम एका।- साथ चलो।
197. थीर अम्मद पखनन खुट्टी। - धीरज का काम सफल होता है।

198. चब्बा लेखेरदय। - घमण्ड करते रहो।

199. कोंहड़न ख़ट्ट बओय। - निः सन्तान रहोगे।

200. कपड़े तीइसुंग उरखो/चुरखो।-भाग्य चमकेगा।

201. कजड़ा खसरोओय/ बई मोख़ारो मनो।-मुंह काला होगा।

202. ऊरआ-ऊरआ डहरे एका। - फूँक-फूँक कर चलो।

203. कुड़खय़ मना। - आदमी बनो।

204. धीरेम तोकम भेजोली खरा माख़ा रअी बेड़न धोखअर चिन्हअर।

डॉ० प्यारी कुजूर

जन्म : 22–01–1973
पिता : स्व॰ धर्मदास कुजूर
माता : श्रीमती दुलारी कुजूर
पति : श्री सुनील बाड़ा
सास–ससुर : स्व॰ दौवलेन बाड़ा व श्री गजेन्द बाड़ा
स्थानीय पता – जी॰ ई॰ एल॰ मिशन कम्पउण्ड, मधुवन टोली, पो॰ व थ
लोहरदगा, जिला : लोहरदगा (झारखण्ड)।
शिक्षा : एम॰ ए॰, पी॰–एच॰ डी॰, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग,
विश्वविद्यालय, राँची।
उपलब्धि : बेस्ट डॉ॰ ऑफ फैलोशिप अवार्ड इन कुडुख लैंग्वेज।
कार्यानुभव :

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा नेट।
- कनीय एवं वरीय अनुसधान कर्ता माननीय प्रो॰ (डॉ॰) नारायान भगत (डो
कॉलेज, डोरण्डा) के निर्देशन में 28 फरवरी 2013 में पी॰–एच॰ डी॰ की उप
प्राप्त।
- जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची में अध्यापन
- डॉ॰ कोबायसी हॉकवा विश्वविद्यालय (जापान) के साथ रिसर्च कार्यानुभव।
- भारतीय भाषा संस्थान, मानसगंगोत्री, मैसूर में भाषा कार्यशालाओ
सेमिनारों में प्रतिभागी।
- कुडुख व्याकरण कत्थअईन संशोधन कार्यशाला एवं सेमिनार में प्रतिभागी।
- राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय सेमिनार में भाग।

कृतियाँ : कुडुख भाषा साहित्य एवं विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित
वर्तमान में कार्य : संत जेवियर महाविद्यालय, महुआडाँड़, लातेहार में अध्यापन।
सम्पर्क: संत जेवियर महाविद्यालय, पो॰ व थाना : महुआडाँड़, जिला : लातेहा
झारखण्ड।

Price: ₹ 400.00

एजुकेशनल बुक सर्विस

एन–3/25–ए, डी. के. रोड, मोहन गार्डन, नई दिल्ली–110059
चलभाष: +91–9899665801, ई–मेल: ebs.2012@yahoo.in